12/12/97 HVS/66/1

हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

11 मार्च, 1997

(प्रथम बैठक)

खण्ड 1, अंक 4

अधिकृत विवरण

Haryana Vidhan Sabha Secretariat ★ Chandigarh ★ LIBRARY

विषय सूची

मंगलवार, 11 मार्च, 1997

	पृष्ठ संख्या
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(4) 1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(4) 17
श्री जसवन्त सिंह, विधायक का बिजली मंत्री के रूप में त्याग पत्र से संबंधित मामला उठाना	(4) 23
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की सूचना	(4) 25
नियम 121 के अधीन प्रस्ताव	(4) 25
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4) 26
वाक आउट	(4) 35
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4) 36

मूल्य : 93/-

Haryana Vidhan Sabha Secretariat
LIBRARY
Chandigarh

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 11 मार्च, 1997

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रो० छतरसिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : मैम्बर, साहेबान, अब सवाल होंगे।

Construction of a By-Pass in Rewari

***206. Capt. Ajay Singh Yadav :** Will the Minister for PWD(B&R) be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a By-Pass for Rewari city; and

(b) if so, the time by which the aforesaid By-Pass is likely to be constructed ?

Public Works Minister (Shri Dharamvir Yadav) :

(a) Yes, Sir.

(b) Mode of financing the scheme is yet to be finalised. As such likely date of completion cannot be indicated.

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि उस बाई-पास को बनाने के लिये कितना समय लगेगा ?

श्री धर्मवीर यादव : स्पीकर साहब, रिवाड़ी शहर के बाई पास का निर्माण करने की स्कीम सरकार के विचाराधीन है, लेकिन उसमें कुछ समय लगेगा। वह चार किलोमीटर की लम्बाई का बाई-पास बनना है। उसको बनाने के बारे में रेलवे विभाग और डिस्ट्रिक्ट टाउन प्लानर को बोल दिया गया है। इस बारे में बातचीत चल रही है। उस बाई-पास को बनाने की कार्यवाही शीघ्र होगी।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, पिछले सैशन में मुख्य मंत्री जी ने आन दि फलौर औफ दि हाउस यह कहा था कि वहां पर ओवर ब्रिज जल्दी ही बन जाएगा।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : मैंने उस समय यह तो नहीं कहा था कि आज ही बन जाएगा।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, उस बात को एक साल के करीब हो गया है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि उस बाई-पास के बनाने के मामले में क्या इससे पहले कोई सर्वे हुआ था और क्या उसके लिये जमीन एक्वायर करने के लिये सैक्शन 4 या 6 का नोटिफिकेशन हुआ

[कैप्टन अजय सिंह यादव]

था या नहीं ? बाई-पास बनाने का सरकार का क्या क्राइटेरिया है। छोटे-छोटे टाउंज में बाई-पास बन गये हैं लेकिन रिवाड़ी बहुत बड़ा शहर होने के बावजूद भी वहां पर बाई-पास नहीं बनाया गया है। वहां पर जब से इंडियन ओयल कारपोरेशन का तेल का डिपो बना है। उस समय से बहुत भारी संख्या में ट्रैफिक शहर के अन्दर से हो कर आता जाता है जिसके कारण एक्सीडैंट्स बहुत होते हैं। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या उस बाई-पास के लिये जमीन एक्वायर करने के लिये सैक्शन 4 या 6 का नोटिफिकेशन हुआ है, और क्या सरकार ने इस बारे में कोई सर्वे करवाया है ?

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, उसके लिये लगभग 60 एकड़ जमीन चाहिए जिसको एक्वायर करने में एक या डेढ़ साल लग सकता है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी यह बताएं कि बाई-पास बनाने का क्राइटेरिया क्या है ? क्या बाई पास बनाने के लिये हुडा के साथ आपका कोई तालमेल है या कोई दूसरी ऐजेंसी से वह बाई-पास बनवाएंगे ?

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, क्राइटेरिया तो यह है कि ट्रांस्पोर्ट फ्रिक्वंसी असैस की जाती है और वह की जा रही है उसी के तहत इस बाई पास को बनवाया जाएगा।

श्री धर्मवीर गाबा : स्पीकर साहब, बाई पास बनाना बहुत ही जरूरी होता है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या चन्दू गांव से सुलतानपुर लेक तक जहां पर एक बहुत बड़ा टूरिस्ट कम्पलैक्स भी है, बाई-पास बनाने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है।

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, वह बाई-पास बनाना भी अंडर कंसिडेशन है।

तारांकित प्रश्न संख्या 212

यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य, श्री सत नारायण लाठर सदन में उपस्थित नहीं थे।

Civil Hospital, Bahadurgarh

***247. Shri Nafe Singh Rathee :** Will the Minister for Health be pleased to state the time by which the construction work of civil Hospital, Bahadurgarh is likely to be completed ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश महाजन) : निर्माण कार्य 1998-99 तक पूर्ण हो जाने की संभावना है।

श्री नफे सिंह राठी : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि उस होस्पीटल की बिल्डिंग बनाने के लिये अनुमानित लागत कितनी है और वहां पर कौन कौन से रोगों का ईलाज होगा और उस होस्पीटल का क्या स्तर होगा ?

श्री ओम प्रकाश महाजन : अध्यक्ष महोदय, उसकी अनुमानित लागत 1 करोड़ 24 लाख रुपये है। इस समय वहां होस्पीटल की जो बिल्डिंग बनी हुई है वह जगह बहुत कम है। इस समय उस होस्पीटल की चार एकड़ जमीन है लेकिन हमें उसके लिये 8 एकड़ जमीन चाहिए। वह जमीन उद्योग विभाग ने हमें दे दी है। हम उसका बहुत जल्दी ही निर्माण कार्य शुरू करने जा रहे हैं।

श्री नफे सिंह राठी : स्पीकर साहब, उस होस्पीटल में कौन कौन से रोगों का ईलाज किया जाएगा और वह होस्पीटल कितने बिस्तरों का होगा और उसका क्या स्तर होगा ?

श्री ओम प्रकाश महाजन : इस अस्पताल में 30 बैड्ज की व्यवस्था होगी। यह हस्पताल जी०टी० रोड़ पर पड़ता है इसलिये यहां पर लैब, एक्सरे व दूसरी सभी सुविधाएं होंगी।

श्री दिलू राम : अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां पर गुल्हा में हस्पताल बनाने के लिये 20 एकड़ जमीन 1982 से फ्री आफ कोस्ट ले रखी है। यह हस्पताल 30 बैड्ज का बनना था लेकिन उस पर आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। वहां पर केवल फोरैस्ट के सफेदे आदि के पेड़ लगे हुए हैं। मैं मंत्री महोदय, से जानना चाहता हूं कि यह हस्पताल कब तक बन जायेगा ?

श्री ओम प्रकाश महाजन : इस हस्पताल बारे मुझे इस वक्त कोई ईलम नहीं है। अब इन्होंने यह सवाल किया है तो इनको मैं इस बारे में बाद में बता दूंगा।

राव नरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, सिविल हस्पताल नारनौल की बहुत हालत खस्ता है। वहां की जो बिल्डिंग है वह भी बहुत खराब है। मैं जानना चाहूंगा कि उस बिल्डिंग की मुरम्मत कब तक करा दी जायेगी ? दूसरे वहां पर पोस्टमार्टम रूम की व्यवस्था नहीं है, उसको कब तक बना दिया जायेगा ?

श्री ओम प्रकाश महाजन : जो-जो बिल्डिंग क्षतिग्रस्त हैं, चाहे वे बाढ़ के कारण हैं या वैसे खराब हैं, उनकी मुरम्मत सरकार कर रही है। इस प्रकार के 10 होस्पिटल्ज हैं, 9 सी एच सी और 25 पी एच सी हैं। अगर उसमें यह बिल्डिंग आती होगी तो जरूर मुरम्मत होगी।

श्री अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, परसों मैंने आप से एक प्रार्थना की थी कि 22 दिसम्बर, 1995 को उस समय के मुख्यमंत्री जी जब मेरे गांव में गये थे तो उनके साथ उस वक्त की स्वास्थ्य मंत्री महोदया भी साथ थी। उस समय उन्होंने बौंद में सी एच सी बनाने के लिये 1 करोड़ 45 लाख रुपया बौंद की सी एच सी के लिये देने को कहा था। मैं जानना चाहता हूं कि क्या वह पैसा किसी खाते में वहां के लिये है?

श्री ओम प्रकाश महाजन : अध्यक्ष महोदय, पुरानी सरकार का तो मुझे पता नहीं। हां नई सरकार आपको एक विश्वास दिला सकती है आप साथ लगती जमीन का रैज्योल्यूशन विभाग को भिजवा दें, फौरी काम शुरू करवा दिया जायेगा।

श्री कैलाश चन्द्र शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी के नोटिस में लाना चाहता हूं कि नारनौल हस्पताल की हालत बहुत खराब है। वहां पर जो पोस्टमार्टम रूम है वह बहुत खस्ता हालत में है और दूसरे वह काफी नीचे जा कर है। वर्षा में वहां पर पानी खड़ा हो जाता है। वहां पर चार दिवारी न होने के कारण भी पोस्टमार्टम ठीक प्रकार से नहीं हो पाता। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि या तो उसको ठीक करवाया जाये या उसको गिरा कर और उसे ऊपर उठा कर नये सिरे से बनाया जाये ताकि पोस्टमार्टम ठीक प्रकार से वहां पर हो सके।

श्री ओम प्रकाश महाजन : अध्यक्ष महोदय, आदरणीय साथी ने बहुत अच्छी बात कही है। हम उसकी जल्दी ही जांच करके फौरी तौर पर ठीक करवा देंगे।

श्री भागी राम : मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि हस्पताल की ईमारत बनाये जाने का क्या क्राईटेरिया है ? दूसरे मैं यह जानना चाहूंगा कि पिछली सरकारों के समय चाहे वह किसी की भी सरकार रही हो, उसमें जो हस्पताल बनाये जाने की घोषणा की गई थी, उनको बाद में कैंसिल कर दिया गया जब कि वहां पर कुछ धनराशि भी खर्च की जा चुकी है तो उस हालत में जबकि जमीन भी एक्वायर हो चुकी हो और कुछ पैसा खर्च हो चुका है क्या उसको कैंसिल किया जा सकता है ? यदि कैंसिल किया जा सकता है तो उसका क्या क्राईटेरिया है ?

श्री ओम प्रकाश महाजन : अध्यक्ष महोदय, यह इस सवाल से संबंधित नहीं है। ये अलग से नोटिस देकर पूछ लें, इनको उत्तर दे दिया जायेगा।

तारांकित प्रश्न संख्या 217

यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय, माननीय सदस्य, श्री सतपाल सांगवान सदन में उपस्थित नहीं थे।

Repair of Roads

***258. Shri Balwant Singh :** Will the Minister for PWD (B&R) be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the damaged road from village Kherawar to Narnaund in Rohtak District; and

(b) if so, the time by which the said road is likely to be repaird ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री धर्मबीर यादव) : स्पीकर साहब, खेरावर से नारनौंद सड़क पर भारी पैच वर्क किया जाना है। इस पर करीब 3 लाख रुपये लागत आएगी। इस कार्य के अप्रैल, 1997 तक पूर्ण होने की संभावना है। राष्ट्रीय उच्च मार्ग पर हाल ही में बनाया गया खेरावर बाई-पास खेरावर नारनौंद सड़क को भी पार करता है।

श्री बलवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह अनुरोध करूंगा कि वे इस संभावना को थोड़ा क्लीयर करें कि ये सड़के निर्धारित समय पर पूरी हो जाएंगी। अध्यक्ष महोदय, खेरावर से नौनौंद हो कर पाकसमा तक रोड जा रहा है जिसकी हालत काफी खस्ता है और रोड पर काफी खड्डे पड़े हुये हैं, क्या इस पर पैच वर्क के लिये सरकार विचार करेगी ?

श्री धर्मबीर यादव : अध्यक्ष महोदय, 800 मीटर का यह टुकड़ा है, इस पर प्रिएमपटिंग और कारपैटिंग दो महीने तक हो जाएगी और रैम्पिंग का काम जून तक कम्पलीट हो जाएगा।

श्री जसविन्द्र सिंह सन्धु : स्पीकर सर, मैं इस बारे में आपके माध्यम से मंत्री जी से एक आश्वासन चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, 1993 में सारे हरियाणा में जबरदस्त बाढ़ आई थी जिससे गांवों की फसल

तबाह हो गई थी। गुहला कांस्टीच्यूएंसी के फजल गांव से गांव अझोया तक सड़क जाती है जोकि बिल्कुल टूट गई थी। पिछले सैशन के दौरान भी मैंने यह बात उठाई थी और उस वक्त के मुख्य मंत्री जी और पिछली सरकार में मंत्री जी से भी कहा था। अब सरकार के जो मंत्री हैं मैं उनसे हाउस में यह आश्वाशन चाहूंगा क्योंकि पिछले चार साल से यह सड़क टूटी पड़ी है इसको कब तक बनाने की कोशिश करेंगे ?

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि इनकी कांस्टीच्यूएंसी में और दूसरी कांस्टीच्यूएंसीज में बाढ़ की वजह से जो भी सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं हम उनकी मुरम्मत प्रायोरिटी पर करवा देंगे।

श्रीमती करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगी कि गांव पिलाना से कलानौर तक सड़क का टैंडर हो चुका है और उस पर मैटीरियल भी आ चुका था लेकिन अब वहां पर न तो मैटीरियल है और न ही कोई काम शुरू हुआ है क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि इस सड़क की रिपेयर का काम कब तक हो जाएगा ?

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, यह सप्लीमैंटरी सवाल इस सवाल से एराईज़ नहीं होता है, ये इस बारे में लिख कर भेजें या इसके लिये सैपरेट नोटिस दें तो जवाब दे दिया जाएगा। (विघ्न)

श्री रमेश कुमार : अध्यक्ष महोदय, पिछले सैशन में माननीय मुख्य मंत्री जी ने यहां पर हाउस में यह आश्वासन दिलाया था कि जिस हल्के की सड़कें टूट गई हैं उनकी रिपेयर 31-12-1996 तक करवा देंगे। परन्तु अभी तक सड़कों की रिपेयर नहीं हो पाई है। (विघ्न)

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : स्पीकर साहब, मैंने कोई भी ऐसा आश्वासन नहीं दिया था। (विघ्न) ये अपने मन से ही इस प्रकार की बात कह रहे हैं।

श्री बलवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं उस रोड के बारे में एक और जानकारी मंत्री जी से चाहूंगा कि वह रोड कारोर से खराबड़ तक जाता है इस रोड पर गांव भरत माया पड़ता है जहां पर जो पुल है वह काफी खस्ता हालत में है । कारोर के लोग यहां से गन्ना ले कर आते हैं और वहां पर रेलवे फाटक पड़ता है तथा उसके साथ ही एक रजबाहा भी पड़ता है जिसका पुल टूटा हुआ है। मैं मंत्री जी का ध्यान उस पुल की ओर दिलाते हुये उनसे यह आश्वासन चाहूंगा कि वे उस को कब तक कम्पलीट करवा देंगे?

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं अपने माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि यह पुल पी०डब्ल्यू० डी० के अधीन नहीं है बल्कि यह इरिगेशन विभाग के अन्डर आता है इसलिये ये उनसे बात कर लें।

Construction of Bus Stand at Ambala Cantt.

***268. Shri Anil Vij :** Will the Minister for Transport be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a new Bus Stand at Ambala Cantt; and

(b) if so, the time by which the said Bus Stand is likely to be constructed ?

परिवहन मंत्री (श्री कृष्णपाल गुर्जर) :

(क) जी, हां।

(ख) निर्माण कार्य वर्ष 1998 के अन्त तक पूर्ण होने की संभावना है।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं मंत्री जी को अम्बाला छावनी के बहुत समय से पैंडिग पड़े मामले के बारे में हां जबाब देने के लिये धन्यवाद करता हूं कि इस बस स्टैण्ड का निर्माण कार्य आरम्भ हो चुका है। मंत्री जी यह बताएं कि इस बस स्टैंड में क्या-क्या सुविधाएं दी जाएंगी और वहां कितनी बसें खड़ी करने का प्रावधान होगा ?

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, आनरेबल मैम्बर को मैं इस बात का जवाब दे देता हूं। इनकी बात ठीक है। अम्बाला कैंट का बस स्टैण्ड एक समस्या बनी हुई है और इस बारे में गम्भीरता से विचार करने के लिये मैं खुद ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर और वहां के लोकल एम०एल०एज० को लेकर जाऊंगा और वहां की प्रोब्लम के बारे में देखेंगे ताकि वहां से ट्रैफिक आसानी से आ जा सके।

श्री बीरपाल सिंह : स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि अम्बाला शहर में बस स्टैण्ड के निर्माण में जो अनियमितताएं पाई गई हैं और हाउस की भिन्न भिन्न कमेटिज ने इस बारे में अपनी कार्यवाही में आपत्तियां दर्ज की हैं तो क्या सरकार ऐसा कोई विचार रखती है कि जिस अधिकारी द्वारा ये अनियमितताएं बर्ती गई हैं उसको दण्डित करेगी ?

श्री कृष्ण पाल गुर्जर : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो अनियमितताओं के बारे में सबाल किया है वह सैपरेट है लेकिन मैं फिर भी इसका जबाब इनको दे देता हूं कि अगर ऐसी कोई रिपोर्ट आई तो इस बारे में हम कानूनी कार्यवाही करेंगे।

श्री रणदीप सिंह सुर्जेवाला : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा सरकार ने बेरोजगार नौजवानों को बसों के परमिट देने की बात कही है ।

श्री अध्यक्ष : यह इर-रैलेवैंट प्रश्न है। आप बैठ जाएं।

Repair of Roads

***282. Shri Dhir Pal Singh :** Will the Minister for Agriculture be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to repair/reconstruct the following damaged roads of district Rohtak by Haryana State Agricultural Marketing Board :-

(i) Badli to Kheri Jat;

(ii) Kukraula to Toe Dadri;

(iii) Sodhi to Munda Khera; and

(iv) Dulhera to Bhpania ?

Agriculture Minister (Shri Karan Singh Dalal) : Yes, the repair of all these roads is likely to be carried out by 30-6-1997.

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, कृषि मंत्री ने जो आश्वासन दिया है उसके लिये मैं उनका धन्यवाद करता हूं। लेकिन मैं अध्यक्ष महोदय, आपके द्वारा कृषि मंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि बादली से खेड़ी जाट की सड़क का निर्माण 1991-92 में हो गया था और निर्माण पूरा होने के दो महीने के दौरान ही वह सड़क पूर्ण रूप से टूट गई थी। इस सड़क के निर्माण में उस कांट्रेक्टर ने बड़ी भारी अनियमितताएं की हैं।मेरा मंत्री जी से यह निवेदन है इसे चाहे आप लिखित नोटिस भी कह लीजिए कि क्या ये उस ठेकेदार के खिलाफ जांच करवाएंगे और क्या यह इन सारी सड़कों की रिपेयर भी उसी ठेकेदार से करायी जाएगी या फिर कृषि मार्केटिंग बोर्ड के द्वारा इनकी रिपेयर की जाएगी। (विघ्न) हमने तो पहले भी कहा है कि जो इनको बनाने वाले थे उन पर उनकी मेहरबानी थी इसलिये उसके खिलाफ कोई इक्वाधरी नहीं हुई। आज हमारे कृषि मंत्री बड़े योग्य हैं एवं नौजवान हैं इसलिये मुझे उम्मीद है कि वे बड़ी गहराई से सोचते हुए और लाभ हानि को देखते हुए इसकी जांच करवा लेंगे।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, माननीय चौधरी धीरपाल सिंह जी ने कहा कि बादली से खेड़ा जाट तक की सड़क 1991-92 में बनी थी लेकिन मैं इनको बताना चाहूंगा कि यह सड़क 1993 में बनायी गयी थी और उस वक्त इस सड़क की जो अनुमानित लागत थी या जो पैसा इसकी रिपेयर पर खर्च किया जाना था वह किन्हीं कारणों से पिछली सरकार ने नहीं किया। उस समय इसकी अनुमानित लागत आज की तुलना में काफी कम थी। लेकिन अब इस सड़क की रिपेयर पर 3,28,500 रुपये खर्च किये जाएंगे। जहां तक इन्होंने ठेकेदार के बारे में शिकायतें करते हुये कहा कि क्या उसके खिलाफ जांच करवाएंगे । मैं इनसे कहना चाहूंगा कि अगर इनको उससे कोई शिकायत है और अगर उसने वहां पर कोई गलत तरीके से काम किया है तो मैं सदन को आश्वासन देता हूं कि यह हमें उस के बारे में लिखकर बताएं कि उसने क्या अनियमितताएं की हैं, हम उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही करेंगे।

श्री जसविन्द्र सिंह सन्धु : अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार में जब डांगी जी पी०डब्ल्यू०डी० मिनिस्टर थे तो उस समय वे मेरी कांस्टीच्यूएंसी में गये थे और उस समय वे करहा से दोहवा तक की सड़क को बनाने के बारे में कहकर आये थे। उन्होंने कहा था कि 6 महीने में यह सड़क बन जाएगी। सर, वहां पर पुलिया वगैरह बन गयी है लेकिन बाकी काम अभी तक नहीं हुआ। अब उस पर तारकोल एवं बजरी बिछाने का काम बाकी है तो मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि यह सड़क कब तक बन जाएगी ? गांव तिहाना से भूचला तक यह सड़क काफी क्षतिग्रस्त हो गयी थी तो क्या मंत्री जी इसके जल्दी से जल्दी बनवाने की कृपा करेंगे ?

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो सवाल किया है वह पी०डब्ल्यू०डी०महकमे से संबंधित है लेकिन मैं सभी माननीय सदस्यों को यह आश्वासन देना चाहूंगा जैसा कि हमने पिछले सैशन में भी कहा था कि जो सड़कें हरियाणा मार्केटिंग बोर्ड ने बनायी थीं और अगर आज उन सड़कों की हालत खराब है तो हम उन सभी सड़कों की मुरम्मत इसी वर्ष में करा देंगे। माननीय सदस्य अपनी सड़क बनवाने के बारे में पी०डब्ल्यू०डी० मिनिस्टर को लिखकर दे दें क्योंकि वही इसका जवाब देंगे।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, जो बातें मंत्री जी ने मेरे सवाल के जवाब में कही हैं, वह मेरी बातों की पुष्टि करती हैं। इनके पास शायद आंकड़े होंगे और तभी इन्होंने बताया कि वह सड़क 1993 में बनायी गयी थी और जिसकी अनुमानित लागत राशि उस समय करीब 12 लाख रुपये थी। लेकिन सर, 12 लाख रुपये में सिर्फ इस सड़क का निर्माण हुआ और अगर रिपेयर तीन लाख रुपये में

[श्री धीरपाल सिंह]

हो तो यह इस बात को दर्शाता है कि इसमें भारी अनियमितताएं हुई हैं। मंत्री जी ने लिखित शिकायत देने के बारे में कहा है तो मैं लिखित रूप से भी इस बारे में इनके पास शिकायत भेज दूंगा फिर ये उस पर कार्यवाही करें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जो बात कही है इस बारे में मेरा यही कहना है कि अगर पिछली सरकार इस सड़कों की मरम्मत कर देती तो जो पैसा आज हम इन सड़कों की मरम्मत पर खर्च करने जा रहे हैं, उससे कहीं कम पर यह मरम्मत उस समय हो सकती थी लेकिन पिछली सरकार ने न जाने क्यों नहीं इनकी मरम्मत करवायी। जिन सड़कों का इन्होंने अपने प्रश्न में जिक्र किया है उनके लिये जितना भी पैसा खर्च होगा वह हम करेंगे और इनकी मरम्मत कराएंगे। जहां तक ठेकेदार के खिलाफ जांच कराने की बात है, हमें यह लिखकर दे दें और अगर उसने वहां पर गलती की है तो उसके खिलाफ हम जरूर कार्यवाही करेंगे।

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि हरियाणा एग्रीकल्चर मार्किटिंग बोर्ड के बजट का कितना हिस्सा ग्रामीण सड़कों पर और कितना हिस्सा शहरी क्षेत्रों पर खर्च होगा । इसके इलावा पिछली सरकार में हुई अनियमितताओं का और पूरे प्रदेश की सड़कों के बारे में जो इमबैजलमैंट हुये हैं क्या उनकी जांच करवाएंगे ?

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, चौधरी राम पाल जी ने जो सवाल किया है इसके बारे में मैं बताना चाहता हूं कि पूरे प्रदेश में सड़कों की रिपेयर के लिए जो पैसा ईयरमार्क किया गया है वह साढ़े दस करोड़ रुपया राज्य सरकार ने एग्रीकल्चर मार्किटिंग बोर्ड के थ्रू इन सड़कों की रिपेयर के लिए दिया है और अगर आप सारे प्रदेश की सड़कों की लम्बाई जानना चाहते हैं तो मैं बता देता हूं कि 2600 किलोमीटर के करीब राज्य मार्किटिंग बोर्ड ने सड़कें बनाई हैं और अगर ऐस्टीमेट्स को रिवाइज करने की जरूरत पड़ी तो हम उनको रिवाइज भी करेंगे।

श्रीमती करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहती हूं कि मेरे कलानौर क्षेत्र के कुछ छोटे-छोटे लिंक किसानों की सुविधा के लिये मार्किटिंग बोर्ड ने क्लीयर किये थे क्या इस वर्ष उन सड़कों पर काम होगा और अगर होगा तो कब तक होगा ?

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बहन जी को बताना चाहता हूं कि पिछले दिनों जब इनका अपना राज था तब ऐग्रीकल्चर मार्किटिंग बोर्ड ने अपनी मर्जी के मुताबिक जहां-जहां मुख्यमंत्री जी ने चाहा कई हल्कों में तो उन्होंने कई किलोमीटर सड़कें बनाई और कइ हल्कों में बिल्कुल न के बराबर सड़कें बनाईं। जहां तक इन्होंने अपने हल्के के बारे में कहा है तो फिलहाल कोई नयी सड़कें बनाने का प्रस्ताव प्रदेश सरकार के विचाराधीन नहीं है। इनके अपने राज में चौधरी भजन लाल जी ने अपने हल्के में 70 किलोमीटर सड़कें व कृषि मंत्री ने 90 किलोमीटर सड़कें बनवाई थीं और इनके हल्के में केवल साढ़े तीन किलोमीटर सड़कें उस समय बनी थीं। जहां तक इनका इस वर्ष के बारे में सवाल है मैं इन्हें बताना चाहता हूं कि अगर इनके हल्के में कोई ऐसा गांव है जो गांव किसी लिंक से नहीं जुड़ा हुआ है और गांव के लोग उसकी वजह से दिक्कत महसूस करते हैं और उस लिंक रोड के बन जाने से उन्हें मंडियों में जाने में सुविधा होगी तो इस बारे में बहन जी लिखकर दे दें, हम विचार करेंगे। लेकिन इस बारे में मैं कोई आश्वासन नहीं दे सकता।

श्रीमती करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में मंत्री जी के आने का टाईम भी निश्चित हो चुका था। (विघ्न) लेकिन चुनाव की घोषणा हो चुकी थी इसलिये वह काम नहीं हो सका। आप मेहरबानी करके इस वर्ष में यह काम शुरू करवाइए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, उन दिनों जो मंत्री साहब इनके हल्के में जाने वाले थे वह रिकार्ड पर नहीं है । (विघ्न)

श्रीमती करतार देवी : सड़कों की जो ऐडमिनिस्ट्रेटिव ऐप्रूवल दर्ज की गई होगी, वह तो आपके रिकार्ड में दर्ज होगी।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बहन जी को बताना चाहता हूं कि पिछली सरकार ने अगर कोई ऐसी ऐप्रूवल दर्ज की होगी तो वह हवा में दर्ज की होगी।

श्रीमती करतार देवी : ये तो हो नहीं सकता। अध्यक्ष महोदय, मैं आश्वासन चाहती हूं कि अगर बोर्ड ने जो सड़कें क्लीयर कर रखी हैं तो क्या वे इस वर्ष में बन जाएंगी ?

श्री कर्ण सिंह दलाल : ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है। हम नये सिरे से नीति निर्धारित करके उसके बाद इस बारे में कोई फैसला लेंगे।

10.00 बजे **श्री सतपाल सांगवान :** अध्यक्ष महोदय, दादरी शहर में फव्वारा चौक से बस स्टैण्ड की ओर जो सड़क जाती है उसकी हालत बहुत खराब है। उस सड़क की मरम्मत के लिये हम जिस भी विभाग के पास जाते हैं वह विभाग इंकार कर जाता है कि यह हमारा काम नहीं है चाहे वह मार्केटिंग बोर्ड हो या लोक निर्माण विभाग हो या दूसरा कोई विभाग हो। मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या वे उस सड़क को ठीक करने का काम करवायेंगे ?

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार ने यह निर्णय लिया था कि बाढ़ से जो सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं, चाहे वे शहर के अन्दर की सड़कें हो या बाहर की, उनको ठीक करने की नीति सरकार ने बनाई थी। जहां तक दादरी शहर का जिक्र है, अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि जहां और मामलों में तो भेदभाव किया ही उसके साथ-साथ सड़कों के मामले में भी भिवानी जिले के साथ भेदभाव किया था । अध्यक्ष महोदय, हमारे विपणन बोर्ड के द्वारा जिन भी सड़कों को ठीक करने की व्यवस्था है उनको जरूर ठीक किया जायेगा। (विघ्न) हम एक नीति निर्धारित करने जा रहे हैं जिन शहरों में सड़कों की हालत ज्यादा खराब है और जो मण्डी तक जाती हैं उनके बारे में हमें लिखकर दे दें इसके बाद हम जरूर उन सड़कों की मरम्मत कर देंगे।

श्री अध्यक्ष : मंत्री जी आपने खुद यह बात बताई है कि पिछली सरकार ने भिवानी जिले के साथ भेदभाव किया है क्या उस पूर्ति के बारे में आप विचार करेंगे ?

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, मैंने यह माना नहीं है जो हमारे रिकार्ड की बात है उससे ही जानकारी होती है। पिछली सरकार ने जिस जिले में सड़कों की जरूरत नहीं थी वहां तो जबरदस्त सड़कें बनाई, केवल अपनी औपचारिकता पूरी करने के लिये। जहां तक भिवानी जिले का प्रश्न है यह सरकार भिवानी जिला ही नहीं बल्कि हरियाणा के किसी भी जिले में जहां सड़कों की हालत खराब है और जो विपणन बोर्ड द्वारा बनानी है उन सड़कों को बनाने के बारे में अवश्य विचार करेगी।

श्री सूरजमल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि मेरे हल्के के गांव मुरथल में जिसमें मंत्री जी खुद जाकर आये हैं और लोगों ने वहां की सड़क बनाने के बारे में इनको रिक्वैस्ट की थी और मार्केटिंग बोर्ड का चेयरमैन भी खुद वहां पर जाकर आया है क्या मंत्री जी उस सड़क को बनाने के बारे में विचार करेंगे क्योंकि उस सड़क को बनाने के लिये कई बार मैटीरियल भी पड़ चुका है और फिर उठा लिया जाता है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आदरणीय श्री सूरजमल जी को बताना चाहता हूं कि मैं उस गांव में गया था और लोगों ने मेरे से भी सड़क बनाने के बारे में कहा था। हमारी सरकार ने किसी भी सड़क पर पड़ा हुआ पत्थर और सीमेंट नहीं उठाया है। जहां तक मुरथल की सड़क बनाने का सवाल है मैंने वहां से आते ही विभाग के अधिकारियों को निर्देश दे दिये हैं और कल भी इस बारे दोबारा कहा गया है कि मुरथल की सड़क को बनाने का इंतजाम किया जाये।

श्री दिलूराम : अध्यक्ष महोदय, हल्का गुहला में उरलाना से खरका सड़क को बनाने के बारे में चुनाव से पहले 23 तारीख को टैंडर हुआ उसके बाद काम भी शुरू हुआ लेकिन आधा काम भी नहीं हुआ था कि यह सरकार आने के बाद पता नहीं किस कारणवश काम बीच में ही बंद कर दिया गया। मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि उस सड़क का काम कब तक पूरा कर देंगे ? कृपया उस सड़क का काम जल्दी पूरा करवाने की कृपा करें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, माननीय सदस्य ने जिस सड़क के बारे में बात पूछी है, मैं बताना चाहता हूं कि इस सड़क का काम भी हम जल्दी ही शुरू करवाने जा रहे हैं।

शिक्षा मंत्री (श्री राम विलास शर्मा) : स्पीकर सर, चौधरी भागी राम जी ने ठीक ही कहा है। इन्होंने अपना अलग मौहल्ला बना रखा है। ये एक वरिष्ठ नेता हैं। ये जितने भी हरिजन नेता हैं, जैसे कि श्री रमेश कुमार जी, श्री भागी राम जी, व श्री बंता राम जी इत्यादि इन सभी ने अपनी यहां पर ढाणी अलग से बना रखी है। अध्यक्ष महोदय, भागी राम जी की शिकायत बिल्कुल जायज है। (हंसी)

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, इनकी बात बिल्कुल ठीक है। इन पंडितों की मेहरबानी से ही हम अलग हुये हैं। (हंसी)

श्री राम विलास शर्मा : ठीक है, आपके नेताओं ने ही आपको अगल से बिठाया है। इस स्थिति पर किसी का जोर नहीं। (हंसी)

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से आपके माध्यम से जानना चाहता हूं कि जैसे कि इन्होंने अपने जवाब में भी कहा है कि पिछली सरकार के कृषि मंत्री, मुख्य मंत्री और अध्यक्ष महोदय, शायद आपको सुनाई दिया या नहीं सुनाई दिया, स्पीकर साहब का भी नाम लिया गया है। इन सभी ने अपने अपने हल्कों में कहीं 70 कि० मी०, कहीं 80 कि० मी० व कहीं 90 कि० मी० ज्यादा सड़कें बनवाई। मैं पूछना चाहता हूं कि जो गलतियां पिछली सरकार ने की हैं क्या यह सरकार भी इन गलतियों को दोहराएगी। मेरा दूसरा सवाल यह है कि क्या मंत्री महोदय और मुख्य मंत्री महोदय हाउस को यह आश्वासन देंगे कि पिछली सरकार ने जो गलतियां की थीं, क्या वह गलतियां यह सरकार नहीं दोहराएगी तथा सभी एम०एल०एज० को बराबर का कोटा मिलेगा अर्थात् 2,3,4, व 5 कि०मी० की सड़कें हर एम०एल०ए० के हल्के में बनाई जाएंगी।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं आश्वासन देता हूं कि मेरे हल्के में कोई ज्यादा सड़कें नहीं बनाई जाएंगी।

श्री सतनारायण लाठर : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि मेरे जुलाना विधान सभा क्षेत्र में करसौला से रामकली और रामकली से डिगाना सड़कें मंजूर हुई हैं। उनका काम कब तक शुरू हो जाएगा ? जैसे कि ये सजपा के साथी कह कहे हैं, मैं इन्हें बताना चाहता हूं कि चाहे चौधरी देवी लाल की सरकार रही हो या चौधरी भजन लाल जी की सरकार रही हो, इनके समय में खासकर मेरे हल्के के साथ विश्वासघात हुआ है। (विघ्न) मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि परोपर जुलाना में जो कि अर्बन एरिया कहा जाता है, वैसे तो उसकी सारी 15 फुट की गलियां थीं, उनको मार्किटिंग बोर्ड द्वारा पक्का किया जाना है, यह कार्य कब तक हो जाएगा ?

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आदरणीय लाठर साहब को यह बताना चाहता हूं कि जहां तक जुलाना की सड़कों का सवाल है वे मार्किटिंग बोर्ड ने बनानी हैं। शहरों के बारे में मैंने पहले भी बताया है कि ऐसी किसी भी नीति का निर्धारण हमने नहीं किया है जहां पर शहरी सड़कों का निर्माण राज्य विपणन बोर्ड द्वारा किया जा सकता है लेकिन अध्यक्ष महोदय, अगर कहीं पर राज्य विपणन बोर्ड यह महसूस करेगा कि यहां पर सड़कों का निर्माण किया जाना उचित है तो हम कराएंगे। जहां तक इनके हल्के की सड़कों का सवाल है कि पिछली सरकार ने क्या किया है अथवा क्या नहीं किया है, हम इस बारे में कुछ नहीं कह सकते हैं। हां, ये अलग से हमें लिख कर दे दें हम उसका जवाब दे देंगे।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि इस वित्तीय वर्ष में अम्बाला छावनी में कुछ सड़कें बनाने का काम किया गया और कुछ अमांऊट भी एलोकेट किया गया है लेकिन कुछ काम अभी अधूरा पड़ा है। इसलिये मैं जानना चाहता हूं कि 31 मार्च तक यानि इस वित्तीय वर्ष तक क्या यह अधूरा कार्य पूरा कर लिया जाएगा तथा जो अमांऊट एलोकेट किया गया है, क्या वह इसी वित्तीय वर्ष में खर्च कर लिया जाएगा या वर्ष खत्म होने के बाद यह राशि लैप्स हो जाएगी ?

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, जिस सड़क के बारे में विज साहब ने कहा है हमने उसका एस्टिमेट मंजूर कर दिया है। उस सड़क को तुरन्त तौर पर पूरा करने की कोशिश करेंगे।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, पिछले मार्च महीने में जो बाढ़ से इफैक्टिड एरिया था उनकी सड़कें अभी तक नहीं बनाई गई हैं। नरवाना क्षेत्र के गांव डबलान से गांव राजगढ़ डोबी सड़क बनाने के लिये टैंडर काल कर लिये गये थे लेकिन पिछले 9 महीने से उस सड़क का काम बीच में ही रुका पड़ा है यानि अप्रैल, 1996 से उसका काम रुका पड़ा है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि उस सड़क को कब तक पूरा करवा दिया जाएगा ?

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य श्री सुरजेवाला जी को बताना चाहूंगा कि जिस पार्टी के लैवल पर उन्होंने चुनाव लड़ा है और जिस पार्टी का पिछले दिनों राज था वह इनकी अपनी पार्टी की सरकार थी इनके पिताश्री उस सरकार में वजीर भी थे। उस समय उस सरकार ने नरवाना क्षेत्र के लिये आधा किलोमीटर लम्बी सड़क बनाने के लिये मंजूरी नहीं दी। यह मेरे पास रिकार्ड है। मुझे इस बात की हैरानी है कि इनको पिछले जो मुख्य मंत्री थे, उनकी कार्यशैली का पता नहीं लगा। बहन करतार देवी ने जब इनकी अपनी सरकार थी उस समय इन्होंने सड़कों के बारे में कोई सवाल नहीं पूछा अब पूछ रहीं हैं। बहन जी दूसरे नम्बर की कुर्सी पर बैठी हैं उस कुर्सी पर चौधरी खुर्शीद जी को बैठना चाहिए था जोकि पीछे बैठे हैं।

श्री खुर्शीद अहमद : मुझे कोई प्रोटैस्ट नहीं है।

डा० वीरेन्द्र पाल अहलावत : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से और खास करके मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि गांव शेरिया से बेरी तक एक किलोमीटर लम्बा सड़क का टुकड़ा बनना था और वह मार्कीटिंग बोर्ड द्वारा बनाया जाना था लेकिन वह नहीं बन सका। जिस अड़चन के कारण वह सड़क का टुकड़ा नहीं बन सका था अब वह अड़चन दूर हो गई है। गांव की पंचायत उस सड़क को बनाने के लिये मंत्री जी से मिली थी और मंत्री जी ने यह कहा था कि वह रास्ता केवल 3 कर्म का है जबकि 5 कर्म चाहिए। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या वह सड़क का टुकड़ा बनेगा या नहीं। यदि उस सड़क को मार्कीटिंग बोर्ड नहीं बना सकता तो उसको पी०डब्ल्यू०डी० को सौंप दिया जाए। मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि उस सड़क के टुकड़े को मार्कीटिंग बोर्ड के परव्यू से निकाल कर लोक निर्माण विभाग को सौंप कर उस सड़क को बनाएं ।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, चाहे माननीय सदस्य मुझे उस सड़क के बारे में लिख कर दे दें और चाहे मुख्यमंत्री जी को दे दें और चाहे लोक निर्माण मंत्री जी को दे दे उसके बाद उस पर विचार किया जाएगा।

श्री देवराज दीवान : स्पीकर साहब, हल्का सोनीपत में पिछले कई सालों से मार्किटिंग बोर्ड द्वारा बनाई गई सड़कें टूटी पड़ी हैं। सोनीपत हल्के के गांवों में, शहरों में मार्किटिंग बोर्ड द्वारा जितनी भी सड़कें बनाई हुई हैं उनके अन्दर तीन तीन फुट गरहे गड्डे पड़े हुये हैं। पिछले महीने उन सड़कों की मुरम्मत का काम रोक दिया गया। उनकी मुरम्मत के काम को रोकने के बारे में जब पूछा गया तो बताया गया कि उन्हें पैसा नहीं मिला इसलिये काम रोक दिया गया। सोनीपत जिले से तीन तीन एम०पी० और तीन तीन मंत्री रह चुके लेकिन सोनीपत की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया गया क्या मंत्री जी सोनीपत की तरफ अब ध्यान देंगे ?

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने सोनीपत के बारे में सही कहा है। पिछली सरकार में सोनीपत हल्के का जो माननीय सदस्य प्रतिनिधित्व करते थे वे उसी पार्टी के और उस सरकार में वजीर भी थे। माननीय सदस्य ने यह बात सही कही है कि पिछली सरकार ने सोनीपत हल्के की सड़कों के लिये कोई पैसा नहीं दिया। जहां तक दीवान साहब ने कहा उस बारे मैं इनको बताना चाहूंगा कि ये जिन जिन सड़कों को बनवाना चाहते हैं, लिख कर दे दें, उनको अवश्य बनवा दिया जायेगा।

श्री रामफल कुण्डु : अध्यक्ष महोदय, पिछले साल बाढ़ के समय में जो रिंग बांध बांधे गये थे वे टूट गये थे। इसी प्रकार से बहुत सारी सड़कें टूटी हुई हैं। कलावती से होशियारपुर जो सड़क है उस पर मिट्टी डाली गई थी, वह रास्ता कच्चा है और जो रिपेयर की गई थी, वह ना के बराबर है। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इस सड़क की ठीक तरह से मुरम्मत कब तक कर दी जायेगी ?

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, यह कह रहे हैं कि रिपयेर न के बराबर हुई है ये कहां-कहां की रिपेयर करवाना चाहते हैं, लिख कर दे दें, इनकी प्रार्थना पर विचार कर लिया जायेगा।

Degradation of School of Sanghour Village

***287. Shri Banta Ram Balmiki :** Will the minister for Education be pleased to state whether it is a fact that the Middle School of village Sanghour, District Kurukshetra has been degraded; if so, the reasons thereof ?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : स्पीकर साहब, चौधरी बंता राम जी ने अपने सवाल में पूछा है कि कुरुक्षेत्र जिले के गांव संधौर के स्कूल का दर्जा घटाया गया है तो हमने यानि इस सरकार ने अपने 8 महीने के शासन में किसी स्कूल का दर्जा नहीं घटाया, यह मैं इनको बताना चाहता हूं।

श्री बंता राम वाल्मीकि : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे और सभी सदस्यों से प्रार्थना करूंगा कि वे मेरी बात को ध्यान से सुनें। मैं सदन की जानकारी के लिये बताना चाहूंगा कि 1935 में संगौर में छः कलासें लगती थी। वहां पर 10 हजार की आबादी है किसी भी सरकार ने आज तक उस तरफ ध्यान नहीं दिया। वहां पर स्कूल अपग्रेड न होने के कारण लड़कियां अनपढ़ रह जाती हैं जिस कारण वहां की लड़कियों के रिश्ते भी नहीं हो पाते। निर्मल सिंह भी उस गांव से अच्छी तरह से परीचित हैं मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि उसका दर्जा कब तक बढ़ा दिया जायेगा ?

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, बंता राम जी ने जो सवाल पूछा था, वह पूछा कि क्या यह तथ्य है कि गांव संधौर, जिला कुरुक्षेत्र के मिडल स्कूल का दर्जा घटाया गया है, यदि हां तो उसके क्या कारण हैं। उसके जवाब में मैंने बताया है कि इसका दर्जा घटाया नहीं गया। जब किसी सदस्य का हमारे पास नोटिस आता है तो हम उस पर अच्छी तरह से जांच पड़ताल करते हैं। मैं इनको बताना चाहता हूं कि इस स्कूल में 256 छात्र-छात्राएं हैं। इस गांव की आबादी 3021 है। कमरों की संख्या छः है। एक एकड़ जमीन इसके पास है। इस स्कूल में महबा खेड़ी व दो-तीन साथ लगते गांवों से बच्चे आते हैं। इस बारे में मैंने 10-3-97 को भी जिला शिक्षा अधिकारी से लेटैस्ट रिपोर्ट मांगी है। वहां पर प्राईमरी स्कूल है। हमने उसका दर्जा घटाया नहीं है। स्कूल अपग्रेड करने के ये मार्ग्ज पूरे कर देंगे तो हम इसको अपग्रेड कर देंगे।

श्री निर्मल सिंह : क्या मंत्री महोदय, इसको अपग्रेड करने का इरादा रखते हैं।

श्री राम बिलास शर्मा : एक स्कूल को अपग्रेड करने के जो नार्मज हैं उनको पूरा कर दें।इसमें छात्रों की संख्या गांव की आबादी और भवन तथा मैदान आदि की बात आती है। विद्यालय खोलने के लिये इस प्रकार से नार्म पर विचार करते हैं । अध्यक्ष महोदय, अगर नार्म के मुताबिक बच्चों के बैठने का स्थान अगर ये उपलब्ध करवा देंगे तो वहां हम विचार करेंगे।

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से अपने लायक मंत्री जी से एक बात कहना चाहूंगा कि हमारे साथी श्री बंता राम विधायक जी ने स्कूल का दर्जा घटाने की बात कही है। हमारे शिक्षा मंत्री जी तथा गृह मंत्री जी को मालूम होगा कि पहले लोवर मिडल और अपर मिडल स्कूलों का दर्जा हुआ करता था। लोवर मिडल में छठी क्लास तक दर्जा था जिसे बाद में घटा कर प्राईमरी कर दिया गया था। ऐसा 1935 में था। साथी विधायक को जिस प्रकार की जानकारी मिल पाई होगी उसके आधार पर उन्होंने सवाल पूछ लिया। मैं माननीय शिक्षा मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या उस स्कूल का दर्जा बढ़ाने बारे विचार करेंगे ?

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, बात घूम फिर कर वहीं आ जाती है। मैं इस सवाल का जवाब दे चुका हूं। जहां तक चौधरी धीरपाल सिंह जी, निर्मल सिंह जी तथा बंता राम जी को विद्यालय के बारे में चिन्ता है, ये भवन उपलब्ध करवा दें तो उस पर जरूर विचार करेंगे।

श्री बलवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि समचाना गांव में 18 कमरे बने हुये हैं तथा एक हाल भी बना हुआ है तथा यह स्कूल का नार्म भी पूरा करता है। वहां पर

[श्री बलवन्त सिंह]
लड़कियों के स्कूल के लिये भी लोगों ने 8 कमरे तैयार कर दिये हैं दो और कमरे बनने शुरू हो चुके हैं, मैं शिक्षा मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि क्या इस स्कूल को दस जमा दो में अपग्रेड करने की कृपा करेंगे ?

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, 6 तारीख को मायना गांव के स्कूल के बारे में इनका एक सवाल था जिसके बारे में मैंने विस्तृत जानकारी दी थी। इसमें केवल नार्म की ही बात नहीं है। स्पीकर सर, विद्यालय का दर्जा बढ़ाने पर जो खर्च आता है उसका ब्यौरा मैं फिर से अपने माननीय साथी को उपलब्ध करवाना चाहूंगा। अगर एक विद्यालय प्राईमरी से मिडल अपग्रेड करते हैं तो एक लाख 49 हजार रुपये का सरकार पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है, मिडल से हाई स्कूल करते हैं तो साढ़े तीन लाख रुपये का अतिरिक्त व्यय करना पड़ता है और अगर मैट्रिक को दस जमा दो में अपग्रेड करते हैं तो साढ़े दस लाख रुपये का अतिरिक्त खर्च का बोझ सरकार पर पड़ता है। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार ने अन्धाधुंध 245 स्कूलों की लिस्ट निकाल कर उन्हें अपग्रेड कर दिया था। टिक्करताल हरियाणा की लास्ट सीमा पर एक गांव पड़ता है जिसमें 9 टीचर्ज लगे हुये थे और वहां दस जमा एक तथा दस जमा दो की कक्षा में पढ़ने वाला एक भी विद्यार्थी नहीं था और नौ टीचर्ज वहां पर आईडल ही लगे हुये थे। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार से जो बिना योजना के काम हुये हैं उन पर हमने पुनर्विचार किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि जिन विद्यालयों का नार्म पूरा हो जाएगा यानि उचित भवन, खेल का मैदान, छात्रों की संख्या और जो छात्र पढ़ने आते हैं उससे कितनी दूरी पर दूसरा विद्यालय है, इन बातों पर विचार कर के ही हम किसी स्कूल का दर्जा बढ़ाने बारे विचार करेंगे।

Upgradation of Schools

***310. Shri Mani Ram :** Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the schools in the State during the year 1997; and

(b) if so, the criteria adopted for the purpose ?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) :

(क) जी, हां।

(ख) मापदण्ड सदन के पटल पर रखा जाता है।

मापदण्ड

क्रमांक	आवश्यकता का नार्म	प्राथमिक से माध्यमिक	माध्यमिक से उच्च	उच्च से वरिष्ठ माध्यमिक
1.	गांव की आबादी	500	1000	5000
2.	भूमि	3 एकड़	5 एकड़	6 एकड़
3.	निकटतम स्कूल से दूरी	3 कि०मी०	5कि०मी०	8कि०मी०

4.	छात्र संख्या	150 (कक्षा 1–5)	250 (कक्षा 1–8)	150 (कक्षा 9 व 10)
5.	कक्षा कक्ष	8	10	14
6.	विज्ञान कक्ष	1	2	3
7.	कार्यालय कक्ष	1	1	1
8.	स्टाफ रूम	-	1	1
9.	हाल	-	-	1
10.	अन्य कक्ष	1	1	2
11.	चार दीवारी	-	-	हो

विद्यालय का स्तर बढ़ाने पर आने वाला व्यय

विभिन्न स्तरों के स्कूलों को अपग्रेड करने पर जो खर्चा आता है उसका विवरण इस प्रकार है :—

क्रमांक	आईटम	आने वाला खर्चा (लाखों में) एक विद्यालय के लिये			
		प्राथमिक से माध्यमिक	माध्यमिक से उच्च	उच्च से वरिष्ठ माध्यमिक	
				प्लान	नान-प्लान
1.	वेतन	1.30	2.64	9.42	0.134
2.	फर्नीचर ग्रान्ट	0.08	0.10	0.50	-
3.	साईंस ग्रान्ट	0.05	0.08	0.30	-
4.	लाईब्रेरी	0.02	0.04	0.05	-
5.	टीचिंग एड्स	0.007	-	0.08	-
6.	सैफ	-	0.03	-	-
7.	कोमर्श ग्रान्ट	-	-	0.20	-
8.	स्पोर्टस ग्रान्ट	-	-	0.05	-
9.	अन्य खर्चे (वास्तविक राशि)	0.003	0.003	0.02	-
10.	एल०टी०सी०	0.03	0.06	0.12	0.005
11.	टी०ए०ग्रान्ट	-	-	-	0.02
		1.49	**2.953**	**10.74**	**0.159**

श्री मनी राम : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने दर्जा बढ़ाने के लिये जो मार्मज दिए हैं वे हमारे पास पहुंच गए हैं। मेरे हल्के डबवाली में फूलो तिगड़ी और चट्ठा गांव हैं, क्या इनमें जो प्राईमरी स्कूल्ज़ हैं उनका मिडल तक दर्जा बढ़ाने के लिये सरकार कुछ करेगी ? इनके जो मार्मज हैं आबादी के हिसाब से तो वे पूरे करते हैं और जहां तक तीन एकड़ की जमीन के बारे में लिखा है, इस बारे में तो मुझे पता नहीं है कि वह मार्मज के अनुसार जमीन है कि नहीं है। आप यह बताएं कि आप इन स्कूलों का दर्जा बढ़ाने जा रहे हैं या नहीं।

श्री राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जो सवाल पूछा था हमने उसका विस्तार से जवाब दे दिया है। यह जो अब गांवों के नाम ले रहे हैं इस बारे में ये अलग से प्रश्न पूछ लें।

Construction of the Building of Primary Health Centre, Kiloi

***331. Shri Sri Krishan Hooda :** Will the Minister for Health be please to state—

(a) whether it is a fact that the building of Primary Health Centre, Kiloi has been damaged completely; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a new building of the aforesaid Primary Health Centre ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश महाजन) :

(क) जी हाँ ।

(ख) वर्तमान साईट पर नव भवन निर्माण किये जाने का प्रस्ताव सरकार के सक्रिय विचाराधीन है तथा निर्माण कार्य आगामी वित्त वर्ष में टेक अप किये जाने की संभावना है।

श्री सिरी कृष्ण हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि रिप्लाई में हां कहा गया और उसके बाद उसको काटा गया है। कहीं यह हरिपा का सजपा से भेदभाव तो नहीं किया गया है। यह हां लिखकर क्यों काटा गया है ?

श्री ओम प्रकाश महाजन : अध्यक्ष महोदय, जो जवाब है मैंने वही जवाब दिया है। यह जो काटा है प्रिन्टिंग मिसटेक थी। हम तो आपके यहां पर दर्जा बढ़ाने जा रहे हैं हम आपका काम कर रहे हैं और आप भेद भाव वाली बात कह रहे हैं। ऐसी कोई बात नहीं है।

श्री सिरी कृष्ण हुड्डा : इसके लिए मैं आपका बहुत धन्यवादी हूं। आप यह बताएं कि यह कब तक बन जाएगा। पांच साल से वहां के लोग इसकी फैसेलिटी से वंचित हैं। वहां पर स्टाफ भी कम है।

श्री ओम प्रकाश महाजन : अध्यक्ष महोदय, वहां पर 10 का स्टाफ है और उसमें दो की कमी है। इस कमी को भी हम जल्दी पूरा करने जा रहे हैं। आपको हमारे काम के बारे में कोई शिकायत नहीं मिलेगी।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, एक फार्मूला है "माईनस इन टू माईनस प्लस" होता है । इसी प्रकार से मनफी से मिलकर मनफी बनते हैं मुसरतें तो खुदा के वास्ते कह दो नहीं नहीं तो इसका मतलब

है हां। इन्होंने तो इनकी फिर भी रियायत कर दी है कि एक बार बोला है। अगर दो बार हां कर दी होती तो उसका मतलब न था । (हंसी)

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज, अब प्रश्न काल समाप्त होता है।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Construction of Roads

***339. Shri Kailash Chander Sharma :** Will the Minister for Development & Panchayats be pleased to state the construction work of the following roads of district Mohindergarh are likely to be completed :—

(i) Masand to Rai Malikpur;

(ii) Dhanwas Sainion Ki Dhani to Rajasthan Border; and

(iii) Panchnota to Sarai ?

Development Minister (Shri Kanwal Singh) :

(i) The road Rai Malikpur to Niyamatpur Moround (correct name), being constructed by the Haryana State Agricultural Marketing Board, is likely to be completed during 1997-98.

(ii) The Road from Thanwas Sainion Ki Dhani to Rajasthan Border, being constructed under Employment Assurance Scheme (EAS), is likely to be completed within the next three months.

(iii) The remaining work on road from Panchnota to Sarai is likely to be taken up in the next financial year subject to availability of funds under EAS.

Construction of Gochhi to Bisan Road.

***367. Dr. Virender Pal Ahlawat :** Will the Minister for P.W. D. (B&R) be pleased to state whether it is a fact that the construction work of Gochhi to Bisan road, district Rohtak has been discontinued; if so, the reasons thereof, togetherwith the time by which the said work is likely to be re-started/completed ?

कृषि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : गोच्छी से बीसान सड़क के निर्माण का कार्य ठेकेदार द्वारा आरम्भ नहीं किया गया और उसकी अग्रिम धन राशि जब्त कर ली गई है। अब मामला सरकार के आगामी उचित कार्यवाही हेतू विचाराधीन है।

Setting up of Fodder, Wooden and Iron Mandi at Bhiwani

***304. Shri Ram Bhajan Aggarwal :** Will the Minister for Town & Country Planning be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to set up a Fodder, Wooden and Iron Mandi in Bhiwani City ?

नगर तथा ग्राम आयोजना मंत्री (सेठ सिरी किशन दास) : श्रीमान जी, नहीं। भिवानी शहर में पहले ही चारा, लक्कड़ तथा लोहा मण्डी कार्यरत है।

Setting up of 132 K.V. Power House at Pai and 33 K.V. at Jakholi

***201. Shri Ram Pal Majra :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to set up 132 K.V. Power House at Pai and 33 K.V. Power House at Jakholi in district Kaithal; and

(b) if so, the time by which the aforesaid Power Houses are likely to be set up ?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) :

(क तथा ख) हाँ जी, पाई में, कुरूक्षेत्र जिले की एकीकरण सुधार योजना के अन्तर्गत जापान सरकार द्वारा ओवरसीज इकोनोमिक को-ओप्रेशन फंड के माध्यम से धन जुटाया जाना है, के अन्तर्गत एक 132 के०वी० उप केन्द्र के निर्माण किये जाने की योजना है। वर्तमान समय में इस कार्य के नियतन के लिये निविदाएँ माँगी जा चुकी हैं और जिन्हें अन्तिम रूप दिया जा रहा है। कार्य शुरू होने की तिथि से इस उप केन्द्र को पूरा होने में लगभग 2 वर्ष का समय लगेगा।

ग्राम जखोली में एक 33 के०वी० उप केन्द्र के निर्माण करने की योजना है जोकि प्रस्तावित 132 के०वी० उप केन्द्र पाई से बिजली प्राप्त करेगा। इस उप केन्द्र के लिये भूमि उपलब्ध है। यह उप केन्द्र 132 के०वी० उप केन्द्र पाई की निर्माण अनुसूचि के अनुसार पूर्ण होना लक्षित है।

Road Accidents in the State

***345. Shri Birender Singh :** Will the Minister for Home be pleased to State—

(a) the number of road accidents in the State during the period 1st June, 1996 to 31st January, 1997; and

(b) the total number of persons who died in the accidents as referred to in part (a) above ?

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा) :

1-6-96 से 31-1-97

(क) सड़क दुर्घटनाओं की संख्या 4275

(ख) मृतकों की संख्या 1735

Electricity Connections to Tubewells

***226. Shri Krishan Lal :** Will the Chief Minister be pleased to state the total number of test reports for providing of electricity connections to tubewells pending with the H.S.E.B. in State at present; togetherwith the districtwise number of connections released during the period September, 1996 to March, 1997 ?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : एक विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

विवरण

दिनांक 31-12-1996 तक बोर्ड के पास ट्यूबवैल कनैक्शन देने के लिये 23581 टैस्ट रिपोर्ट बकाया थीं। बोर्ड में आंकड़े परिमण्डल के अनुसार रखे जाते हैं न कि जिलानुसार 1 प्रथम सितम्बर, 1996 से 31 दिसम्बर, 1996 तक परिमण्डल अनुसार जारी किए गए कनैक्शनों की संख्या निम्नानुसार थी :-

क्र०सं०	परिमण्डल का नाम	जारी किये गये कनैक्शनों की संख्या
1.	अम्बाला	28
2.	यमुनानगर	10
3.	कुरुक्षेत्र	32
4.	करनाल	30
5.	फरीदाबाद	26
6.	सोनीपत	21
7.	गुड़गांव	35
8.	नारनौल	193
9.	सिरसा	9
10.	भिवानी	184
11.	जीन्द	19
12.	रोहतक	9
13.	हिसार	25
	योग	**621**

Number of Government Colleges in the State

***313. Shri Ashok Kumar :** Will the Minister for Education be pleased to state the district-wise number of Government Colleges in the State ?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : सूची अनुबन्ध "ए" पर संलग्न है।

अनुबन्ध-एं

राजकीय कालेजों की सूची

अम्बाला	
1.	नारायणगढ़
पंचकूला	
2.	बरवाला
3.	पंचकूला
4.	कालका
भिवानी	
5.	भिवानी
6.	भिवानी (शिक्षण)
7.	लोहारू
फरीदाबाद	
8.	फरीदाबाद
9.	फरीदाबाद (महिला)
10.	होडल
11.	तिगाँव
गुड़गांव	
12.	द्रोणाचार्य रा० महा० गुड़गांव
13.	गुड़गांव
14.	जटौली
15.	नगीना
16.	सिधरावली
17.	तावडू
हिसार	
18.	आदमपुर
19.	भट्टू कलां
20.	हांसी
21.	हिसार
22.	टोहाना
23.	नलवा
जींद	
24.	जींद

25. नरवाना
26. सफीदों

करनाल

27. करनाल
28. घरौंडा

महेन्द्रगढ़

29. महेन्द्रगढ़
30. नारनौल
31. रा० महा० नारनौल (महिला)
32. अटेली

रिवाड़ी

33. बावल
34. कंवाली
35. नाहड़

रोहतक

36. रा०महा० रोहतक (महिला)
37. बहादुरगढ़
38. दुबलधन
39. दुजाना
40. महम
41. झज्जर

सिरसा

42. नाथूसरी चौपटा
43. सिरसा

सोनीपत

44. गोहाना

Providing of Free Electricity and Canal Water

***320. Shri Om Parkash Chautala :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to provide free electricity and water for irrigation to the farmers in the State ?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : नहीं श्रीमान जी।

Drain in out of Flood Water

***293. Shri Balbir Singh :** Will the Chief Minister pleased to state—

(a) whether it is a fact that the flood water have still not been drained

[Shri Balbir Singh]

out from Mokhra, Ajaib, Madina, Bharan, Nidana, Bhainsi, Girawar, Nindana and Bhainsi villages of Meham constituency; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to give compensation to the farmers for their damaged crops in such cases ?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) :

(क) गांव अजैब की केवल 35 एकड़ जमीन और गांव भोखरा की 125 एकड़ जमीन के अतिरिक्त शेष बाढ़ग्रस्त क्षेत्र से बाढ़ का पानी निकाल दिया गया है।

(ख) सरकार के पास किसानों को उनकी क्षतिग्रस्त फसलों का मुआवजा देने के लिये कोई ऐसी योजना विचाराधीन नहीं है क्योंकि बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में फसलों की बिजाई का कार्य बाढ़ के समय नहीं किया हुआ था।

Allotment of Sheds and Platforms

***315. Shri Jagbir Singh :** Will the Minister for Agriculture be pleased to state—

(a) whether the construction of the Sheds & Platforms of Grain Market/ Anaj Mandi, Gohana has been completed; and

(b) if so, the time by which the aforesaid platforms/ sheds are likely to be allotted/auctioned ?

कृषि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) :

(क) नई अनाज मंडी गोहाना में एक कवर्ड शैड को छोड़कर बाकी प्लेटफार्मों व शैडों का काम पूरा हो चुका है।

(ख) नई विकसित मंडियों में प्लाटों के अलाट करने की नीति संशोधित की जा रही है। जैसे ही नई नीति निर्धारित हो जाएगी, प्लाटों के अलाट करने की प्रक्रिया शुरु कर दी जाएगी।

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर सर, आन ए प्वायंट ऑफ आर्डर। सर, मैंने क्वैश्चन नं० 345 आपकी असैम्बली के सैक्रेट्रेरियेट में दिया था। जो सवाल मैंने आपके औफिस को रिसीव कराया था उसका आधा क्वैश्चन तो गायब हो गया है और जो रिप्लाई इस बारे में मिला है उससे न तो मैं कोई सवाल पूछ सकता हूं और न ही मुझे इस बारे में कोई इंफर्मेशन मिली है। इसलिये यह बात मैं आपके नोटिस में लाना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष : आप इस बारे में हाउस खत्म होने के बाद मेरे चैम्बर में मिल लें। हम आपको बता देंगे।

श्री बीरेन्द्र सिंह : सर, मैं आपको यह क्वैश्चन दे देता हूं।

श्री जसवन्त सिंह विधायक का बिजली मंत्री के रूप में त्याग पत्र से संबंधित मामला उठाना।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, हरियाणा सरकार की कावीना के एक मंत्री यानी बिजली मंत्री ने अपना इस्तीफा दिया है, जिसके बारे में अखबारों में अनेक प्रकार की भ्रान्तियां हैं। इस बारे में एक पुरानी ट्रेडीशन भी यही रही है कि जब पार्लियामैंट या विधानसभाओं में कोई मंत्री किन्हीं कारणों से अपना इस्तीफा देता है तो उसे अवसर दिया जाता है कि वह सदन को बताए कि उसका इस्तीफा देने का कारण क्या था। आया उससे इस्तीफा मांगा गया या उसने स्वयं इस्तीफा दिया । (विघ्न) यह केवल मात्र मंत्री से जुड़ी हुई बात नहीं है।

श्री अध्यक्ष : आप इस बारे में रूल देख लें। इसके बाद आपको इस बारे में पूछने की कोई जरूरत नहीं रहेगी।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर सर, हरियाणा प्रदेश के लोग इस बात को लेकर चिन्ता ग्रस्त हैं कि उनका इस्तीफा देने की क्या वजह है, क्या कारण हैं, सर, यह बहुत अहम मुद्दा है। (विघ्न)

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : स्पीकर साहब, चौधरी जसवन्त सिंह इस हाउस के मैम्बर हैं और वे यहां बैठे हैं। वे हरियाणा विकास पार्टी के माननीय विधायक हैं। वे इस सदन के मंत्री थे और वे इस सदन में मौजूद हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : कहां हैं ?

श्री राम बिलास शर्मा : कल वे यहां पर मौजूद थे और आज भी वे सदन में ही हैं। वे लौबी मे हो सकते हैं। लेकिन उनकी मौजूदगी में इनको ऐसा नहीं कहना चाहिए। (विघ्न) मेरी आपसे यही अर्ज है कि इसमें राजनीति नहीं आनी चाहिए। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, पहले आप अपने साथियों को कंट्रोल करें।

I will not allow them to act in such a way.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आपकी हालत से हम परिचित हैं और हमें आपका पूरा ध्यान है। हम पूरी तरह से सतर्क हैं। हमें आपका ज्ञान है और हमें आपकी सारी योजनाओं का भी ज्ञान है।

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला साहब ऐसी बातें न करें कि न हम किसी के और न कोई हमारा। सर, हम जसवन्त सिंह के हैं और जसवन्त सिंह हमारे हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आपका क्या पता कि कब किसी को छोड़ जाओ और कब किसी को पकड़ लो।

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, भारतीय जनता पार्टी किसी को मंझधार में नहीं छोड़ती है। रास्ते में दोस्त बदलना आपकी आदत हो सकती है लेकिन बी०जे०पी० तो सिरे तक ले जाती है और हम अंत तक साथ निभाते हैं। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर सर, ये तीन बॉस गहरे पानी में डुबाने के लिए तैयार बैठे हैं।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : स्पीकर साहब, चौटाला साहब ने कहा है कि ये तीन बॉस डुबाकर मारते हैं। चौटाला साहब तीन बॉस डुबाए हुए ही हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मैं तो डूब लिया लेकिन हमें आपकी चिंता है क्योंकि यह काम बहुत जल्दी होने जा रहा है।

श्री राम विलास शर्मा : स्पीकर सर, चौटाला साहब को भारतीय जनता पार्टी से तो कोई गिला नहीं होना चाहिए। यह सदन और हरियाणा की महान जनता इस बात की चश्मदीद गवाह है कि दो दिसम्बर, 1989 को जब चौधरी देवी लाल जी उप प्रधानमंत्री बने और चौटाला साहब के सिर पर मुख्यमंत्री की टोपी रखी गयी और दिल्ली हरियाणा भवन में शपथ ग्रहण समारोह हुआ तो उस समय हम 6 लोग चौधरी देवी लाल के मंत्रिमंडल में थे। आज स्वर्गीय मंगलसैन नहीं हैं। हमने उसी दिन यह फैसला ले लिया था कि हम सैद्धांतिक तौर पर इस मंत्रिमंडल में शामिल नहीं हैं और हमारा मंत्रिमंडल से कोई मतलब नहीं है। स्पीकर सर, इनकी अपनी कुछ बातें ऐसी रही होंगी। इनका तो वह हाल है कि जब रंज बूतों ने दिया तो खुदा याद आया। इनको हमसे कोई गिला नहीं होना चाहिए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मुझे इनसे और इनकी पार्टी से कोई गिला नहीं है और मुझे इनकी बात का विशेष रूप से उल्लेख करने की जरूरत नहीं है ये तो आज उस कार्बीना में शामिल हैं जिसके बारे में ये न जाने क्या क्या कहा करते थे। यह तो इन की मजबूरी है, खैर मैं इस बहस में नहीं पड़ना चाहूंगा। (विघ्न) स्पीकर सर, मेरे नोटिस में यह बात आई है कि चौधरी जसवन्त सिंह जी के परिवार के सदस्य उनकी किडनैपिंग का पर्चा दर्ज कराने जा रहे हैं। (शोर एवं विघ्न)

श्री राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, वे पर्चा दर्ज कराने जा नहीं रहे हैं। ओम प्रकाश जी उन्हें पर्चा दर्ज कराने के लिये उकसा रहे हैं। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला का तो एक ही काम रह गया है। कभी सफाई कर्मचारियों से पर्चे दर्ज करवाना, कभी बिजली कर्मचारियों से पर्चे दर्ज करवाना। चौधरी जसवन्त सिंह जी हिसार के भोले-भाले आदमी हैं। (शोर एवं विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, वे भोले-भाले आदमी नहीं हैं ला-ग्रेजुएट हैं। राम विलास जी तो उनके वकालत के पेशे को अपमानित करने जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है लोक सभा में और विधान सभा में यह पुरानी ट्रेडीशन है कि जब कोई मंत्री किसी कारण वश इस्तीफा देता है लोक सभा में (शोर)

श्री अध्यक्ष : यह जो राइट है वह उस आदमी का है, you have no right to ask for such things.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह हरियाणा प्रदेश की जनता के हितों से जुड़ा हुआ मुद्दा है। (विघ्न) एक विशेष बात को लेकर इस्तीफा दिया गया है। हरियाणा प्रदेश में बिजली का निजीकरण हो या न हो (विघ्न) यह मुद्दा हरियाणा प्रदेश के हितों से जुड़ा हुआ है। अध्यक्ष महोदय,
* * * * * *

श्री अध्यक्ष : ओम प्रकाश चौटाला जी जो कुछ कह रहे हैं उसे रिकार्ड न किया जाए।

---

* Not recorded as ordered by the Chair

Haryana Vidhan Sabha Secretariat Chandigarh LIBRARY

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की सूचना

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, बिजली के निजीकरण के मुद्दे पर हमारी पार्टी ने भी एक मोशन दिया हुआ है उसका क्या हुआ ?

Mr. Speaker : That has been disallowed. Please take your seat.

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, * * * * *

श्री अध्यक्ष : ये जो कुछ कह रहे हैं उसे रिकार्ड न किया जाए। अजय सिंह जी, आप दूसरी तीसरी बार हाउस में चुनकर आए हैं, please take your seat.

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, जीरो ऑवर चल रहा है इसमें हमें अपनी बात कहने का अधिकार है। * * * * *

Mr. Speaker : I will not allow you to make this House a fish market. Please take your seat. (Noise & Interruptions).

नियम 121 के अधीन प्रस्ताव —

कमेटियों के सदस्यों को नामजद करने के लिए अध्यक्ष महोदय को प्राधिकार देने सम्बन्धी

Mr. Speaker : Now the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under Rule 121 regarding nominations of various committees.

Agriculture Minister (Shri Karan Singh Dalal) : Sir, I beg to move—

That the provisions of Rules 228, 230, 230-B and 260-A of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in-so-far-as they relate to the constitution of the—

(i) Committee on Public Accounts;

(ii) Committee on Estimates;

(iii) Committee on Public Undertakings; and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes, for the year 1997-98 be suspended.

Sir, I also move—

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha, to nominate the members of the aforesaid Committees for the year 1997-98 keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

Mr. Speaker : Motion moved-

That the provisions of Rules 228, 230, 230-B and 260-A of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in-so-far as they relate to the Constitution of the—

(i) Committee on Public Accounts;

(ii) Committee on Estimates;

* Not recorded as ordered by the Chair.

[Mr. Speaker]

(iii) Committee on Public Undertakings; and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes, for the year 1997-98 be suspended.

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 1997-98, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

Mr. Speaker : Question is—

That the provision of Rules 228,230,230-B and 260-A of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in so-far-as they relate to the constitution of the—

(i) Committee on Public Accounts;

(ii) Committee on Estimates;

(iii) Committee on Public Undertakings; and

(iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes, for the year 1997-98 be suspended.

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha to nominate the Members of the aforesaid Committees for the year 1997-98, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

The motion was carried.

Mr. Speaker : I also request the leaders of the parties in the House to send the names of their members to be nominated on the above committees by 30th March, 1997.

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker : Now the discussion on Governor's address will resume. Shri Dhir Pal Singh will conclude his speech within five minutes.

श्री धीर पाल सिंह (बादली) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा माननीय मुख्यमंत्री जी से जानना चाहता हूं कि किसानों पर गन्ने की ढुलाई का दोहरा खर्चा यानि लौडिंग और अन-लौडिंग का खर्चा डाला जा रहा है और किसानों में बड़ी निराशा फैली हुई है। क्या मुख्य मंत्री जी उन आदेशों को वापस लेंगे ? दूसरी बात मैं यह जानना चाहता हूं कि जो चाईना से मीटर आये हैं उनके लिये किसानों को जबरदस्ती 500 रुपये भरने पड़ रहे हैं और यह बात राजस्व मंत्री जी को जब ये रोहतक में गये थे, तब किसानों ने कही थी क्योंकि उपभोक्ता तो हविपा-भाजपा और हमारी पार्टी के भी हो सकते हैं। आज उपभोक्ता परेशान हैं कि यह कैसा उपहार दिया जा रहा है। एक बात और मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से जानना चाहता हूं कि आज सारी पावर एस०डी०एम० को दी गई हैं जिसके लिये लोगों ने सारा-सारा दिन इंतजार करना पड़ता है। अभी इसके बारे में एक चिट्ठी मुख्यमंत्री जी को भी मिली होगी कि पंजाब केसरी के एक सम्मानित सदस्य नरवाना से हैं वे जब पंजाब से 28-2-97 को वापस आ रहे थे तो गुहला

के एस०डी०एम० ने उनकी बैन को इम्पाउंड कर लिया तो उन्होंने एस०डी०एम० से रिक्वैस्ट की कि मेहरबानी करके अगर आप ने बैन को इम्पाउंड कर लिया है तो हमारे जाने कि लिए किसी गाड़ी का प्रबन्ध कर दो हम उसके लिए किराया भी दे देंगे।उन्होंने अपना कार्ड दिखलाया। इस पर उनके साथ ज्यादा मजाक हुआ और कहा गया कि ऐसे कार्ड लेकर तो पता नहीं कौन-कौन घूमते हैं। केवल उस पत्रकार साथी के साथ ही ऐसी बात नहीं हुई बल्कि हमारे इलाके में भी नाजायज चालान हो रहे हैं। पैट्रोल पम्पस पर खड़ी हुई गाड़ियों के चालान कर दिए जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, "ठेला" गाड़ी, दुपहिया वाहनों तथा थ्री-व्हीलरों का चालान हो रहा है। मेरे गांव से एक गाड़ी रिपेयर के लिए शहर को जा रही थी तो उसको इम्पाउंड किया गया और 5 हजार रुपये का जुर्माना किया गया क्योंकि बादली में गाड़ियों की मरम्मत नहीं होती है इसलिए बहादुरगढ़ या अन्य शहरों में जाना पड़ता है। अगर सड़क पर जाएंगे तो चालान हो जाता है। इसलिए मैं मुख्यमंत्री जी से यह गुजारिश करना चाहता हूं कि इस कुप्रथा को रोकें। इसके अतिरिक्त मैं बताना चाहता हूं कि पिछले 5 साल से एन०सी०आर० स्कीम के तहत राजधानी दिल्ली के समीप लगते एरिया के लिए केन्द्र से सहायता मिलती है। मेरा हल्का भी इस क्षेत्र में आता है। वह पैसा कितना कितना मिला है, इसके बारे में तो मुझे ज्ञान नहीं है। लेकिन हमारे हल्के को वह पैसा नहीं मिला है। इसलिए मैं चाहता हूं कि हमारे हल्के का जो हिस्सा बनता है, वह हिस्सा हमें जरूर मिलना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, उस स्कीम के तहत आपके हल्के को भी वह पैसा मिला होगा। इसके अतिरिक्त, हर विधायक को अपने हल्के के लिए 40 लाख रुपये की राशि, जो स्कूलों के लिए, भवनों के लिए, गलियों/नालियों के लिए तथा जोहड़ों की चारदीवारी इत्यादि के लिए, निश्चित की गई थी जो कि लोगों की भावनाओं के बिल्कुल अनुरूप थी। जैसा लोग चाहते थे, वैसा ही पंचायत में बैठकर वहां पर काम की स्वीकृति कर लेते थे, बाद में सरकार के द्वारा काम पूरा किया जाता था। लेकिन यह भी वापिस ले ली गई। मैं चाहता हूं कि विधायकों के लिये यह राशि लगातार मिलती रहनी चाहिए।

श्री अध्यक्ष : क्या आपको यह पैसा मिला था ?

श्री धीरपाल सिंह : जी हां, मुझे मिला था।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहता हूं कि वह इसलिये वापिस हो गई क्योंकि चौटाला साहब ने कहा था कि यह तो सदस्यों को रिश्वत देने के समान है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : लेकिन मैंने आपको तो नहीं कहा था।

श्री बंसी लाल : मैं तो उस समय चुपचाप बैठा था।

श्री अध्यक्ष : श्री धीरपाल जी, आप अपनी बात पूरी करें।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं केवल एक मिनट और लूंगा। लॉटरी के बारे में मैं कहना चाहता हूं कि वाकई आज लाटरी के जरिए हजारों घर बर्बाद हो रहे हैं। जो भी सामाजिक बुराईयां हैं वे समाज से दूर होनी चाहिएं। शराबबंदी की बात आई तो हमने पूरा सहयोग दिया। इसी प्रकार से लाटरी भी एक बुराई है। सरकार का यह दायित्व बनता है कि इसको वह बंद करवाए। मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूं कि क्या मेरे इलाके के साथ चाहे सड़कों की बात है, या पानी की बात है इत्यादि, भेदभाव नहीं हुआ है। एस०वाई०एल० नहर के निर्माण की चर्चा हुई । समय निर्धारित हुआ कि इतने समय में बनाएंगे। (घंटी) इस बारे में मैं चाहता हूं कि मुख्यमंत्री महोदय अपनी व्यक्तिगत रूचि लेकर इसका निर्माण करवाएं। अंत में यह जो राज्यपाल का अभिभाषण है यह एक ढकोसला है, खोखला है तथा हरियाणा की जनता के हितों के साथ खिलवाड़ है, मैं उसका विरोध करता हूं।

श्रीमती करतार देवी (कलानौर, अनुसूचित जाति) : माननीय अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले जो आपने मुझे बोलने का समय दिया मैं उसके लिये आपको धन्यवाद देती हूं। दूसरे, राज्यपाल के अभिभाषण पर विधान सभा में एक संवैधानिक प्रक्रिया के अनुसार परचर्चा शुरू हो गई है, उसमें भाग लेने के लिये मैं खड़ी हुई हूं। यहां पर अभिभाषण शुरू होने से पहले "वंदे मातरम" बजाया गया। यह एक अच्छी शुरूआत है। इसके बाद अभिभाषण के दो पैरों में स्वतंत्रता सेनानियों, देशभक्तों और उन महापुरुषों को याद किया गया जिनकी वजह से आज हम लोकतंत्र में अपने पदों का और उन द्वारा दी गई अनेक सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं। इसलिये मैं विशेष तौर से इस बात का स्वागत करती हूं कि नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की जन्मशती बड़े चाव और हर्षोल्लास से मनाई जा रही है। इससे यह लगता था कि अभिभाषण में जो सरकार की नीतियों को प्रदर्शित किया गया है, वे ये परिलक्षित करती हैं कि इस में भी काफी कुछ प्रगति की बात होगी। लेकिन आगे पढ़ने पर ऐसा कुछ नजर नहीं आया। जनता बड़े शौक से, बड़े साहस से और अपनी हर बात को एक तरफ रख कर, आज की सरकार को इसलिए सत्ता सौंपी थी कि चौधरी बंसी लाल जी का नाम हरियाणा के इतिहास में एक हरियाणा का निर्माता के नाम से जाना जाता था। लोग समझते थे कि वही बंसी लाल है जो आदेश देते थे कि 26 जनवरी तक सारा हरियाणा इलैक्ट्रीफाई हो जाएगा और सारे हरियाणा प्रदेश में सड़कें बन जाएंगी। उस समय ऐसा हो जाता था जब उस समय लोग ऐसी बातें कहा करते थे तो हम यह कहा करते कि किसी एक व्यक्ति की यह नीति नहीं हो सकती यह उस पार्टी की नीतियों का परिणाम है। जिन दिनों चौधरी बंसी लाल जी मुख्य मंत्री हुआ करते थे उन दिनों इनके सिर पर श्रीमती इंदिरा गांधी जी का हाथ था। वे इनको पैसा दिया करती थी और हरियाणा में विकास के कार्य हुआ करते थे। लेकिन लोग समझते थे कि नहीं यह तो चौधरी बंसी लाल जी का कोई करिश्मा है इसलिए हरियाणा के विकास में तेजी आएगी लेकिन चारों तरफ से माननीय सदस्य जो सवाल कर रहे हैं उनसे साफ जाहिर होता है कि पिछले 9 महीने के दौरान हरियाणा के विकास की जो आशा थी उसके अनुसार कोई कार्य नहीं हुआ। सबसे पहले तो इस सरकार ने यह घोषणा की थी कि हरियाणा की हर नहर का पानी हर टेल पर पहुंचाया जाएगा। विशेष तौर पर मैं यह कहना चाहूंगी कि क्योंकि मेरा क्षेत्र टेल पर है इसलिए वहां के लोगों ने इस सरकार को बनाने में विशेष तौर पर रूचि ली, मैं यह समझती हूं कि शायद मैंने उनके काम करने के लिए कम प्रयत्न किए हों, इसलिए उनकी नहरों से पानी का बहाव आगे नहीं किया गया। लेकिन आज भी वहां के लोगों को यह महसूस हो रहा है कि आज की सरकार भी नहर के पानी को टेल तक पहुंचाने में सफल नहीं हुई है। यह बात ठीक है कि कुछ नहरों की सफाई हुई है। लेकिन उसके साथ साथ यह भी सच है कि जितनी भी स्कीमें अब तक यानि 9 महीने तक जिन पर काम हुआ है उनको सैंक्शन और पैसा पिछली सरकार का दिया हुआ था। मैंने बार बार इस तथ्य की तरफ ध्यान दिलाने की कोशिश की है कि मेरे हल्के में बांस माइनर काफी समय से बनी हुई है उसकी टेल मेरे हल्के में है। उस माइनर का मेरे हल्के के किसानों को आज तक मुआवजा नहीं मिला है। मंत्री जी कहेंगे कि बहन जी जब आप मंत्री थीं तो उस समय आपने उन लोगों को मुआवजा क्यों नहीं दिलाया। मैं कहती हूं कि मुआवजा लेने के बारे में कुछ लोगों में उस समय विरोध था। सरकार ने मुआवजे का जो पैसा दिया था उन्होंने उस समय कहा था कि यह पैसा बहुत थोड़ा है इसलिये हम यह पैसा नहीं लेना चाहते। बाद में मैंने उन लोगों को मनाया और उनसे लिखवा कर भी दिलाया था और तत्कालीन सरकार ने उनको उस समय पैसा दे दिया था और उस समय के एक्सीयन ने यह कहा था कि परसों आ कर पैसा ले जाना लेकिन आज तक उन लोगों को वह पैसा नहीं मिला है। मैं मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करूंगी कि वहां से आपकी पार्टी का विधायक चुनाव नहीं जीत पाया तो उन लोगों का कोई कसूर नहीं है। मुझे तो बिल्कुल भी यह अन्दाजा नहीं था कि हविपा भाजपा गठबंधन के

उम्मीदवार को मेरे हल्के से इतने वोट मिल जाएंगे, लोगों ने आपकी पार्टी को उम्मीद से ज्यादा वोट दिये हैं। कम से कम आप उनका तो ख्याल करें। आप उन लोगों को मुआवजा दें और उस माइनर की टेल तक पानी पहुंचाएं। मैं अनुरोध करना चाहूंगी कि उस माइनर की टेल पर पानी पहुंचाने के लिए जिस प्रकार से पानी की ग्रुपिंग की जो बारावंदी की गई है उसके कारण कलानौर और बेरी हल्के जहां पानी नहीं है बिल्कुल ड्राई हो जाएंगे और उसका नुक्सान भिवानी जिले को भी होगा। इसलिये मैं अनुरोध करूंगी कि चारों ग्रुपों की जो 10/96 से पहले बारा बंदी थी उसको बरकरार रखा जाए। अगर वहीं बारावंदी बरकरार नहीं रहेगी तो बेरी और कलानौर हल्कों के साथ साथ भिवानी का जो क्षेत्र उनके साथ लगता है जिनमें दादरी फीडर से सिंचाई होती है उनको लाभ नहीं होगा। मुझे पूरा विश्वास है कि सरकार मेरी बात की तरफ पूरा ध्यान देगी ताकि उन लोगों के साथ कोई बेइन्साफी न हो। इसके साथ साथ मैं सरकार का ध्यान ड्रेन नम्बर 8 की तरफ दिलाना चाहती हूं। वह ड्रेन खास करके मेरे क्षेत्र से हो कर गुजरती है और मेरे क्षेत्र के 16 गांवों में उसका पानी लगता है। महम ड्रेन और लाखन माजरा ड्रेन का मिलान मेरे हल्के में होता है। स्पीकर साहब, जो पानी का नैचुरल बहाव है उसको आपने भी देखा होगा और मुख्य मंत्री जी ने भी देखा होगा कि नैचुरल फलो से पानी जहां से गया है वहां से आगे निकल जाए तो अच्छा होगा। वरना ये ड्रेन मेरे क्षेत्र को तो तबाह करेंगी ही और बैक मारेगी और जिन गांवों से पानी निकालने की बात सोच रहे हैं वे गांव भी तबाह हो जायेंगे। खासतौर से बहु अकबरपुर से जो धमाना ड्रेन शुरू की गई है इसमें जीन्द का पानी भी मिल जायेगा वह बहु अकबरपुर के पास से मुरादपुर टेकना होते हुये लाहली के पास से निकाली जाएगी। काहनौर के नजदीक से भी ड्रेन ले जाने की कोशिश करेंगे। तो स्पीकर साहब एक ही क्षेत्र से 3-4 ड्रेनें ले जाने से उस क्षेत्र के किसानों का क्या हाल होगा। उनकी आधी जमीन तो इधर होगी और आधी जमीन उधर होगी। इसलिये मैं अनुरोध करूंगी कि राजनीतिक पक्षपात इतना तो नहीं होना चाहिए कि एक क्षेत्र के लोगों को बिल्कुल ही उजाड़ दिया जाये। जो स्कीमें बन रही हैं उससे कलनौर क्षेत्र को नुकसान पहुंच रहा है, इस प्रकार की बातें तो हम तो कम से कम नहीं करते थे। मेरा आपसे अनुरोध है कि सरकार का ध्यान आप इस तरफ दिलवायें कि ये ड्रेनें एक बार बनती हैं कहीं ऐसा न हो कि जैसे नालियों को पक्का करने की बात की गई थी कि इससे किसानों को ज्यादा पानी मिलेगा लेकिन लैवल ठीक न होने के कारण बहुत सारी पक्की नालियां हैं जिस पर सरकार का खर्चा हो चुका है लेकिन फिर भी उन किसानों को पूरा पानी नहीं मिलता। क्योंकि उस वक्त लैवल को ठीक से नहीं देखा गया। मैं यही बात इन ड्रेनों के बारे में कहूं कि इसमें जल्दबाजी की बात न हो। इसमें कोई पक्षपात की बात नहीं होनी चाहिए। पूरे हरियाणा को बाढ़ से बचाने के लिए जो भी प्रोग्राम बनेगा हरियाणा के सभी विधायक, हरियाणा की जनता उसमें आपके साथ है। जिस प्रकार से बाढ़ आई थी, भगवान न करे फिर वैसी बाढ़ आये। तो मेरा कहना यह है कि पानी को ड्रेन आऊट करने के लिए जो ड्रेन बनाई जाये उनके लैवल का विशेष तौर से ख्याल रखा जाये और इस में जरबदस्ती न की जाये। पानी को वहां से मोड़ कर यहां मोड़ दें, अगर यदि ऐसा किया जायेगा तो फिर स्थिति ऐसे के ऐसे ही रहेगी। खासतौर से जो बहु अकबरपुर के पास से जो ड्रेन निकाली जा रही है, बहु अकबरपुर के लोग शायद इस बारे में मुख्यमंत्री जी से मिलें भी हैं। आज तक बहु अकबरपुर में किसी भी दूसरे गांव का पानी नहीं आया। इस गांव के पानी को निकालने के लिए एक छोटी सी ड्रेन की आवश्यकता थी जिससे कि गांव का पानी जा सकता था। मेरा आपसे अनुरोध है कि जिन-जिन गांवों से आप यह ड्रेन निकाल रहे हैं, आप उन विधायकों की बात को न सुने, हमारी बात न सुनें लेकिन मेहरबानी करके जनता की बात सुने ताकि वहां से पानी आसानी से [illegible]। आप उन किसानों की बातें सुनें जो आपसे लाखों अपेक्षा रखते हैं। उनको पता है कि कहां से पानी ठीक निकल सकता है। उसी हिसाब से आप ड्रेन निकलवाने की कृपा

[श्रीमती करतार देवी]

करें ताकि इससे प्रदेश का भला हो सके और आपका जो सपना है वह साकार हो सकेगा। वरना तो यह सोचा जायेगा कि यह लैवल ठीक नहीं हुआ, इसके दुबारा बनाने की स्थिति न आये।

श्री अध्यक्ष : बहन जी, कटेसरा से गुढान माइनर हमारी सांझी है। वह आपने बनवाई थी। उस का अब क्या हाल है और पहले क्या हाल था वह बता दें ?

श्रीमती करतार देवी : स्पीकर साहब, मैं तो वही कह रही हूं कि इसको इन्जीनियर देखते हैं मैं तो कोई टैकनीकल हूं नहीं। (विघ्न) मेरा काम तो सिर्फ ड्रेन निकलवाने का था। मैंने कोई दखल नहीं दिया। (विघ्न) मैं आपसे अनुरोध करती हूं, मैं तो उस वक्त भी कहा करती थी कि मेरा इसमें कोई दखल नहीं है। इन्जीनियर को यह देखना चाहिए कि पानी ठीक तरीके से निकले। मेरा कभी कोई दखल इस प्रकार की स्कीमों में रहा हो तो बता दें। मेरा और आपका साथ का इलाका है। हमारा काम किसानों को, लोगों को मुआवजा दिलवाने का काम भी तो सांझे का है। मैं आपसे प्रार्थना करती हूं मेहरबानी करके आप सरकार से कह कर लोगों को मुआवजा दिलवा दें, आपकी मेहरबानी होगी।

मुद्रण तथा लेखन सामग्री राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा गहलावत) : बहन जी अपने समय में की गई गलतियों को सुधरवाना चाहती हैं। ये मानती हैं कि इनसे गलतियां हुई हैं, इसलिए ये रिकवैस्ट कर रही हैं।

श्रीमती करतार देवी : बहन जी, हम तो आपस में कम से कम न लड़े। (विघ्न) कांता तो कभी नहीं लड़ेंगी।

श्री राम बिलास शर्मा : कृष्णा गहलावत, कांता देवी, कमला वर्मा, यानि सभी बहनों की राशि क से शुरू होती है इसलिये ये कभी भी आपस में नहीं लड़ेगी।

11.00 बजे **श्रीमती करतार देवी :** स्पीकर सर, बिजली के मुद्दे की तरफ भी मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान दिलाना चाहूंगी। हाउस में यहां पर काफी सदस्यों की ओर से इस मुद्दे पर कॉलिंग अटैंशन मोशन और एडजर्नमैंट मोशन भी आए हैं और अभी इसी बात पर एक मंत्री ने मंत्री पद से इस्तीफा भी दिया है। हरियाणा की जनता इस बात को जानना चाहती है कि जनता से यह वायदा किया गया था कि चौबीस घण्टे बिजली मिलेगी, उस वायदे का क्या हुआ ? उनके इस वायदे के पोस्टर्ज़ आज भी दीवारों पर लिखे हुए हैं लेकिन बिजली 6 घण्टे से फालतू कहीं पर भी नहीं आती है। खाने की थाली सामने आती है तो लाईट चली जाती है, यह हालात आज डोमैस्टिक बिजली की सप्लाई की है। अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का मतलब यह है कि बिजली की सप्लाई को सुधारने की आवश्यकता है (विघ्न)स्पीकर सर, मेरा क्षेत्र जिला रोहतक में पड़ता है बिजली की सप्लाई के लिए यह हल्का दादरी से जुड़ा हुआ है जिस कारण पावर कट कब लगता है और कब पावर कट नहीं होता इस बात का पता ही हमें नहीं चल पाता है (विघ्न) मेरा निवेदन है कि मेरे इस हल्के को पानीपत के साथ जोड़ा जाना चाहिए, ताकि हम लोगों को पावर कट के बारे में समय पर जानकारी उपलब्ध हो सके (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं भी अपने हल्के के लिये मुख्य मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट करवा कर कुछ हल्के के लोगों की दिक्कत का उल्लेख करके कुछ मांग रही हूं इसमें कोई गलत बात नहीं है, अपने हल्के की बाबत कोई चीज़ मांगना कोई गुनाह नहीं है। स्पीकर साहब, मैं यह कहना चाहती हूं कि बिजली में सुधार की नितान्त आवश्यकता है। मैं निजी रूप से तथा मेरी पार्टी, निजीकरण के पूर्णतः विरोधी नहीं है। कुछ मुद्दे ऐसे हैं जो कि इन्सानी जिन्दगी के साथ जुड़े हुए हैं। जैसे किसान अनाज पैदा करता है और अनाज पैदा करने के लिए किसान को हर प्रकार

की सुविधा की आवश्यकता होती है। चाहे वह खेत के अच्छा बीज डाले, अच्छी खाद डाले और समय पर पूरा पानी खेत में दे लेकिन किसान को हर प्रकार के नुकसान से अपनी फसल बचाना चाहिए। इसी प्रकार से उपभोक्ता को अनाज सही दाम पर उपलब्ध हो और उपभोक्ता को सही दाम पर अनाज मुहैया कराना सरकार की जिम्मेदारी है (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : बहन जी, आप की पार्टी को एलोटिड टाईम में से केवल 9 मिनट का समय बचा है। क्या यह नौ मिनट का समय आप ही बोलना चाहती हैं या कि आपकी पार्टी के कोई अन्य विधायक भी बोलना चाहेंगे ?

श्रीमती करतार देवी : स्पीकर साहब, मैं अपनी पार्टी का एलोटिड टाईम नहीं लूंगी जो मुझे मेरा अपना टाईम मिला है मैं तो उसी के मुताबिक बोल रही हूं। गवर्नर एड्रैस एक ऐसा मौका है जब सभी विधायकों को अपने हल्के की बात कहने का मौका मिलता है। अगर हम अपनी बात यहां भी नहीं कहेंगे तो फिर कहां कहेंगे। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हर विधायक को अपने हल्के की बात कहने के लिए यहां पर अवसर मिलता है। अगर किसी विधायक को आप गवर्नर एड्रैस पर भी बोलने का मौका नहीं देंगे तो फिर कोई विधायक कब अपनी बात कह पाएगा। गवर्नर एड्रैस पर भी आप समय का खाता खोल कर न बैठें, मेरी आपसे यही गुजारिश है।

श्रीमती करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद एक औद्योगिक नगरी है और वहां पर अनेक उद्योग लगे हुए हैं लेकिन उनको पूरी बिजली नहीं मिलती है। मैं आपके माध्यम से सरकार से यह जरूर कहना चाहूंगी कि वे ऐसा कोई फैसला जरूर करवाएं जिससे बिजली की सप्लाई को सुनिश्चित बनाया जा सके। चाहे किसी ज्वायंट वैंचर से या किसी निजी उद्योगपति से कोई फैसला करके थर्मल प्लांट लगाएं जो कि बिजली पैदा करके इण्डस्ट्रीज़ को दे सके। इस प्रकार का कोई भी थर्मल प्लांट पानीपत, यमुनानगर में बना भी है और बनने भी हैं (विघ्न एवं घण्टी) अध्यक्ष महोदय, दूसरे इस अभिभाषण में कहा गया है कि सभी को समान अवसर दिये जाएंगे और बराबर का हक सभी को मिलेगा। यह बहुत ही अच्छी बात है। परन्तु समान कैसे ? अध्यक्ष महोदय, सैंटर गवर्नमैंट द्वारा एक एम०पी० अपने हल्के की डिवैल्पमैंट के लिए एक करोड़ रुपया अपनी इच्छा से प्रॉयोरिटी पर खर्च करवा सकता है इसी आधार पर इसी सदन के सभी विधायकों के लिए 50-50 लाख रुपये की राशि अपने प्रॉयोरिटी वर्क्स के लिये दिये जाने की बात शुरू की गई थी, लेकिन यह ऐरिया डिवैल्पमैंट ग्रान्ट को बन्द कर दिया है। सभी को बराबर सम्मान मिलना चाहिए ताकि सभी साथी जनता की आकांक्षाओं पर पूरे उतर सकें। एरिया डिवैल्पमैंट स्कीम कोई भी विधायक प्रॉयारिटी पर डी०सी० से कह कर अपने हल्के की डिवैल्पमैंट का काम करवा सकता था। जैसे एम०पी०को एक करोड़ रुपया मिलता था उसी प्रकार से हम यह उम्मीद कर रहे थे कि इस बजट में इस प्रकार का प्रावधान होगा परन्तु इस सरकार ने इस स्कीम को बन्द कर दिया है। क्या सरकार की नजरों में यही एक विधायक का सम्मान है ?

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, इनकी सरकार ने जो 50 लाख रुपये दिये थे वे इनको ही मिलते थे। हमें तो वह पैसा कभी मिला ही नहीं है। हमने तो अब सबको बराबर ही कर दिया है।

श्रीमती करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, बंसी लाल जी बहुत सीनियर मैम्बर हैं और ये इस तरह की बात कहें तो अच्छी नहीं लगती है। हम सब जनता के चुने हुये नुमायंदे हैं और सबका सम्मान रखने के लिए इन्होंने जो यह स्कीम बंद की है इसको दोबारा से शुरू किया जाए। आज पंचायती राज में

[श्रीमती करतार देवी]
महिलाओं और हरिजनों के साथ जो व्यवहार किया जा रहा है वह ठीक नहीं है। उनको सस्पैंड किया जा रहा है वह क्यों किया जा रहा है ? यह किस की इज्जाजत से किया जा रहा है ? मुख्य मंत्री जी रिकार्ड मंगवा कर देखें कि कितनी महिलाएं और कितने हरिजन सस्पैंड हो चुके हैं। चाहिए तो यह था कि ब्यूरोक्रेटस उनका साथ देते और उनकी सहायता करते। लेकिन आज उनको सस्पैंड किया जा रहा है। वह सस्पैंड क्यों किया जा रहा है क्योंकि उसने 6 महीने में एक बार होने वाली मीटिंग नहीं बुलाई ? क्या यही तरीका है सम्मान देने का ? आज शराब बंदी जो की है उसका भी बुरा हाल है।

श्री अध्यक्ष : बहन जी, यह जो आपने हरिजनों को सस्पैंड करने वाली बात कही है यह बहुत ही अहम मुद्दा है। आप अपने हल्के में इस तरह की जो भी बात हुई है वह बता दें कि कहां पर ऐसा हुआ है।

श्रीमती करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, आप रिकार्ड मंगवा कर देख लें। (शोर एवं व्यवधान) इस बारे में मैंने लिखकर दिया हुआ है। शराब बंदी को लेकर के जिस तरह से हरियाणा में महिलाओं ने इस सरकार का समर्थन किया था, हमने भी आपका इस बात के लिये स्वागत किया था। लेकिन आज हालात खराब हैं हम तो आपको शराब से भरा ट्रक पकड़वाएं और आप अगले दिन ही उस ट्रक को छोड़ दें, यह बहुत गलत बात है। इस मामले में तो सरकार पूरी तरह से विफल हो चुकी है। हम यह चाहते हैं कि इस बारे में सरकार और सीरियस हो। (घंटी) तस्करों को संरक्षण देना बन्द करें और होम डिलीवरी बन्द करवाएं वरना तो यह शराब बन्दी नहीं बल्कि एक भयानक आर्थिक षड़यन्त्र है।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन अजय सिंह जी आप बोलें और पांच मिनट में खत्म करें।

कैप्टन अजय सिंह यादव (रिवाड़ी) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं (विघ्न)

डॉ० वीरेन्द्र पाल अहलावत : अध्यक्ष महोदय, व्यवस्था का प्रश्न है। अध्यक्ष महोदय, आप बार बार समय की दुहाई दे रहे हैं। हम सब यहां पर अपनी-अपनी बात कहने के लिये इकट्ठे हुये हैं और उस पर भी आप समय की पाबन्दी लगा रहे हैं यह ठीक बात नहीं है। हम सबको यहां पर बोलने का समय देना चाहिए। जो आदमी बोलना नहीं चाहता उसको तो आप बिना बोले ही बोलने के लिये खड़ा कर देते हैं और जो बोलना चाहता है उसको आप समय की दुहाई देने लग जाते हैं। आपको सबको बोलने का समय देना चाहिए।

श्री अध्यक्ष : आप बैठ जाएं । मैंने पहले भी बता दिया था कि गवर्नर एड्रैस पर डिस्कशन का समय सात घंटे का है। इस बारे में मैंने परपैंसनेटली बता दिया था। (विघ्न)

श्री जसवंत सिंह नारनौंद : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है।

श्री अध्यक्ष : कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है आप बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मेरा आपसे विशेष रूप से अनुरोध है कि आप प्वायंट आफ आर्डर पर मैम्बर की बात सुनें और सुनने के बाद आप उसे मानें या न मानें यह आपकी मर्जी है लेकिन आप मैम्बर को बोलने ही नहीं देते हैं। आप बिना सुने ही मैम्बर को कह देते हैं कि कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है। यह बात अच्छी नहीं है। सवाल समय का है और इस हाउस का हर सदस्य यह चाहेगा कि वे मौजूदा बजट अधिवेशन में गवर्नर के अभिभाषण पर चर्चा करें और अपने क्षेत्र की बात रखें। आपकी सरकार बहुमत में है उसे माने या न मानें लेकिन समय का जहां

तक ताल्लुक है उसमें आप सात घंटे की बात को ही लेकर बैठ गये हैं तथा संख्या के आधार पर आप कोई बात नहीं कर रहे हैं। जब कोई सदस्य बोल रहा होता है तो उसको बार-बार बीच में इंट्रप्ट किया जाता है लेकिन आप बहु टाईम नहीं गिनते हैं आप उस टाईम को देखते ही नहीं हैं। आपने कल भी आधा घंटा समय बढ़ाया था। अगर हो सके तो आप आज भी हाउस का समय बढ़ा दें। आप इस बारे में *** न अपनाएं। आपको यह *** छोड़ना चाहिए। स्पीकर साहब, हम तो आपकी बात मानकर चलते हैं। आप भी एक विधायक हैं इसलिये आप इस बात को भी ध्यान में रखते हुए सदस्यों को बोलने का समय दें। (विघ्न)

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, मैं चौटाला साहब से गुजारिश करूंगा कि वे चेयर पर ऐसपर्शन न करें। यह हाउस की डिगनिटी के खिलाफ है। आपको हर मामले पर चेयर पर ऐसपर्शन नहीं करना चाहिए। मेरी आपसे गुजारिश है कि आपको अपनी जिम्मेदारी का अहसास करना चाहिए। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप सभी बैठिए। (विघ्न) जसविन्द्र सिंह, आप भी बैठें। मैंने पहले ही आप सभी को बता दिया था और आज फिर मैं आपको बताना चाहता हूं कि आप इस बारे में पिछले दस साल का रिकार्ड निकालकर देख लें। 1986 से 1996 तक अगर आपको किसी समय भी गवर्नर एड्रैस पर डिस्कशन के लिए सात घंटे का समय दिया गया हो तो आप हमें बता दें। आप अपने समय को भूल गए लेकिन अब आप दूसरों की शिकायत करते हैं। इस बारे में पहले से ही जो समय निर्धारित है उसी के अनुसार आपको बोलने का समय दिया जाएगा और वही समय रहेगा। मैंने कल भी आपको इस बारे में बता दिया था कि इतने समय में चाहे आप अपने-अपने लीडर्ज को बुलवा लें या फिर आप बोल लें। इसलिए अब यह मामला खत्म हो गया है।

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, चौटाला साहब ने जो अड़ियल रवैया शब्द का प्रयोग किया है उसको कार्यवाही से निकलवाया जाना चाहिए और इनको यह शब्द विद ड्रा करना चाहिए । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप सभी बैठिए। यह टाईम सामुहिक था।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे एक सबमिशन है। चौटाला साहब जितनी बार भी बोलते हैं चाहे वह प्वायंट ऑफ आर्डर पर बोलें या किसी और मामले पर बोलें, ये चेयर के ऊपर कोई न कोई ऐसपर्शन कॉस्ट कर जाते हैं। मैं समझता हूं कि इनकी यह बात हाउस के हर नियम के हर चीज के खिलाफ है। अब अगर ये दोबारा से ऐसा करेंगे तो हमको भी कुछ करना पड़ेगा। (विघ्न) अब हम इसको बर्दाश्त नहीं करेंगे।

श्री जसविन्द्र सिंह सन्धु : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। मुझे आपसे कुछ कहना है।

Mr. Speaker : Jaswinder Singh Ji, either you please sit down properly or I will have to name you. This is no way to act like this.

श्री जसविन्द्र सिंह सन्धु : सर, मैंने ऐसा क्या किया है जो आप मुझे नेम कर रहे हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब ने जो अड़ियल रवैया वाला शब्द कहा है उसको कार्यवाही से निकाल दिया जाए। अब कैप्टन अजय सिंह बोलेंगे।

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, आपने मुझे गवर्नर साहब के अभिभाषण पर बोलने के लिये जो समय दिया है इसके लिए मैं आपका धन्यवाद सबसे पहले करता हूं। चौधरी बंसी लाल जी ने

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[कैप्टन अजय सिंह यादव]
बिजली के मामले में 24 घंटे बिजली देने का वायदा चुनावों के दौरान किया था। अहीरवाल के इलाके में खासतौर से जो हमारा इलाका है, वहां से इनके सबसे ज्यादा विधायक चुने गये और उनमें से कई आज चौधरी बंसी लाल जी की सरकार में मंत्री भी हैं। लेकिन आज जो हमारे इलाके की हालत हो गयी है वह बहुत ही दयनीय है। पहले हमारे इलाके में बिजली की स्लैब प्रणाली थी जो कि पिछले बीस-बाईस साल से चली आ रही थी। वहां के लोगों को उम्मीद थी कि यह सरकार उनको 24 घंटे बिजली देगी लेकिन इस सरकार ने स्लैब प्रणाली भी खत्म कर दी और बिजली के रेट भी बढ़ा दिये। पहले वहां बिजली के रेट 42 रुपये प्रति हार्स पावर थे लेकिन इस सरकार ने उनको बढ़ाकर 45 रुपये प्रति हार्स पावर कर दिया। जबकि स्पीकर साहब, हमारा यहां का इलाका एक फसली है। वहां पर पानी 100 फुट से लेकर 500 फुट नीचे तक है और केवल चार महीने ही वहां पर ट्यूबवैल चलते हैं और 8 महीने बंद रहते हैं। जहां हमारे एरिये में एक एकड़ जमीन की सिंचाई के लिए 16 घंटे लगते हैं वहीं दूसरी जगहों पर यह चार घंटों में ही हो जाती है और वे आबियाना भी बीस रुपये के हिसाब से ही देते हैं लेकिन हमारे यहां 1200-1300 रुपये खर्चा होता है। हमारे इलाके के लिए जो स्लैब प्रणाली इस सरकार ने खत्म की है, इसके विरोध में किसानों ने बहुत बार धरने भी दिये हैं। पिछले दिनों 30 जनवरी को एक रैली भी हुई और उसमें किसानों ने सरकार को यह चेतावनी दी कि वे 24 तारीख के बाद बिल नहीं भरेंगे।

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि यह कादमा कांड भी तभी हुआ था (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : सांगवान साहब, आप बैठ जाइए। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां कैनाल का पानी नहीं है। मुझे मुख्य मंत्री जी से विशेष रूप से यह बात कहनी है कि इस मुद्दे का खास ख्याल रखें कि जो स्लैब प्रणाली है इससे हमारे इलाके के किसान बहुत चिंतित हैं किसान का इससे बहुत पैसा लगता है। दूसरी मुख्य परेशानी यह है कि जहां एक तरफ पंजाब ने किसानों को बिजली और पानी मुफ्त दिया है वहां हमारे किसानों को यह दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। मसानी बैराज के मामले में मुख्य मंत्री जी ने पहले सैशन में आश्वासन दिया था कि शटर लगा देंगे। राजस्थान से इतनी मात्रा में पानी आता है जिससे पिछले दिनों हमारे किसानों की फसलें तबाह हो गईं। आप देख रहे हैं कि वह पानी झज्जर तक टक्कर मार जाता है लेकिन आज तक इस बारे में राजस्थान सरकार से बात नहीं की गई। राजस्थान सरकार से मुख्य मंत्री जी यदि बात करें तो हमारे हिस्से के पानी की बात कर सकते हैं। बजाय शटर लगाने के वहां 6 फुट ऊंची दीवार खड़ी कर दी है। छह फुट की जो दीवार खड़ी की जा रही है उससे अगर साहिबी नदी का पानी आता है तो उसके साथ सिल्ट आएगी और अगर यह दीवार टूट गई तो कम से कम 50 गांव तबाह हो जाएंगे। मुझे तो यह समझ में नहीं आ रहा है कि इंजीनियरों ने क्या सोचकर यह छह फुट ऊंची दीवार उठाई है, अगर दीवार टूट गई तो ऐसी तबाई मचेगी कि मैं क्या कहूं और उस तबाही के लिए यह सरकार जिम्मेदार होगी इसलिए इस मामले में दोबारा विचार करें और शटर लगाएं। अगर शटर लगाए जाते तो इतनी भारी मात्रा में पानी इकट्ठा न होता लेकिन राजस्थान सरकार ने अपनी मर्जी से बांध बनाए हुए हैं और जब हमें पानी की जरूरत होती है तो पानी रोक लेते हैं और जब जरूरत नहीं होती है तो पानी छोड़ देते हैं। जगदीश यादव जी इस बारे में जानते हैं उनके हल्के के गांवों में भी इस पानी से तबाही होती है। मेरे हल्के में एक गांव खलिया बास है उस गांव में इस पानी से भारी तबाही हुई है। इसके अलावा मुख्य मंत्री जी गंगा के पानी की बात करते हैं। एस०वाई०एल० का मामला भी हमारे इलाके से जुड़ा हुआ है। दक्षिणी हरियाणा में

रिवाड़ी, महेन्द्रगढ़ हमेशा इस पानी से वंचित रहते हैं सही मायनों में यह पानी हमारे इलाके के लिए है लेकिन क्या हो रहा है कि जो पानी यमुना में डब्यू०जे०सी० से आ रहा है वह सिरसा और हिसार में आ रहा है जो पानी का सही तरीके से बंटवारा होना चाहिए था वह नहीं कर पाए हैं। (विघ्न)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, पिछले पांच साल ये क्या करते रहे ? (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : हम नहीं कर पाए तो आप कर दीजिए।

श्री बंसी लाल : तो ये कहो कि पिछली सरकार नालायक थी। (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, भाखड़ा की कैपेसिटी 4200 क्यूसिक से घटकर 2400 क्यूसिक रह गई है। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, दूसरा मुख्य मुद्दा प्राइवेटाइजेशन का है जिसके विरोध में सरकार के एक मंत्री ने इस्तीफा दिया है और सबसे बड़ी बात यह है कि एक पॉवर रेगुलेटिंग अथोरिटी बनाई जा रही है।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप कंक्लूड कीजिए।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, यह बताया जा रहा है कि अगर कोई पॉवर टैरिफ लगेगी उसके बारे में अगर कोई अपील करना चाहता है तो उसे हाईकोर्ट में जाना पड़ेगा। सबसे बड़ी बात तो यह है कि बिजली के प्राईवेटाइजेशन से बिजली मंहगी हो जायेगी और पॉवर टैरिफ बढ़ेगा, इम्पलाईज रिट्रेंच होंगे यह किसानों के साथ सरासर अन्याय होगा। यह पोलिसी एन्टी फार्मर्ज और एन्टी पीपल्ज है इसके अतिरिक्त रिस्ट्रक्चरिंग और रिफोर्मिंग के नाम पर सब-स्टेशन बेचे जा रहे हैं (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप कंक्लूड करिये।

कैप्टन अजय सिंह यादव : मुझे पूरा तो करने दीजिये। अध्यक्ष महोदय, अगर हम अपनी बात ही पूरी नहीं कह पायेंगे तो यहां पर बैठने का क्या फायदा होगा?

श्री अध्यक्ष : आपके आठ मिनट हो चुके हैं।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं सिर्फ तीन मिनट और लूंगा।

श्री अध्यक्ष : आप कंक्लूड करना ही नहीं चाहते हैं।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अगर आप बोलने ही नहीं देंगे तो पूरी बात कैसे कर पाऊंगा जब यह स्ट्राईक हुई तो शहरों की कितनी बुरी हालत हो गई थी। - (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप एक मिनट में खत्म करिये।

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्ट्राईक की वजह से गारबेज के ढेर सड़कों पर इक्ट्ठे हो गये और स्ट्राईक पर जो इम्पलाईज रहे उनकी जगह सरकार ने तीन हजार इम्पलाईज और भर्ती कर लिये। सबसे बड़ी बात यह है कि स्ट्राईक की वजह से लोगों को कितनी कठिनाई हुई। (विघ्न) (घंटी)

श्री अध्यक्ष : अब निर्मल सिंह जी आप बोलिये।

वाक आऊट

कैप्टन अजय सिंह यादव : ठीक है अध्यक्ष महोदय, अगर आप बोलने नहीं देते हैं तो मैं इस सदन से वाक आऊट करता हूं।

(इस समय कैप्टन अजय सिंह यादव सदन से वाक आऊट कर गये)

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष : निर्मल सिंह जी आप बोलिये। (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर सर, मेरी आपसे एक प्रार्थना है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : धीरपाल जी बैठिये।

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर सर, एक बात कहने दीजिये।

श्री अध्यक्ष : ठीक है बोलिये।

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर सर, मेरी आपसे एक हम्बल सबमिशन है कि आप बड़े मेहरबान हैं। आपकी मेहरबानी से ही कल मैं और चौटाला साहब अपनी बात को कह पाये। स्पीकर सर, गवर्नर एड्रैस पर हमारे नये साथियों को भी बोलने का मौका दीजिये। मेरी आपसे विनती है कि इनको भी बोलने का मौका दिया जाये। चाहे दो, तीन या पांच मिनट का टाईम दीजिये ताकि हर सदस्य अपने हल्के की समस्याओं के बारे में अपनी बात कह सके। नये साथी चुनकर आये हैं इनको भी इस हाऊस में बोलने का अधिकार है। हमारी पार्टी के इन साथियों को इनके अधिकार से वंचित न रखें। यह मेरी आपसे गुजारिश है। (विघ्न)

गृह मंत्री (श्री मनीराम गोदारा) : मुझे ऐसा लगता है कि ये जवाब को सुनना नहीं चाहते। इनकी इंटेंशन से ऐसा लगता है कि यह बात को सुनना नहीं चाहते। अध्यक्ष महोदय, जब इनके सामने बिजनैस एडवाईजरी कमेटी में फैसला हो गया था और टाईम के बारे बात हो गई थी और चौटाला साहब और धीरपाल जी ने अपनी बात जो कहनी थी वह कह दी अब हमारी बात कहने की बारी आई है तो ये सुनने को तैयार नहीं अब टाईम बढ़ाने की बात कर रहे हैं।(विघ्न)

डॉ० वीरेन्द्र पाल अहलावत : मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है, सर।

श्री अध्यक्ष : आप बैठिये।

श्री मनीराम गोदारा : आपके सामने टाईम के बारे में फैसला हुआ था और टाईम बांट दिया था। उसके हिसाब से आप बोल चुके हो अब जो कुछ बाकी बोलना है वह जनरल डिस्कशन में बजट पर आप बोल लेना उस समय टाईम दे देंगे।

श्री अध्यक्ष : निर्मल सिंह जी आप बोलिये।

श्री निर्मल सिंह (नरवाना) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। (विघ्न) भागी राम जी कृपया बीच में डिस्टर्ब न करें, कल थोड़ी देर के लिये मैंने धीरपाल जी को कुछ बोल दिया था उसके लिये मैंने उनसे माफी भी मांग ली थी, शायद उन्होंने माफ भी कर दिया होगा मैं आपको आश्वासन देता हूं कि आगे से ऐसा नहीं होगा।धीरपाल जी, जो हमारे बड़े भाई हैं, को मैं भावावेश में थोड़ा जोर से बोल गया कि "बैठ जा"। इसके लिये मैंने इनसे माफी मांग ली और शायद इन्होंने मुझे माफ भी कर दिया होगा। (विघ्न) ऐसा मेरा इनको कहने का कोई इरादा नहीं था। दरअसल मैं इनसे यह आशा नहीं करता था कि ये चौधरी साहब की वकालत के लिये खड़े हो जाएंगे। मुझे तो समझ में ही नहीं आया। इसलिये मैं यह भूल गया कि ये मेरे से उम्र में भी बड़े हैं। (विघ्न) मैं कोई निजी बात नहीं छेड़ना चाहता हूं। (विघ्न) जिस तन लागे, वो तन जाने, कोई न जाने पीर पराई। चौटाला साहब ने भी गुस्से में काफी कुछ बोल दिया। कोई बात नहीं है। वह बात भी हमने छोड़ दी। कृष्ण लाल ने भी काफी कुछ गलत कह दिया। कोई बात नहीं। बस मैं इतना ही कहना चाहता था। आप सब लोग

चौधरी भजन लाल के खिलाफ वोट मांग कर यहां पर आए हो तथा अगर आपके हल्कों के लोगों को यह बात पता चल जाएगी कि आप उनकी वकालत करते हैं तो उनको बुरा लगेगा। (विघ्न) स्पीकर सर, दुर्भाग्य से कल मेरा गला साथ छोड़ गया था। आज मैं अपनी बात पूरी करना चाहता हूं। पिछले कुछ समय से राज्य में कुछ ऐसी गलत परम्पराएं पड़ गई हैं कि एक दूसरे को रगड़ा देने की आदत सी बन गई है। हमें अपनी वैचारिक और सियासी लड़ाई ही लड़नी चाहिए और किसी के बीबी बच्चों तक नहीं पहुंचना चाहिए। उसके बाद जातपात के भेदभाव की बातें भी उभर कर सामने आई हैं। मैं दो तीन बातें आपको बताना चाहता हूं। अभी कर्ण सिंह दलाल साहब ने कहा कि एक हल्के में 70 कि० मी०, एक में 90 कि० मी० सड़कें बनवाई गई होंगी। ये बातें स्टेट के लोगों के हित में नहीं हैं। इससे हम बंटते हैं। इसी ढंग से साढ़े छः हजार सिपाही भर्ती हुए। वे कैसे भर्ती हुए। इस प्रकार के एलीगेशंज भी उन पर लगे। इनमें सिर्फ 60 आदमी ही गुड़गांव जिले के हैं और इसी तरह से हमारे विधान सभा क्षेत्र के हैं ये सभी बातें रिकार्ड की हैं। ये सभी बातें हरियाणा की जनता जानती है। इसलिये हम सब का फर्ज है कि हम पूरे हरियाणा को यूनाईट करें तथा जातपात की बातें न करें। अभी बीरेन्द्र सिंह जी यहां पर बैठे नहीं हैं। कहीं पर बैठे हों तो सुन लें या उनके साथी उनको बता दें। मैं एक उदाहरण देना चाहता हूं कि चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी को जब कांग्रेस से धक्का दिया गया तो बैकवर्ड क्लास के एक सदस्य डॉ० रामप्रकाश उनके साथ चले गये। इस पर चौधरी भजन लाल जी ने एक बार नहीं 4 बार कहा था कि अगर 5 जाट मैम्बर भी चले जाते तो मुझे इतना अफसोस नहीं होना था जितना इस अकेले का है। बीरेन्द्र सिंह जी अभी हाउस में बैठे नहीं हैं। वे आकर के बताएं कि अगर यह बात गलत हो तो। ऐसी-ऐसी बातें इस राज्य में हुई हैं। इस राज्य का स्वरूप ही बिगाड़ कर रख दिया है। करीबन बीस सालों के बाद चौधरी बंसी लाल जी के हाथ सत्ता लगी है तथा अभिभाषण में उनकी 8 महीने की उपलब्धियों का जिक्र करने की कोशिश की गई है तथा इस सरकार के भावी प्रोग्रामों को बताया गया है। चौधरी बंसी लाल जी हरियाणा के निर्माता के रूप में माने जाते हैं। हम सभी को उस पर भरोसा रखना चाहिए। लेकिन चौधरी बंसी लाल जी हरियाणा का विकास जहां पर छोड़ कर गए थे वहीं पर रुका हुआ है। आज हरियाणा प्रदेश कंगाल और कर्जई बना हुआ है यह बात किसी से छिपी हुई नहीं है। बिजली के निजिकरण के बारे में कई माननीय सदस्य बोले। यह बड़ा अहम मुद्दा है। आज लोग कहते हैं कि उन्हें बिजली मिले चाहे कुछ महंगी मिले लेकिन चौधरी बंसी लाल जी ने लोगों को यह आश्वासन दिया है कि बिजली मंहगी नहीं होगी। पिछली सरकारों ने इस बात की तरफ ध्यान नहीं दिया कि किसानों को पूरी मात्रा में बिजली मिले इसका मुख्य कारण क्रशन रहा है जो बिल्कुल एक नासूर बन गई और लोगों में कैंसर की तरह फैल गई इसलिए इस सरकार को इस तरह के स्टैप लेने पड़ रहे हैं। यह लोगों के हित में भी है। इसके अलावा स्पीकर साहब मैं चौधरी साहब का ध्यान इस बात की तरफ दिलाना चाहूँगा कि एस०वाई०एल० कैनाल को बनाने का काम प्रायर्टी पर लें। दादूपुर नलवी नहर को बनाने के लिए 1986 में जब चौधरी बंसी लाल जी मुख्य मंत्री थे तब इन्होंने ही पैसा दिया था। उस वक्त उस नहर को बनाने की कौस्ट लगभग 45 करोड़ रुपए आनी थी और उसके लिए जमीन भी एक्वायर कर ली गई थी लेकिन उसके बाद उसका काम खटाई में डाल दिया गया। मैं चौधरी बंसी लाल जी से अनुरोध करूँगा कि आप कहीं से उस नहर को बनाने के लिए फण्डज निकाल कर दें और उसको प्रायर्टी बेस पर बनाएं। नशाबंदी के बारे में चौधरी साहब का ख्याल है कि यह समाज के लिए एक अच्छी चीज है। शराब जरूर बंद होनी चाहिए। इसको गरीब आदमी और मजदूर पीते थे और अपने परिवार का नाश करते थे। गुण्डागर्दी भी बढ़ी हुई थी लेकिन शराब बंद होने के बाद उन सभी बातों पर काबू है। इनकी यह सोच सही है। इन्होंने शराब को बंद करके कोई गलती नहीं की है। इन्होंने अपने आपको दिक्कत में डाल कर स्टेट के लोगों

[श्री निर्मल सिंह]

का भला किया है। शराब के कारण औरतें पीड़ित थीं, बच्चे पीड़ित थे। अपोजिशन के लोग कहते हैं कि माफिया खड़ा हो गया। यह बात चौटाला साहब ने भी कही थी और कांग्रेस पार्टी के सदस्यों ने भी कही थी। यदि आप चाहते हैं कि शराब बंद हो तो आप हमें सहयोग दें अगर आप कहते हैं कि शराब को बंद करने की सरकार की पालिसी गलत है इसको खोलें। (शोर)

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, जिस समय हम बोले उस समय माननीय सदस्य श्री निर्मल सिंह जी सदन में नहीं थे। इनको परेशान करने के लिए मैं कोई बात नहीं कहूंगा। इनकी जानकारी के लिए मैं इनको बताना चाहूंगा और यह बात रिकार्ड में भी है कि हमारी पार्टी ने जब शराब बंदी का प्रस्ताव आया तो उस समय पूर्ण रूप से सहयोग दिया था। हमारी पार्टी इस बात की आज भी पक्षधर है कि ईमानदारी से शराबबंदी हो।

श्री निर्मल सिंह : यह बात आप ईमानदारी से नहीं कह रहे हैं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, अभी श्री धीरपाल जी न शराबबंदी के बारे में कहा कि उनकी पार्टी शराबबंदी के लिए पूरा सहयोग देने के लिए तैयार है। आपको याद होगा जब अपोजीशन के माननीय सदस्य बोल रहे थे तो यह कह रहे थे कि इस सरकार के मंत्री शराब बिकवाते हैं, इस सरकार के विधायक शराब बिकवाते हैं, ओफिसर शराब बिकवाते हैं। इन्होंने उस समय यह गलत बात कही। किसी भी विपक्ष के विधायक ने तमाम हरियाणा के किसी भी ओफिसर को या पुलिस के अधिकारी को यह शिकायत नहीं की कि हरियाणा में फलां जगह शराब बिकती है और कौन बिकवाता है। अगर ये इस तरह की कोई शिकायत करते तो हम वहां पर पुलिस के अधिकारी भेजते लेकिन आज ये कहते हैं कि ये शराबबंदी के लिए सरकार का सहयोग देंगे। इन्होंने आज तक किसी भी कर्मचारी को और किसी भी अधिकारी को इस बारे में शिकायत दर्ज नहीं कराई कि फलां जगह शराब बिक रही है और कौन आदमी बिकवा रहा है।

श्री बंसी लाल : पिछली बार सदन में चौटाला साहब ने यह कहा था कि हम शराब पकड़वाएंगे, पुलिस दो। मैंने उसी समय 2-3 दिन बाद एक सर्कुलर भेजा था कि शराब पकड़वाने के लिए यदि कोई पुलिस का सहयोग मांगता है तो उसके साथ पुलिस चली जाएगी। ये बता दें कि क्या कभी इन्होंने पुलिस की मदद मांगी। (विघ्न)

श्री निर्मल सिंह : यदि किसी ने एक आध आदमी पकड़वा दिया हो या कोई चालान करवा दिया हो तो उस पर यह मोहर नहीं लग जाती है कि उसने बहुत बड़ा काम करा दिया। मेरा इस बारे में कहना यह है कि इस नीति बारे सभी को ईमानदारी से सरकार को सहयोग देना चाहिए और अपनी आत्मा से सहयोग देना चाहिए। यदि ये सभी आत्मा से और ईमानदारी से सहयोग दें तो 100 प्रतिशत यह शराब बंदी हो सकती है। हमारे यहां पर इतने कानून बने हुए हैं लेकिन अफीम फिर भी मिल रही है। कानूनों के बावजूद भी ऐसे कई काम होते रहे हैं। शराब बंदी 80 प्रतिशत होना कोई मामूली बात नहीं है। (विघ्न) अगर आप लोग 80 प्रतिशत नहीं मानते तो 70, 60 या 50 तो मानते हो। (विघ्न) 20 प्रतिशत कहते हुए आपको *नहीं आती।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे जानना चाहता हूं कि क्या शर्म लफ्ज पार्लियामेंटरी है या अन पार्लियामेंटरी।

---

*चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री अध्यक्ष : इस शब्द को एक्सपंज कर दिया जाये। (विघ्न) मेरी सभी सदस्यों से फिर प्रार्थना है कि आप बीच में टोका-टोकी न करें।

श्री निर्मल सिंह : मेरा इनसे यह कहना है कि इनको सरकार के हर अच्छे काम में चाहे वह शराब बंदी का मामला हो या दूसरे अच्छे काम हों, सहयोग देना चाहिए। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : भागी राम जी आप बैठे बैठे न बोला करें। आप बहुत अधिक इन्टरप्ट करते हैं। यदि आप ऐसे ही बोलते रहे तो फिर मुझे आपको नेम करना पड़ेगा। मैं आपको चेतावनी देता हूँ कि आप बीच में बैठे बैठे कमैन्टरी न किया करें।

श्री निर्मल सिंह : मेरा कहना यह है कि विपक्ष को सरकार के अच्छे काम में सहयोग देना चाहिए। बुरे कर्मों में ये सहयोग न दें। अभी इस सरकार को बने हुए 8 महीने ही हुए हैं। कभी भजन लाल जी की तरफ से और कभी चौटाला जी की तरफ से यह बात आती है कि हम इस सरकार को तोड़ देंगे। इनको ऐसी बात नहीं करनी चाहिए। लोगों ने जो विश्वास इस सरकार के प्रति व्यक्त किया है उसके आगे इनको सिर झुकाना चाहिए और डैमोक्रेसी के तहत इनको अगले चुनावों तक सिर झुका कर इन्तजार करनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, अगर ये लोगों के सच्चे हितैषी हैं तो सरकार को हर मामले में सहयोग देना चाहिए। लोग इस बात का फैसला फिर करेंगे कि क्या ठीक था और क्या गलत था ? चौधरी बंसी लाल जी के प्रोग्राम्ज़ क्या हैं, जनता उन्हें अच्छी प्रकार से समझती है क्योंकि वे आजमाए हुए नेता हैं। उनके नाम पर हरियाणा के विकास का इतिहास लिखा हुआ है, उन्हें हरियाणा का निर्माता कहा जाता है। उनकी सरकार आज जो सुधारवादी कदम उठा रही है उन पर आज सब की निगाहें लगी हुई हैं जनता को आज याद है कि जब यह सरकार सत्ता में आई तो उनको कितनी खराब व्यवस्था विरासत में मिली है। क्रप्शन, जाति-पाति का भेदभाव और चारों ओर भाई-भतीजावाद का बोलबाला था। उस वक्त क्या-क्या हुआ था यदि उस स्थिति को खत्म करना है सबको अपनी सोच सांझी करनी पड़ेगी और चौधरी बंसी लाल को सभी को अपना सहयोग देना पड़ेगा। अध्यक्ष महोदय, मैं एक-दो बातें आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय से कहना चाहूंगा। मेरे साथी विधायक श्री अनिल विज जी ने अम्बाला कैंट के लिए कैनाल बेसड स्कीम बनाने की बात कही है। इस स्कीम पर 10 वर्ष में पैसा खर्च होना है और इसके लिए चौधरी साहब ने 50 करोड़ रुपया मन्जूर किया है। यह स्कीम जब मैं पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर था तब मैंने मन्जूर की थी जो कि कैनाल बेस्ड वाटर स्कीम है। अम्बाला के आस-पास जो ट्यूबलैल्ज़ अब लग रहे हैं वह अब करीब दो हज़ार फुट की गहराई पर लगने लगे हैं और आने वाले 10 सालों में यहां के लोग एक-एक बून्द पानी को तरस जाएंगे क्योंकि यहां पर कोई भी कैनाल बेसड स्कीम अभी तक नहीं बनी है और न ही यहां से कोई नहर अथवा नदी ही है जिससे कि पानी मिल सके। जो नदियां इस एरिया में पड़ती हैं वे बरसाती हैं। पहाड़ की तलहटी में जब बरसात होती है तो इस ऐरिया में पानी तेजी से पहाड़ से आता है जोकि हमारी फसलों को बहा ले जाता है और इस हल्के की सड़कों और दूसरी चीजों को भी नुकसान होता है। पानी बह कर नुकसान करता हुआ चला जाता है जिसकी वजह से वाटर लैवल नीचे जा रहा है क्योंकि पानी कहीं पर भी रुकता नहीं है। इसलिए अब इन नदियों पर छोटे-छोटे बांध बना कर पानी को रोका जाए ताकि वाटर लैवल इस ऐरिया का ऊंचा आ सके। मैंने इस बारे में चौधरी साहब से बात की है और मैं उनका शुक्रिया अदा करना चाहूंगा कि उन्होंने इस पर जल्दी ध्यान दे कर कार्य करवाने का आश्वासन दिया है और उम्मीद है कि बरसात के आने वाले सीज़न से पहले ही उन पर काम शुरू हो जाएगा। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में रोड्ज़ की हालत काफी खस्ता है। मेरा हल्का बहुत ही वास्ट ऐरिया है इसमें चार मार्कीट कमेटियां हैं। पिलखनी से दानीपुर 77 किलोमीटर पड़ता है और

[श्री निर्मल सिंह]

करीब 450 किलोमीटर रोडज़ मेरे हल्के में लगती हैं। इन रोडज़ की रिपेयर की जरूरत है और साथ ही नई सड़कें भी बनाई जानी हैं जिनके लिए मार्कीट कमेटीज से पैसा दिया जा सकता है क्योंकि वे रोडज़ मार्कीट कमेटीज के ऐरियाज़ की हैं और कामों के लिए भी मेरे इलाके में अधिक पैसे की जरूरत है। अध्यक्ष महोदय, इन्हीं शब्दों के साथ मैं चौधरी बंसी लाल की प्रगतिशील नीतियों का स्वागत करता हूँ तथा गवर्नर महोदय ने जो अभिभाषण देने की कृपा की है उसका मैं समर्थन करता हूँ। चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में पूर्ण आस्था व्यक्त करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मुझे बोलने के लिए समय देने के लिए मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूँ।

श्री सत्यनारायण लाठर (जुलाना) : स्पीकर साहब, धन्यवाद। 5 तारीख को माननीय राज्यपाल महोदय ने हमारे राज्य सरकार का जो प्रस्ताव पढ़ा है मैं उसका पूर्ण समर्थन करता हूँ। चौधरी बंसी लाल की सरकार आने के बाद कानून-व्यवस्था की स्थिति में काफी सुधार आया है। अध्यक्ष महोदय, हमारे कुछ साथियों ने इस एड्रैस पर बोलते कहा कि कानून और व्यवस्था में कोई सुधार नहीं आया है। यह बिल्कुल गलत है क्योंकि पिछली सरकारों के वक्त में हर रोज ऐसी घटनाएं घटती रहती थीं जिनसे जनता तंग हो चुकी थी। क्रशन का बोलबाला था और आये दिन हत्याएं होती थीं लेकिन चौधर बंसी लाल जी की सरकार आने के बाद इन घटनाओं में कमी हुई है और कानून-व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है। ये भाई कहते हैं कि शराब बन्दी नहीं हुई लेकिन शराब बन्दी लागू होने से जो आये दिन तरह-तरह के अपराध होते थे उनमें काफी हद तक कमी हुई है। कुछ भाईयों ने यहां पर सदन में बोलते हुए कहा कि शराब बन्दी विफल हो गई है जो आज कहते हैं कि फलां-फलां आदमी शराब का धन्धा करता है। अध्यक्ष महोदय, इस शराब बन्दी के कारण वही लोग व्याकुल हैं जो कि शराब के धन्धे में लगे हुए हैं। पहले ही से यह मिसाल मशहूर रही है कि चौधरी भजन लाल शराब बनाता है और चौधरी ओम प्रकाश चौटाला और उसका समधी शराब बेचते हैं। आज ये कहते हैं फलां धन्धा कर रहा है जब कि शराब बन्दी से उन्हीं लोगों को तकलीफ हो रही है जिनका रोजगार बन्द हो गया। शराब बनाने और बेचने वाले ठेकेदार शराब बन्दी के कारण तिलमिला रहे हैं क्योंकि उनका धन्धा बन्द हो गया है। शराब बन्दी का कार्य करके हमारी सरकार ने एक बहुत बड़ा कदम उठाया है इसके परिणाम भी जल्दी ही सामने आने वाले हैं। रबी की फसल तैयार होने वाली है जब वह फसल बेच कर घर आएगा लेकिन शराब पी कर नहीं आएगा।

(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)

उपाध्यक्ष महोदय, जिन्होंने आज शराब की लत छोड़ दी है आज वह आदमी अपनी फसल बेच कर शाम को घर में आता है और अपने घर में फल लाता है, सब्जियां लाता है। उस घर की औरतें इस सरकार को, चौधरी बंसी लाल जी को आशीर्वाद देती हैं कि तुम युग-युग जिओ तुमने हमारा घर बर्बाद होने से बचा लिया। शराब छोड़ने के फायदे तो आने वाले सालों में सामने आएंगे। आज जो बच्चा छोटा है और जब वह 35 साल का हो जाएगा तथा अपने दादा से पूछेगा कि दादा हमारी जमीन तो इतनी ज्यादा है और दूसरे दादा की जमीन नहीं है ऐसा क्यों है। तो दादा कहेगा कि बेटा उसने शराब में डूबो दी है। ऐसा न हो, इसलिए इस सरकार ने हरियाणा में शराब बंद की है और इस सरकार ने छः सौ करोड़ का घाटा सहन किया है।

उपाध्यक्ष महोदय, जब से चौधरी बंसी लाल जी की सरकार आई है कहीं पर जात-पात का नाम नहीं है। चौटाला साहब और भजन लाल जी की सरकार के वक्त इन्होंने जात-पात के हिसाब से लोगों

के साथ दुरव्यवहार किया जाता था। चौधरी भजन लाल के वक्त जाटों के साथ दुरव्यवहार किया जाता था। आज इस सरकार ने सब में भाईचारा कायम किया है। उपाध्यक्ष महोदय, आज बिजली की बात आई है। 19 नवम्बर 1970 को बंसी लाल की सरकार ने हरियाणा प्रदेश में गांव-गांव में बिजली, सड़कें, पीने का पानी और रोडवेज की बसें चलाई थीं। 1975 में जाने के बाद बंसी लाल जी 1996 में आये हैं और तब से लेकर आज तक बिजली की खपत बढ़ी है बिजली का उत्पादन नहीं बढ़ाया गया है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका इस ओर ध्यान दिलाना चाहूंगा कि पिछली सरकार की नेगलीजैंस की वजह से हुआ है। हम आज इस बारे में सुधार करने जा रहे हैं। इसमें सुधार करने के लिए निजीकरण करना जरूरी है और इस बारे में मेरे भाई बार-बार मामला उठा रहे हैं। ये बेबुनियादी बातें यहां पर उठा रहे हैं। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में यह बहुत ही सराहनीय है और हमारी सरकार तरक्की पर तरक्की करेगी। इसके लिए मैं राज्यपाल महोदय का धन्यवाद करता हूँ।

श्री सतपाल सांगवान (दादरी) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। उपाध्यक्ष महोदय, इस पर बोलते हुए अपोजिशन के नेता ने सबसे पहले ला एंड आर्डर की बात करी कि ला एंड आर्डर की सिचुएशन बहुत खराब है और उन्होंने पहला एग्जाम्पल देते हुए मेरी कांस्टीचुएंसी का नाम लिया कि वहां पर शिव चरण मित्तल का अपहरण हो गया। यह ये जानते हैं कि जिस लड़के ने अपहरण किया वह किस पार्टी का था, वह लड़का कौन था, यह अपहरण क्यों हुआ और किस बात के लिए हुआ। अगर ये नहीं जानते तो ये वहां पर जाकर पता कर लें कि वह कौन था। (विघ्न)

डॉ० वीरेन्द्र पाल अहलावत : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। सर, मैं प्वायंट ऑफ आर्डर पर तो बोल ही सकता हूं। क्या हमारा कोई अधिकार बोलने का है या नहीं।

श्री सतपाल सांगवान : जब चौटाला साहब ने ही आपको बोलने का अधिकार नहीं दिया है तो फिर अब आप क्या बोलोगे। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे एक सबमिशन है कि कोई भी सदस्य सदन में प्वायंट ऑफ आर्डर पर खड़ा हो सकता है। पहले आप उसकी बात को सुनें और अगर उसकी बात ठीक नहीं है तो आप उसको न मानें लेकिन आप सुनें बगैर उसको बोलने से न रोकें। यह तो हर एम०एल०ए० का अधिकार है। अगर कोई बात ठीक नहीं कही जाती है तभी तो किसी को आपत्ति होगी और उसी आपत्ति पर वह प्वायंट ऑफ आर्डर पर अपनी बात कह सकता है। आप उसकी बात पहले सनें और अगर उसकी ठीक नहीं है तो आप उसको रिजैक्ट कर सकते हैं।

श्री सतपाल सांगवान : सर, चौटाला साहब ने जो अपने भाषण में उस कांड के बारे में कहा तो मैं इनको बताना चाहता हूँ कि ...

श्री उपाध्यक्ष : सांगवान साहब, आप सभी बैठें और डॉ० साहब को प्वायंट ऑफ आर्डर पर अपनी बात कहने दें।

डॉ० वीरेन्द्र पाल अहलावत : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे प्वायंट ऑफ आर्डर पर बोलने के लिये समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद। सर, कल जब हमारे विपक्ष के नेता बोल रहे थे तो उनको कम से कम पचास बार प्वायंट ऑफ आर्डर पर इंट्रप्ट किया गया। मैं यह कहना चाहता हूँ कि अभी सांगवान साहब जैसा कह रहे थे कि अपहरण किसने किया और वह कौन लोग थे। हम नहीं जानते कि

[डॉ० वीरेन्द्र पाल अहलावत]

वे कौन लोग थे लेकिन अगर वे हमारे घर के लोग थे तो आप उनको पकड़वाओं और पकड़वाते क्यों नहीं। असल मुद्दा तो यह है कि सरकार उनको पकड़ने में नाकाम रही है और इनकी सरकार के टाईम में ही यह अपहरण होते रहे हैं। अगर इसमें हम शामिल हैं तो आप हमें भी पकड़ो।

श्री सतपाल सांगवान : उपाध्यक्ष महोदय, मेरे साथी ने बहुत बढ़िया कहा है। मैं इनको बताना चाहता हूं कि इस कांड में पांच लड़के थे जिनमें से एक इनकी अपनी कांस्टीच्यूएंसी का था। इसके अलावा जोगिन्द्र सिंह, चांद सिंह, जो कि चरखी का था, भी इसमें शामिल थे। शिवचरण मित्तल अपनी गाड़ी में बैठकर रोहतक जा रहे थे लेकिन ये पांचों लड़के बौंद के पास उनकी गाड़ी के पास आए और उनमें एक लड़का उनकी गाड़ी में बैठ गया और उनको राजस्थान ले गया। मैं चौटाला साहब को बता देना चाहता हूं कि बाई दि वे मेरे कंट्रैक्टर भी रहे हैं। ये कहते हैं कि उसका अपहरण किया लेकिन मैं वहां की पुलिस और सरकार को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने शिवचरण मित्तल को कहीं पर आँच भी नहीं आने दी और आज वे पांचों पड़के जेल के अंदर हैं और उनकी जमानत भी नहीं हुई है। लेकिन अगर इसके बावजूद भी ये लॉ एंड आर्डर को उल्टा मानें तो फिर ये मेरी मजबूरी है और मैं इनको क्या कह सकता हूं। (विघ्न) अपनी स्पीच में चौटाला साहब ने यह भी कहा कि सांगवान हमारे को डराता है। चौटाला साहब अगर यह बात कहें तो अच्छी नहीं लगती क्योंकि यह तो ये कहते थे कि जब तक चौटाला के नाम से डेढ़ लाख लोगों की धड़कने न रूक जाएं तो फिर बात ही क्या है। सांगवान जैसा गरीब किसान का बेटा आपको कैसे डरा सकता है। आपके नाम से तो बच्चे डरते थे और माताएं अपने बच्चों को सुलाती हुई कहा करती थी कि सो जा चौटाला आ गया है और ये मुझे कहते हैं कि मैं इनको डराता हूं। मुझमें इनको डराने की हिम्मत नहीं है। (विघ्न) इसके अलावा जहां तक लॉ एंड आर्डर की बात है। इन्होंने एक कांड के बारे में और कहा। मैं इनको बताना चाहूंगा कि वे लोग भी अंदर हैं। पर इस बारे में मैं अकेला इस हाऊस में नहीं बता सकता लेकिन चौटाला साहब मुझे इस बारे में पता है और पता तो आपको भी होगा पर आपने तो यह कहना बहुत जरूरी था। (विघ्न) जहां तक लॉ एण्ड आर्डर का सवाल है हरियाणा में आज से पहले कभी इतना बढ़िया लॉ एण्ड आर्डर नहीं रहा। इसके अलावा ये कहते हैं कि शराब बेचते हैं कहां शराब बिक रही है। आप मुझे बताएं मैं आपको अपने हल्के में इन्वाइट करता हूं कौन आदमी वहां शराब बेचते हैं मुझे दिखाएं। अगर मेरे आदमी वहां शराब बेचते पाये गये तो मैं आपको अपना मुंह दिखाना छोड़ दूंगा। (शोर एवं व्यवधान)

जहां तक लॉ एण्ड आर्डर का सवाल है तो छोटी-मोटी घटनाएं तो हर दफा होती रहती हैं पर अब वह जमाना नहीं कि एक साथ दस आदमियों को गोली से मार दिया। पहले कितने ऐक्सीडैंट होते थे वह अब नहीं हो रहे हैं बम के बारे में तो मुझे पता नहीं कि कौन रखता है कौन ऐसा काम करता है लेकिन मुझे लगता है कि बम रखने की भी कोई चाल है ताकि चौधरी बंसी लाल जी ठीक ढंग से काम न कर सकें। शुगर मिल के अंदर जब किसानों के गन्ने की पिराई होती है तब श्रीमान चौटाला जी उनसे यह कहते हैं कि तुम हड़ताल करो, ये किसानों के मसीहा हैं। मैं अपनी कांस्टीच्यूएंसी की बात करूं तो मेरे यहां के किसानों ने आज तक पानी नहीं देखा था और पीने का पानी तो दुर्लभ था हमारे यहां की औरतों में इतनी हिम्मत थी कि सिर पर घड़ा भर कर लाती थीं लेकिन आज टैल पर पानी पहुंचा हुआ है यह मैं दावे से कह सकता हूँ। (विघ्न) चौटाला साहब ने लॉ एण्ड आर्डर के बारे में जो दूसरा प्वायंट उठाया था उसके बारे मैं इनको बता दूंगा। अब मैं निजीकरण के बारे में बात करूंगा। निजीकरण के बारे में बड़ी-बड़ी बातें हो रही हैं आज हमारे बिजली बोर्ड की क्या हालत है। बिजली का भट्ठा बैठाकर

हरियाणा की जनता के साथ खिलवाड़ करके चले गये और अब निजीकरण के खिलाफ बोलते हैं। हाँ, चौधरी बंसी लाल ने यह कहा था कि 24 घंटे बिजली दूंगा पर कहां से देते। बिजली की इतनी ज्यादा खपत बढ़ गई लेकिन क्या किसी सरकार ने पॉवर प्लांट लगाने की बात सोची। बिजली बोर्ड 3000 12.00 बजे करोड़ रुपये के घाटे में चल रहा है। आज हरियाणा कि यह हालत हो गई है कि कोई हरियाणा को कर्ज देने के लिए तैयार नहीं है। इनको निजीकरण का मतलब तो पता नहीं है। आज निजीकरण के लिए हमें वर्ल्ड बैंक से पांच हजार करोड़ रुपये मिलेंगे। उस पैसे से हम थर्मल प्लांट लगायेंगे (विघ्न) इनके पास एक पैसा तो था नहीं कर्ज देने को कोई तैयार नहीं था। (विघ्न) सतपाल सांगवान आज इस हाऊस में चैलेंज करता है कि आज तक किसी की एक चवन्नी भी ली हो तो। यह तो आपका ही काम है मेरा नहीं है। (विघ्न) सुखराम मेरा क्या लगता है। मनीराम तु भी अपने मन की काढ़ ले। इन बातों से मैं घबराने वाला नहीं हूँ। उपाध्यक्ष महोदय, थर्मल प्लांट लगायेंगे तो उससे बिजली पैदा होगी। निजीकरण से 1200 मैगावाट की प्रोडैक्शन हम करेंगे। ट्रांसमिशन लाईन अपनी लायेंगे। इनको प्रोडैक्शन के बारे में तो पता नहीं है। पानीपत में छठी यूनिट को चालू करेंगे जोकि 40 मैगावाट की है। 20 मैगावाट के 43 छोटे-छोटे पावर प्लांट हम लगा रहे हैं। यमुनानगर पावर प्लांट को लगा रहे हैं। फरीदाबाद थर्मल पावर प्लांट लगायेंगे। ये तो सोच रहे हैं कि कहीं चौधरी बंसी लाल जी किसानों को 24 घण्टे लाईट न दे दें। ट्रांसमिशन लाईन तो हमारे पास हैं नहीं और डिस्ट्रिब्यूशन को लेने की बात करते हैं। हमारे लीडर ऑफ दी हाऊस ने कह दिया है कि हम किसानों की चवन्नी भर भी बिजली के रेट नहीं बढ़ायेंगे निजीकरण से न ही किसी कर्मचारी की छंटनी करेंगे इसलिए मैं अपने दिल से इस बिजली के निजीकरण को स्पोर्ट करता हूँ। दूसरी बात किसानों को पीने के लिए पानी और सिंचाई के पानी देने की बात है। क्योंकि अब गर्मियों का सीजन आ रहा है। बहन करतार देवी ने तो हमारे इलाके को पानी जाने ही नहीं दिया और हमारी टेल तक पानी पहुंचा ही नहीं। (विघ्न) बहन जी मुझे उस एक्सियन का भी नाम पता है जिसको आदेश दिये गये थे कि पानी आगे नहीं दिया जाये। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : सांगवान जी एक मिनट आप बैठिये और करतार देवी जी आप बोलिए।

श्रीमती करतार देवी : उपाध्यक्ष महोदय, दादरी, कलानौर और कहनौर की जो नहर की डिस्ट्रिब्यूट्री हैं वे इकट्ठी हैं इसलिए दादरी अकेले के लिए पानी कैसे रोक सकते हैं।

श्री उपाध्यक्ष : सांगवान जी बोलिए।

श्री सतपाल सांगवान : उपाध्यक्ष महोदय, गवर्नर एड्रैस का मैं स्पोर्ट करता हूँ। जो हमारी सरकार की नीति है मैं तो कहता हूँ कि यह सरकार सदा फले फूले तथा इस सरकार को इतना समय मिले कि और अच्छे काम कर सके (विघ्न) कप्तान साहब मैं एम०एल०ए० बन गया ये थोड़ा है। अगर मुझे मंत्री बनना होता तो मुझे आपकी सिफारिश की जरूरत नहीं थी। इसलिए चौटाला साहब हमें दो साल तो काम करने दो। ये कभी कोई रिश्तेदार भेजते तो कभी किसी और को। मैं पूछना चाहता हूँ कि चौटाला साहब क्यों दु:खी हो रहे हैं ? हम भी तो आपके आदमी हैं। लेकिन 5 साल तक तो हम हिलेंगे नहीं। बिल्कुल चट्टान की तरह रहेंगे। शायद भजन लाल जी झारखंड कांड को भूल गये, जिसमें 3 करोड़ रु० देते हुए पकड़े गए और एक गरीब एम०एल०ए० को कहते हैं कि 30 लाख रु० देंगे, टिकट भी देंगे इत्यादि। पता नहीं ये क्या-क्या देंगे। अपने आप तो सब कुछ छोड़े हुए हैं। इन आदमियों को अभी तक शिक्षा नहीं लगी। (विघ्न) मैं बता दूंगा। मेरा एम०एल०ए० है। (विघ्न) स्पीकर सर, सरकार की नीतियों से कैप्टन साहब को मुश्किल हो रही है। इन्होंने खुद मुझ से कहा था कि मुझे आठ आने में खरीद लो तो हमने कहा कि तेरा स्क्रू ही ठीक नहीं है, तुझे पार्टी में मिलाकर क्या करेंगे। (हंसी) ऐसे-ऐसे तो आदमी हैं।

कैप्टन अजय सिंह यादव : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। माननीय सदस्य चौधरी भजन लाल जी के बारे में जो कि यहां पर बैठे नहीं हैं, जो गलत बातें कह रहे हैं, वे अच्छी नहीं हैं। (शोर)

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, मैंने बिल्कुल झूठ नहीं कहा है। मैंने चौटाला साहब के लिए यह कहा है। ये तो नाराज नहीं हुए क्योंकि इसमें नाराज होने की जरूरत ही नहीं है। स्पीकर सर, लोगों की नींद हराम कर दी गई है। अब इनको तकलीफ हो रही है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : इनको 30 लाख रु० चाहिएं, इसलिए यह ऐसा कह रहे हैं।

श्री सतपाल सांगवान : स्पीकर सर, चारों तरफ से विकास हो रहा है और इनको तकलीफ हो रही है। (शोर)

श्री बीरपाल सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, ऑन ए प्वायंट ऑफ आर्डर। मैं आपको बधाई देना चाहता हूँ कि सम्मानित सदस्य श्री सांगवान साहब ने अपने भाषण में आपको बार बार स्पीकर कह कर संबोधित किया है। इसलिए उपाध्यक्ष महोदय, आपकी तो प्रोमोसन हुई है। इसके लिए मैं अपनी पार्टी की तरफ से आपका स्वागत करता हूँ और माननीय सदस्य का आभार व्यक्त करता हूँ।

श्री सतपाल सांगवान : वे जब स्पीकर महोदय की कुर्सी पर बैठे हैं तो एक्टिंग स्पीकर होते हैं। Deputy Speaker can act as Speaker.

श्री खुर्शीद अहमद (नूह) : मैं भी मानता हूं कि स्कलिंग तो दोनों तरफ से चलती है। उपाध्यक्ष महोदय आज राज्यपाल अभिभाषण पर चर्चा हो रही है इस चर्चा में सांगवान साहब ने थोड़ी सी गर्मी दिला दी है। मैं चंद बातों की ओर इस सदन का ध्यान दिलाऊंगा। आपके जरिए मेरे कैबिनेट के साथियों ने जो अपनी कारगुजारी हमारे सामने पेश की है और सरकार ने स्टेट को जो मैसेज दिया है उसके बारे में एक ही बात कही जा सकती है कि इस प्रकार के वायदे तो चुनावों से पहले भी किए जाते हैं। जिस भी स्कीम को हम गहराई से देखते हैं तो वह कंपलीट नहीं है तथा किसी भी मामले को जब हम देखते हैं तो वह कंक्लयूड नहीं होता है। इसमें मुंह तो भरा हुआ है इसके अलावा कुछ भी नहीं है। लेकिन कोई कंक्रीट निष्कर्ष नहीं हो पाया है। मैं कोशिश कर रहा हूँ कि इसमें कुछ ठोस दिखाई दे सके लेकिन जिधर भी नज़र डालता हूँ वह अधूरी ही है। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए।) कैसे होगा कब होगा क्या इम्पलीमेंटेशन होगी उसका कोई जिक्र इस अभिभाषण में नहीं है। ला एंड आर्डर के बारे में इधर के माननीय सदस्यों ने भी कहा और उधर के माननीय सदस्यों ने भी कहा और हमारे लीडर ऑफ दी अपोजिशन ने वाक्यात का हवाला दे कर ला एंड आर्डर के बारे में कहा। दोनों तरफ से तूं तूं मैं मैं काफी चली। मैं उसमें नहीं जाना चाहता मैं एक ही बात कहूंगा कि आज ला एंड आर्डर के बारे में इतनी मिसाल देने के बाद भी हमारे उधर के साथियों ने यह कंक्लयूड कर दिया कि हरियाणा प्रदेश में ला एंड आर्डर की स्थिति सैटिसफैक्टरी है। आपकी सैंस ऑफ सैटिसफैक्शन में और स्टेट के आम आदमी की सैटिसफैक्शन में काफी अन्तर है। किसी भी स्टेट का ला एंड आर्डर का अपना पैमाना होता है कि आम आदमी को क्या इन्साफ मिलेगा क्या आम आदमी की बात सुनी जा सकती है। क्या आम आदमी को इस बात का यकीन है कि वह किसी दफ्तर में जाएगा तो उसका काम हो जाएगा और वह काम बगैर रिश्वत के हो जाएगा ? रिश्वत बहुत ज्यादा फैल गई है यह केवल हरियाणा प्रदेश में ही नहीं है बल्कि पूरे हिन्दुस्तान के समाज के सामने रिश्वत के बड़े-बड़े केस निकल कर आ रहे है। लेकिन इस गवर्नर साहब के अभिभाषण की 24 पेज की किताब में भ्रष्टाचार को खत्म करने के बारे में एक भी लफ्ज नहीं है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय , मेरा प्वांयट ऑफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, आदरणीय चौधरी खुरशीद अहमद जी बहुत पुराने पार्लियामैंटेरियन हैं और ये इस सदन के कई बार सदस्य रहे हैं। इन्होंने यह कहा है कि राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में भ्रष्टाचार को खत्म करने के बारे में कोई जिक्र नहीं किया गया है। मैं आपके माध्यम से इनको बताना चाहता हूँ कि हरियाणा के इतिहास में पहली दफा भ्रष्टाचार को खत्म करने की पहल हमारी सरकार ने की है। हमारी सरकार हरियाणा से भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए पिछले सैशन में लोकपाल बिल ले कर आई थी और वह बिल सदन के पटल पर रखा गया था। आप यह न कहें कि भ्रष्टाचार को रोकने का कोई जिक्र नहीं है।

श्री खुर्शीद अहमद : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने लोकपाल बिल का जिक्र किया। वह पिछले सैशन में आया था और वह बिल सिलैक्ट कमेटी के हवाले कर दिया गया था क्योंकि वह बहुत लचीला और कमजोर बिल था। उसमें कहीं कुछ बनता नहीं था। सिलैक्ट कमेटी ने उसको स्टडी करके थोड़ा वजनी बनाया है। हमारी सिलैक्ट कमेटी की मीटिंग्ज में जो-जो बातें हुई वे यहां पर डिस्कस करना ठीक नहीं है। मैं कहना चाहूंगा कि इस सरकार ने भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए कुछ प्रयास किए हैं उनका मैं वैलकम करता हूँ। आप लोकपाल बिल पास होने के बाद जिन आदमियों पर भ्रष्टाचार का अंकुश लगाना चाहते हो लग जाएगा। क्या हम सभी मैम्बर साहेबान अपने अपने कलेजे पर हाथ रख कर यह कह सकते हैं कि हरियाणा प्रदेश में भ्रष्टाचार खत्म हो गया है तो मैं उस मैम्बर का डायरैक्ट वैलकम करूंगा। मैं सरकार से नहीं बल्कि सभी माननीय सदस्यों से यह सवाल करता हूँ कि क्या इस वक्त हरियाणा प्रदेश में कोई भ्रष्टाचार नहीं है। मैं इस बात को चैलेंज करता हूं कि भ्रष्टाचार को रोकने के लिए केवल हरियाणा प्रदेश के लिए प्रयास करने की जरूरत नहीं है बल्कि पूरे हिन्दुस्तान में जरूरत है। मैं यह कहना चाहूंगा कि भ्रष्टाचार पूरे हिन्दुस्तान में खत्म होना चाहिए। हमारे जितने भी अदायरे हैं छोटे से छोटे अदायरे से ले कर ऊपर तक भ्रष्टाचार खत्म होना चाहिए। चौधरी बंसी लाल जी जब चुनाव जीत कर आये थे तो यह कह कर आये थे कि मैं भ्रष्टाचार को खत्म करूंगा। लोगों का यह मानना है और चौधरी बंसी लाल जी की यह रैपुटेशन रही है कि ये जो बात कहते हैं उसको पूरा करते हैं इसलिए शायद भ्रष्टाचार खत्म हो जाएगा। इस बात की सारे हरियाणा के अन्दर 10-15 दिन तक सनसनी सी छाई रही उसके बाद वही हालात फिर पैदा हो गये। अगर हम भ्रष्टाचार को खत्म करने के बारे में इनसे कोई जवाब मांगते हैं तो ट्रेजरी बैंचिज की तरफ से कह दिया जाता है कि एक दिन में ही इसका इलाज कैसे हो सकता है। यह तो 20 या 21 साल से फैला हुआ है। आज हकूमत आने के बाद यह लाचारी दिखाना आपकी कमजोरी मानी जाएगी। भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए पूरी अपोजिशन आपके साथ है इसको आप रोकें। हम इस बात का यकीन दिलाते हैं कि भ्रष्टाचार को समाप्त करने में हम पूरी तरह से आपके साथ हैं। जहां तक लोकपाल बिल का सवाल है, उससे सारा भ्रष्टाचार समाप्त हो जायेगा, उस पर हमें भरोसा पूरी तरह से नहीं करना चाहिए। आम आदमी तो लोकपाल बिल की स्पेलिंग भी नहीं जानता। जहां आम आदमी किसी थाने में जाता है या किसी दफ्तर में जाता है तो बिना गड़बड़ के या बिना किसी को रिश्वत दिए हुए उसका काम हो तो बात ठीक है। अकेले लोकपाल बिल से लोगों को न्याय नहीं मिलेगा। जो लोगों के जायज काम हैं वे बगैर किसी को रिश्वत दिए हुए हों तो बात ठीक है। जिस दिन यह स्टैण्डर्ड आप कायम कर देंगे उस दिन मैं चौधरी बंसी लाल जी को बधाई देने वाला सबसे पहला व्यक्ति हूंगा।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, चौधरी खुर्शीद अहमद ने जो विचार व्यक्त किए हैं मैं उनका स्वागत करता हूं। मैं इनसे जानना चाहता हूँ कि भ्रष्टाचार चरम सीमा पर किसने पहुंचाया। इनकी पार्टी ने भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया। पहले इनको अपनी पार्टी में सुधार कर लेना चाहिए उसके बाद फिर ये इस बात पर बात करें।

श्री खुर्शीद अहमद : हम अपनी पार्टी में सुधार करने में लगे हुए हैं इसीलिए सुधार करते-करते हम यहां पर बैठे हैं। आपने एक बात कही कि अपनी पार्टी का सुधार कीजिए। जैसा हमने काम किया उसी के तहत जनता जनार्दन ने हमें वहां से यहां पर बैठा दिया। यदि आप भी हमारी तरह से करते रहे तो हम उधार नहीं रखेंगे अगली बार हम ही वहां पर बैठेंगे और आप इधर होंगे। दुबारा फिर हमारी नजरें वहीं पर हैं। (विघ्न)

श्री रमेश कुमार : स्पीकर साहब, अगली बार न तो ये बैठेंगे और न वो बैठेंगे, हम ही अगली बार वहां पर बैठेंगे।

श्री मनीराम गोदारा : मैं तो सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूँ कि चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी और खुर्शीद ही 100 जूते और प्याज खा कर भी वहीं के वहीं पहुंच गये।

श्री खुर्शीद अहमद : इससे पहले आप भी कई बार इधर से उधर सुधार करने के चक्कर में हो लिए। हमें तो यानि बच्चों को तो बड़ों के पद चिन्हों पर चलना है। हम भी सुधार की तलाश में इधर से उधर हो लिए। मेरे कहने का मतलब यह है कि हमें स्वच्छ प्रशासन लोगों को देना चाहिए जिससे आम जनता को इंसाफ मिल सके। एक पुराने मुख्य मंत्री जी इस समय नहीं है। चौटाला साहब भी मुख्य मंत्री रह चुके हैं और बंसी लाल जी भी तीसरी बार मुख्य मंत्री बने हैं। यह कोई परमानेंट घोड़ी तो है नहीं। इस घोड़ी की सवारी को जो ठीक तरह से नहीं संभालेगा तो उसका वही हाल होगा जो अब तक सभी का होता रहा है। जिसको परमानेंट जिन्दा रहना है तो उनको अचीवमेंट देनी होगी। बंसी लाल जी ने 1968 में जनता को अचीवमेंट दी। हर गांव के अन्दर सड़कें पहुंचाई और बिजली पहुंचाई। आज वही बंसी लाल मुख्य मंत्री हैं। कल मेरे एक साथी ने सवाल किया था कि सड़कों पर इतने गड्ढे हैं कि इधर से जाऊं या उधर से जाऊं तो मेरा उस साथी को यही कहना है कि गड्ढे तो इतने हैं कि इन गड्ढों से गुजरते हुए तो ऊपर ही जाना पड़ेगा, नीचे कोई रास्ता नहीं है। बिजली के खम्भे तो लगा दिए गए लेकिन उनमें से अब बिजली नहीं जा रही। चौधरी बंसी लाल जी को भी प्रशासन पर वह ग्रिप नहीं रही जो पहले होती थी। हमने इनके साथ काम किया है। ये हमारे पुराने साथी रहे हैं। कहीं ऐसा न हो कि इनकी क्रैडिब्लिटी इतनी इरोड हो जाए कि इनको भी वही काम न करना पड़े जो हमारे दूसरे साथियों को करना पड़ा अर्थात् वह गद्दी छोड़नी पड़े और हमें उसे आकुपाई करना पड़े लेकिन रास्ता अभी उधर ही चला आ रहा है इसलिये मैं इनको वार्निंग दे कर सब के सामने सावधान करना चाह रहा हूं ताकि अगर ये सम्भलना चाहते हैं तो सम्भल जाएं और ये फिर से उन्हीं बातों पर आ जाएं। You were known as steel man but you are no longer a steel man. चौधरी साहब खाण्ड के खिलौने तो मौसम में बहुत बना करते हैं तीन दिन में बालक उनको खा जाते हैं तथा उनका कोई पता नहीं चलता। इसलिये अपने उसी पुराने रूप पर ये आ जाएं अगर हरियाणा को डिवैल्पमैंट देनी है और अगर हरियाणा को इन्साफ देना है, एमरजैंसी वाला नहीं, उस प्वांयट को माईनस करके अपनी ऐफिसैंसी वापिस लाईये बाकि ऑनैस्टी लाईये और सारी चीजें जो सरकार में होनी चाहिएं वे लाइये नहीं तो हरियाणा के लोगों के लिये यह होगा कि जिन उम्मीदों को ले कर चौधरी बंसी लाल ने लोगों से वोट लिया था जिन लोगों ने यह उम्मीद लगाकर चौधरी बंसी लाल को भेजा था कि वे हरियाणा की बिगड़ी हुई हालत को ठीक कर देंगे, उनकी उम्मीद पूरी नहीं हो पाएगी। लोगों ने उन्हें इसलिए चुन कर नहीं भेजा था कि बिगड़ी हुई इस हालत को और भी बिगाड़ देंगे। अध्यक्ष महोदय, इसी बात को ले कर आज अगर मैं गवर्नर महोदय के एड्रैस को देखता हूं तो मुझे वह बिल्कुल खोखला नज़र आता है। एड्रैस हमने भी पेश किये थे और इन्हीं की लीडरशिप में पेश किये थे उन एड्रैसों में वज़न था लेकिन यह आज का एड्रैस बहुत हल्का है (विघ्न)

(घण्टी) अध्यक्ष महोदय, शराब बन्दी के मामले पर चौधरी बंसी लाल जी कहते हैं कि 85 फीसदी कामयाबी मिली है। 85 फीसदी कामयाबी से 15 फीसदी जो बच जाते हैं वे सब से ज्यादा खतरनाक ऐलिमैंट हैं। एक तो सबसे ज्यादा खतरनाक ऐलिमैंट वह है जो शराब पीने वाला है और दूसरा ऐलिमैंट वह है जो इसके धन्धे को चलाता है और साधन-सम्पन्न है उसके पास टॉल ऐसे हैं, गैंग ऐसे हैं जो कि ना सिर्फ अपने तरीके का इस्तेमाल करते हैं बल्कि वे हम जैसे आदमियों का नाम भी लेते हैं जब वे पकड़े जाते हैं तो कहते हैं कि फलां के हैं या फलां के हैं। इसी कारण यहां पर इल्जाम लगाते हैं कोई किसी का नाम लेता है तो कोई किसी का नाम लेता है। अगर उन लोगों को काबू नहीं किया गया तो हमारी सारी 85 प्रतिशत कामयाबी जिसका ये जिक्र करते हैं वह एक तरह नल्लीफाई हो जाती है। इस किस्म की पार्शियल शराब बन्दी में माफिया का पलना शुरू हो जाता है। वे लोग जो इस तरह के लोगों के टेस्ट की केटर करते हैं वे ऐसे लोग होते हैं जो हर तरीका, हर हरबा इस्तेमाल करते हैं। अगर कहीं पकड़े जाते हैं तो हल्के के एम०एल०ए० से सिफारिश करेंगे और मुख्य मन्त्री जी का नाम लेते चले जाएंगे। कम से कम ऐसा तो हो जाना चाहिए कि कोई आदमी ऐसे काम न करे। मन्त्रियों का नाम लिया जाए या एम०एल०ए० का नाम लिया जाए और चीफ मिनिस्टर तक बातें पहुंचने के बावजूद भी वह गैंग फिरता रहे, तो यह बात ठीक नहीं होगी।

श्री बंसी लाल : मुख्य मंत्री तक कोई बात नहीं पहुंची है, अगर कोई बात पहुंचेगी तो सख्त ऐक्शन लिया जाएगा।

श्री खुर्शीद अहमद : अगर नहीं पहुंची है तो इस बात का शुक्रिया लेकिन वे बिल्कुल नजदीक तक आ लगे हैं। अध्यक्ष महोदय, इन्हें चाहिए कि उन्हें रोकें यह इनकी सेहत के लिए भी ठीक रहेगा और हमारी सेहत के लिए भी ठीक रहेगा और सभी की सेहत के लिए ठीक है। स्पीकर साहब, हम इस प्रोग्राम को वैल्कम करते हैं और हम चाहते हैं कि यह शराब बन्दी सौ फीसदी होनी चाहिए। कोई आदमी चाहे वह कितना ही बड़ा क्यों न हो, विधायक हो, मिनिस्टर हो या कोई भी हो अगर उसमें किसी को भी संरक्षण मिलता है तो उस आदमी को फौरन पकड़ कर उसके खिलाफ ऐक्शन होना चाहिए। इससे हमारी तबाही बच सकती है और इससे वह माफिया पनपने से बच सकता है जो आज इस सोसाईटी के लिए बड़ा खतरनाक साबित हो सकता है। जो लोग कल तक साईकल पर चलते थे जिस दिन से शराब बन्दी लागू हुई है उसके बाद से सियलो कारों में चलते हैं। आज उनके पास बड़ी-बड़ी इम्पोर्टिड गाड़ियां है। यह सब कहां से हो गया है। क्या यह सब हवा में हो गया है। ये लोग सारे हरियाणा की तबाही कर देंगे। इसके लिए जो भी को-आप्रेशन ये चाहें हम इनको देने को तैयार हैं। यह बात कल भी चली थी कि इसका रोका जाना हर हालत में जरूरी है इसकी तरफ पूरी तवज्जो सरकार को देनी चाहिए। स्पीकर सर, ये डिवैल्पमैंट के कामों में तेजी लाएं और जहां पर भी गड़बड़ नजर आए उसको सही करें। जहां पर भी कोई इम्बैजलमैंट के केस हैं या गड़बड़ी के केस हैं उनको ठीक करें। अपने इलाके की चन्द बातों की तरफ भी मैं सरकार का ध्यान दिलाना चाहूंगा। स्पीकर साहब, आज इन्होंने मेवात कैनाल के बारे में भी जिक्र किया। Here I would like to refer page 6 of the Governor's address, wherein it is mentioned :-

"A new scheme for construction of Mewat Canal costing Rs. 207 crores has been conceived after the Prime Minister's visit to benefit the Mewat region."यह बात आपके सामने पहले भी लाई गई है।

श्री अध्यक्ष : आप कन्क्लूड करें।

श्री खुर्शीद अहमद : ठीक है जी। एक बात और है कि इसका इनफलोमैंट बदला जाए ताकि यह साफ पानी ज्यादा से ज्यादा दे और जो आबपासी के लिए इस्तेमाल किया जाए। मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड का जिक्र भी आया जिसके लिए 77 करोड़ रुपये रखे गये हैं। इसमें से कितना पैसा गवर्नमैंट की तरफ से रखा गया है और कितना पैसा आउट साईड ऐजैन्सी की तरफ से है। इसमें कहीं ऐसा तो नहीं है कि एटफाल्ट पैसा लग रहा है आप इसको देखें कि यह पैसा ठीक ढंग से प्रयोग हो रहा है या नहीं। इसके अलावा पंचायतों की जमीनों का मामला है। इसमें एन्क्रोचमैंट का मामला है उनको पैसा नहीं दिया गया है। आज इसमें सारा मामला खटाई में पड़ गया है। उसमें ऐसी एडजस्टमैंट की जाए ताकि इस एनक्रोचमैंट को रोका जा सके। धन्यवाद।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे हमबल सबमिशन है कि हमारी पार्टी में कई मैम्बर नए आए हैं। आप हमारे पर मेहरबान हैं और मुझे उम्मीद है कि आप उनको समय देंगे। मेरी आपसे गुजारिश है कि हमारे नए साथियों को चाहे दो, पांच या 10 मिनट दें। आप जो भी सही समझें उतना ही समय दें।

श्री अध्यक्ष : ठीक है।

श्री करतार सिंह बडाना (समालखा) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहूंगा कि अभी खुर्शीद अहमद जी ने बोलते हुए कहा कि शराब बन्दी नहीं हुई है, माफिया बना हुआ है। ये ऐसी बात करके सदन को गुमराह कर रहे हैं। ये जो माफिया वाली बात बार बार करते हैं इससे ऐसा लगता है कि ये उन माफिया वालों को जानते हैं। जहां तक मैं चौधरी बंसी लाल जी को जानता हूं तो उनका माफिया से कोई सम्बन्ध नहीं है। माफिया को पूरी तरह से खत्म नहीं किया जा सकता है हां इस पर कंट्रोल किया जा सकता है। मैं अपोजिशन के भाईयों से कहूंगा कि अपोजिशन में रह कर ऐसी बातें कहना बहुत आसान होती हैं जब जिम्मेवारी आती है तो पता चलता है। मैं तो इनको यह कहता हूं कि ये हमें इस बारे में बताएं कि जो कदम यह सरकार इस पर कंट्रोल करने के लिए उठा रही है उसके अलावा इस बारे में और क्या किया जाए। धन्यवाद।

श्री बलवन्त सिंह (हसनगढ़) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं इस गवर्नर एड्रैस के विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं क्योंकि इस अभिभाषण के अन्दर बहुत सी ऐसी चीजें दर्शाई गई हैं। मुझ से पहले बोलने वालों ने इस बारे में बहुत कुछ बताया। आदरणीय मुख्य मंत्री जी चुनावों से पहले जिस किस्म के वायदे करते थे कि हम हरियाणा प्रदेश के अन्दर शराब को बन्द कर देंगे और हरियाणा में सौ रुपये का पौवा भी नहीं मिलेगा। मैं जानता हूं कि आज सौ रुपये का पौवा नहीं मिलता है। आज हरियाणा के अन्दर शराब की बोतलें, शराब के ट्रक वगैरह मिलते हैं। आज हम मानते हैं कि हरियाणा के अन्दर शराब को बेचने वालों का एक माफिया खड़ा हो गया है। शराब के ट्रक के ट्रक आते हैं। यहां पर थोड़ी देर पहले एक चर्चा चली थी कि हमने यह कहा था कि अपोजीशन के एम०एल०एज० क्यों नहीं शराब के बेचने वालों को या शराब माफिया को पकड़वाने का काम करते। स्पीकर साहब, हमारे जो साथी यहां पर चुनकर आए हैं अगर वह किसी भी गांव में जाकर किसी का नाम इस बारे में लेने की कोशिश करेंगे तो उनको उस गांव में अपना सिर फुड़वाकर आना पड़ेगा। ऐसे केसिज में कोई सुनवाई नहीं की जाती है। आज शराब माफिया प्रदेश के अंदर पैदा हो गये हैं। हमें तो इस बात का डर है कि कहीं बिहार की तरह से ही यहां पर भी चुनाव के अंदर धांधली न हो क्योंकि वहां पर भी ऐसे ही माफिया काम करते हैं। पहले जो लोग साईकिल से भी नहीं चलते थे या जिनके पास पहनने के लिए कपड़ा या जूती

नहीं होती थी आज वे लोग हरियाणा के अंदर नयी नयी आठ आठ दस दस लाख रुपये की गाड़ियों से चलते हैं और आज वे टेलीफोन की जगह सैल्यूलर फोन इस्तेमाल करते हैं। जब मैंने श्री कृष्ण हुडा और धीरपाल जी ने रोहतक के डी०सी० से इस बारे में बात की तो वे कहने लगे कि हमने भी ऐसा सुना तो है कि ऐसा हो रहा है लेकिन आप हमें बताएं कि वे कौन लोग हैं। हमने कहा यह तो पुलिस और सी०आई०डी० का काम है कि वह यह पता करे कि इस प्रकार का धंधा कौन कौन लोग करते हैं। यह सरकार की जिम्मेदारी है और सरकार को चाहिए कि वह इस माफिया को पकड़े। अगर सरकार ही उनको नहीं पकड़ पाती तो फिर आप आदमी कैसे उनको पकड़वा सकता है। साधारण आदमी तो यह काम करता नहीं है क्योंकि ऐसा काम करने के लिए जब तक किसी एम०एल०ए०, मंत्री या किसी और बड़े आदमी का आपको सहयोग नहीं मिलेगा तब तक आप यह काम नहीं कर सकते। कमजोर आदमी कभी यह काम नहीं करेगा। इसलिए हमारी सरकार से मांग है कि वह शराबबंदी को पूरी तरह लागू करें। हम तो इसमें सरकार को पूरा सहयोग देना चाहते हैं। मैं कोई लांछन लगाने की बात तो नहीं करता लेकिन हमें यही डर है कि कहीं हरियाणा भी यू० पी० या बिहार न बन जाए और यहां भी वहां जैसे हालात न हो जाएं। इसके अलावा लॉ एंड आर्डर की बात कही गयी है। मैं इस बारे में ज्यादा नहीं कहना चाहता क्योंकि इस बारे में हमारे नेता चौटाला साहब ने बहुत ही विस्तार से कह दिया है। इसके अलावा दूसरे अन्य साथियों ने भी इस बारे में काफी कहा है। इसके अलावा स्पीकर साहब, बंसी लाल जी भी और दूसरी अन्य सरकारें भी सभी कहते थे कि हम एस०वाई०एल० को बनवाएंगे लेकिन इस सरकार ने अपने 9 महीने के शासन काल में उस पर कोई भी काम नहीं किया है। इसी प्रकार से भाखड़ा कैनाल की देखरेख का काम या डब्ल्यू० जे०सी० का जो पानी था जो कि लिंक नहरों से रोहतक और अन्य इलाकों में जाता था, आज वह उन इलाकों में पूरा नहीं जा रहा है क्योंकि झज्जर सब ब्रान्च या दूसरी नहरों की कैपेसिटी बहुत कम हो गयी है इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि इनकी कैपेसिटी ठीक ढ्ग से बढ़ायी जाए और इनकी सिल्ट निकाल कर पूरी तरह से सफाई की जाए। स्पीकर साहब, अगर ऐसा किया गया तो हमारे इस इलाको को भी पूरा पानी मिल सकता है। मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि सरकार इसकी सिल्ट निकालकर लिंक नहरों को पूरा पानी दें जब तक दें जब तक एस०वाई०एल० नहर बनें। इसी प्रकार से जो भाखड़ा कैनाल का पानी पाकिस्तान में रह जाता है सरकार को उस पानी को भी अपने यहां पर लाने के लिए कोशिश करनी चाहिए। इसी प्रकार से मेरे हल्के के अंदर दूसरी अन्य नहरें भी हैं, रजवाहे हैं जैसे सोसाना माईनर है, दुल्हेड़ा माईनर है एवं भालौट माईनर है। ये सारी माईनर्ज आज सिल्ट से पूरी तरह से भरी पड़ी हैं जिसकी वजह से इनमें पानी ही नहीं जाता है। आबपासी के लिए पानी की बात तो दूर लोगों को पीने का पानी भी मुहैया नहीं हो पता है। इसलिए इनकी पूरी तरह से सिल्ट निकलवायी जानी चाहिए। झज्जर सब ब्रान्च दूसरी इलाकों में भी जाती है लेकिन इसका भी यही हाल है और उसमें काफी मात्रा में गाद भरी हुई है जिसकी वजह से उसकी पानी ले जाने की कैपेसिटी मुश्किल से एक चौथाई रह गयी है। इसी तरह से दूसरी अन्य नहरों की भी छंटाई करवानी चाहिए। इसी प्रकार से आज कई ड्रेनेज ऐसी हैं जिनकी आज तक सफाई नहीं करायी गयी है और न ही उनके ऊपर पुल या बांध बना है। इसी तरह से दुल्हेड़ा माइनर है वहां खरावड़ गांव से कारोरा गहरिया तक लिंक मिलती है उस पर गड्ढे चलते हैं वहां पर पुल टूटे पड़े हुए हैं और बड़ी खस्ता हालत है। (घंटी) इसी प्रकार से सड़कों की बुरी दशा है, लोग सड़क पर चलने की बजाय खेत की पगडंडी पर पैदल चलना ज्यादा पसन्द करते हैं उनके गड्ढे ट्रैक्टर की बात तो बहुत दूर की बात है। आज हमारे प्रदेश के अंदर बिजली की बहुत बुरी हालत है। चौधरी बंसी लाल जी कहा करते थे कि 24 घंटे बिजली दूंगा और 24 घंटे के अंदर ही ट्रांसफार्मर बदले जाने की बात थी और आज इस प्रदेश के अंदर इतने ट्रांसफार्मर पड़े हुए हैं उन

[श्री बलवन्त सिंह]

ट्रांसफार्मर की मुरम्मत करके उनको रिप्लेस नहीं किया जाता है इसी प्रकार से आज सरकार लोगों पर टैक्स लगाती जा रही हैं। (घंटी) (विघ्न) इसके अलावा आर०टी०ओ० की जहां बात आती है जो हमारे एस०डी०एम० हैं वे लोगों की समस्याओं को सुनने के लिए अदालत में बैठ नहीं पाते हैं क्योंकि उनके ऊपर कुछ ऐसी बातें आ गई हैं कि वे 60 लाख रुपया माहवार दें इसलिए आर०टी०ओ० आज हमारी बसें और दूसरे व्हीकल ले जाते हैं आज 5 हजार से लेकर 10 हजार रुपये तक जुर्माना किया जाता है चौधरी बंसी लाल जी यह कहते थे कि जो जुगाड़ हैं मैं उनको भी चलाने की इजाजत दूंगा। आज न तो ट्रैक्टर सेफ हैं न कार सेफ हैं। मैं आपको क्या बताऊं कि हमारे बहादुरगढ़ से माननीय विधायक नफे सिंह जी हैं वे बाहर गये हुए थे एक दिन एक आदमी आया और मुझसे कहने लगा कि नफे सिंह जी की गाड़ी एस०डी०एम० ने पकड़ ली है। मैंने एस०डी०एम० से कहा कि आपने हमारे साथी की गाड़ी पकड़ ली है तो एस०डी०एम० ने कहा कि वह गाड़ी तो किराए पर चलाते थे (घंटी) विघ्न) मेरा कहने का भाव यह था कि अगर इस प्रकार का व्यवहार विधायक के साथ होगा तो कैसे काम चलेगा ?

श्री अध्यक्ष : मायना साहब, आप बैठ जाएं।

श्री बलवंत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं कन्कलूड कर रहा हूं। मैं सिर्फ किसान के गन्ने के लिए बात कहना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष : नहीं आप अब बैठ जाइए।

श्री बलवंत सिंह : अध्यक्ष महोदय, अब किसानों पर लोडिंग और अनलोडिंग गन्ने का खर्च लग गया है। मुख्य मंत्री जी इसको हटाने का काम करें ताकि किसानों को गन्ने का पूरा भाव मिले। आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

श्री रिसाल सिंह (मुलाना, अनुसूचित जाति) : आदरणीय स्पीकर सर, मैं आपका बहुत आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। मैं पहली बार नुमाइन्दा चुनकर आया हूं और आज पहली दफा ही मुझे बोलने का अवसर मिला है हो सकता है कि मैं बोलने में कोई गलती कर जाऊं उसके लिए मैं क्षमा चाहूंगा। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, हाउस में आने के बाद सबसे पहले तो मैंने यह नोट किया है कि यहां जो बातें लोकहित की होती हैं एक मैम्बर उस बात को उठाता है चाहे वह पब्लिक इन्ट्रैस्ट की बात हो दूसरा मैम्बर अपने तरीके से उसको दबाने की कोशिश करता है।जहां तक किसानों के गन्ने की कीमत का सवाल है, पेमेंट का सवाल है ट्रेजरी बैंचिज की तरफ से यह कहा गया है कि हम किसानों को उचित दाम दे रहे हैं। उसके बाद आपोजिशन ने यह कहा कि उचित दाम नहीं है। उसके बाद यह बात आई कि पहले की सरकार के समय राज्य में गन्ने को जलाया गया किसी ने कहा कि पहले किसानों पर हथोड़ा चलाया गया और जो किसानों के हित की बात होती है वह दब जाती है। अध्यक्ष महोदय, इस बात पर मुझे बड़ा अफसोस होता है। क्योंकि हित की बात को दबाकर नाजायज तरीके से किसी और मुद्दे को उठाया जाये यह ठीक नहीं है। दूसरी बात मैं अपने जिले अम्बाला के बारे में कहना चाहता हूं। मैंने गवर्नर एड्रैस को पढ़ा है लेकिन उसमें अम्बाला जिले का कहीं भी जिक्र नहीं किया गया है आज अम्बाला में पानी का स्तर नीचे चला गया है। ज्वायंट पंजाब में भी जब कभी डिवैल्पमैंट की बात होती थी तो हिसार, लुधियाना या रोहतक जिलों का नाम आता था और उसके बाद हरियाणा बनने के बाद जब कभी डिवैल्पमैंट की बात आती है तो रोहतक, भिवानी और हिसार जिलों का नाम लिया जाता है और अम्बाला जिला तो ज्यों का त्यों रहा है। अम्बाला जिले में कोई इंजीनियरिंग कालेज नहीं है। एक पॉलीटैक्निक

कालेज है और वह भी हरियाणा बनने से पहले का है। पिछले गवर्नर एड्रैस में तो दादूपुर नलवी नहर का जिक्र तो आ गया था लेकिन अब की बार तो बिल्कुल जिक्र ही नहीं किया गया। पानी का स्तर नीचा होने के कारण हमको ट्यूबवैल्ज को डीप लगाना पड़ रहा है नलके नहीं लग रहे हैं हैण्ड पम्प नहीं लग रहे हैं। हमारा जो पानी है वह सब भिवानी की तरफ ले जाया जा रहा है। हमारे कुएं सूख गये हैं। जहां तक बिजली की बात है इस गवर्नर एड्रैस में कई प्रोजैक्टों का जिक्र आया कहीं 66 के०वी० का तो कहीं 220 के०वी० का लेकिन हमारे मुलाना में तीन साल पहले का 66 के०वी० स्टेशन का फाउंडेशन चौधरी भजन लाल जी ने रखा था और उसका पत्थर आज ज्यों का त्यों पड़ा है। इसके बारे में कहीं पर कोई जिक्र नहीं है। जहां तक टीचरों का सवाल है। अभी सरकार ने पंजाबी टीचरों की भर्ती की है वह भी कांटैक्ट बेसिस पर। हरियाणा में पंजाबी जब लागू ही नहीं थी तो पंजाबी टीचर कहां से आयेंगे। लेकिन पंजाब से जिन भी लोगों के रिश्तेदार वगैरा थे उनकी नियुक्ति की गई है। उनके नाम हरियाणा में रोजगार कार्यालय में रजिस्टर करवाये गये और हरियाणा में जो एक आध लोग इसके लिए योग्य थे वे इस चीज से महरूम रह गये। अध्यक्ष महोदय, जहां तक माध्यमिक और प्राईमरी कक्षा के टीचरों का जिक्र आया। मैंने 1993-94 की रिपोर्ट पढ़ी है उसमें प्राईमरी स्कूलों में 15 हजार टीचरों कि नियुक्ति करनी थी जिनमें से 944 पद हरिजनों के लिए थे। ये केवल 5.4 प्रतिशत ही हैं। यह सरकार हरिजनों की बेहतरी का दावा करती रही है। जो हरिजन मैट्रिक हैं जिनको जे०बी०टी० की ट्रेनिंग दिलवाकर प्राईमरी स्कूलों में लगाया जा सकता है मैं मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि जितनी रिजर्वेशन की पोस्ट हैं उनके लिए तो कम से कम इतना जरूर कर दें। क्योंकि यह जो 5.4 प्रतिशत रिजर्वेशन है यह तो एक मात्र एक शर्मनाक है इसको पूरा किया जाये । धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष : रामभजन अग्रवाल जी आप बोलिये।

श्री रामभजन अग्रवाल (भिवानी) : अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण की चर्चा के समर्थन में मैं खड़ा हुआ हूं। इस अभिभाषण में शराब के बारे में विस्तार से कहा गया है। शराब की बुराई को मिटाना प्रदेश में समृद्धि लाना है तथा आने वाले भविष्य में हम देखेंगे कि बीस साल के बाद आने वाली पीढ़ी के चरित्र निर्माण में हमें इससे कितनी मदद मिलेगी। आदरणीय मुख्य मंत्री महोदय ने रैवेन्यू की कॉस्ट पर भी यह एक साहसिक कदम उठाया है जोकि सराहनीय है। मुख्य मंत्री महोदय ने यह कुप्रथा मिटाई है। इससे सुख-शांति भी समाज में पनपी है। लेकिन जहां तक शराब की समगलिंग की बात है, इसके लिए मैं सुझाव देना चाहता हूँ कि ऐसा प्रावधान किया जाए कि जो व्यक्ति भी शराब लाता है, पीता है अथवा बेचता है, उसकी जमानत नहीं होनी चाहिए। नॉन-बेलेबल ऑफैंस इसके बारे में बनाया जाना चाहिए। दूसरे, जिस भी व्हीकल में अवैध शराब आती है, उसको जब्त कर लिया जाना चाहिए क्योंकि जब तक इसको ज्यादा सख्ती से नहीं लिया जाएगा तब तक यह 10-15 प्रतिशत बीमारी जो रह गई है, वह नहीं मिट सकेगी। मुझे आशा है कि मुख्य मंत्री महोदय इस पर अवश्य विचार करेंगे। दूसरे, राज्य के अंदर मुख्य मंत्री महोदय, अस्पतालों के अंदर आधुनिकीकरण करवाने जा रहे हैं, नई मशीनें ला रहे हैं तथा पुरानी मशीनों की मरम्मत करवाने के लिए विचार कर रहे हैं। मैं आदरणीय स्वास्थ्य मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि भिवानी में एक ग्लूकोज़ प्लांट है, जोकि बंद पड़ा है। पिछली सरकार ने उस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। इस प्लांट की अगर मरम्मत की जाए तो उससे गरीब आदमियों को सुविधा हो सकती है। इसके साथ-साथ हमारी सरकार मुर्गी पालन व मछली पालन में सहयोग कर रही है, यह बहुत अच्छी बात है। लेकिन जहां तक गऊओं का सवाल है, प्रदेश में हरियाणा नस्ल की गऊओं का लोप होता जा रहा है। इसके लिए कुछ विशेष अर्थ-व्यवस्था की जरूरत है। इसके लिए अर्थ-व्यवस्था का प्रावधान

[श्री रामभजन अग्रवाल]

किया जाए तथा यह नस्ल लुप्त न होने पाए इसके लिए इस नस्ल के सांड पालने की आवश्यकता है क्योंकि जब तक इस नस्ल को वाएबल नहीं बनाया जाएगा तब तक इसका लोप होता रहेगा। मैं आशा करूंगा कि इस विषय में भी विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिससे इस समस्या का समाधान हो सके। स्पीकर साहब, जहां तक बिजली की व्यवस्था का सवाल है, इसके बारे में भाईयों ने कहा है कि इसका निजीकरण नहीं होना चाहिए। लेकिन मैं कहना चाहता हूँ कि जब तक प्रदेश के अंदर बिजली की चोरी नहीं रोकी जाएगी तथा बिजली का उत्पादन भले ही बढ़ाते जाएंगे तब तक इस समस्या का समाधान नहीं हो सकेगा, क्योंकि घर-घर जाकर पोल-पोल पर जाकर चैक करना इतना आसान काम नहीं है। तथा हम मीटर रीडर तथा जे०ई० से लेकर एस०डी०ओ० इत्यादि को भी चैक नहीं कर पाए हैं। इसलिए बिजली की चोरी रोकने का एक ही उपाय है - निजीकरण। इससे हम इसको काबू में ला सकते हैं। मैं आशा करता हूं कि इन बातों को ध्यान में रखा जाएगा। स्पीकर साहब मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का समर्थन करता हूँ और आशा करता हूँ कि सरकार भविष्य में इन बातों पर विचार करेगी ताकि प्रदेश की प्रगति हो सके। धन्यवाद।

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, मेरी सबमिशन है कि हाउस की सैकिण्ड सीटिंग में हमारी पार्टी के 3 या 4 आनरेबल मैम्बर्ज को आप पांच-पांच मिनट बोलने का टाईम दे दें।

श्री अध्यक्ष : सारे मैम्बर्ज साहेबान को बोलने के लिए टाईम नहीं दिया जा सकता। आप बैठ जाएं। जब आपके लीडर बोल रहे थे तब आपने बोलने के लिए टाईम नहीं मांगा।

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, अगर हम गवर्नर साहब के ऐड्रैस पर नहीं बोलेंगे तो कहां पर बोलेंगे। (शोर)

श्री अध्यक्ष : मैं सदन को फिश मार्किट नहीं बनने दूंगा इस बात का आप ध्यान रखें।

डॉ० वीरेन्द्र पाल अहलावत : स्पीकर साहब, हम सदन को फिश मार्किट नहीं बनाएंगे आप हमें पांच-पांच मिनट बोलने के लिए टाईम दे दें।

श्रीमती करतार देवी : स्पीकर साहब, आप सदन के हर माननीय सदस्य को पांच मिनट बोलने का टाईम जरूर दें।

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, लन्च के बाद हाउस की सैकिण्ड सीटिंग हो रही है उस समय आप हमारी पार्टी के तीन चार मैम्बर्ज को बोलने का टाईम दे दें।

श्रीमती करतार देवी : स्पीकर साहब, आप हमारी पार्टी के तीन चार मैम्बर्ज को पांच-पांच मिनट बोलने के लिए टाईम दे दें।

श्री अध्यक्ष : आप इस तरह से कह कह कर हाउस से बाहर जाना चाहते हैं तो यह अलग बात है। आप मेहरबानी करके बैठ जाएं। बहन जी आप मंत्री रह चुकी हैं इसलिए आपको हाउस की मर्यादा का पता होना चाहिए। मैंने जिस माननीय सदस्य को बोलने के लिए कहा है उनको आप बोलने दें।

श्री विजेन्द्र सिंह कादयान (नौल्था) : अध्यक्ष महोदय, 5 मार्च, 1997 को हमारे राज्यपाल महोदय ने हरियाणा सरकार की जो मुख्य-मुख्य उपलब्धियां हैं उनके बारे में सम्मानित सदन के सम्मानित सदस्यों को बताया। अध्यक्ष महोदय हमारे विपक्ष के माननीय सदस्य हमारी सरकार की शराबबंदी के लिए अपना सहयोग देने की बात कहते हैं। आपको मालूम ही है कि आज तक शराबबंदी के बारे में विपक्ष के माननीय सदस्यों का कितना सहयोग रहा है। मेरे विपक्ष के भाई और इनकी पार्टी के वर्कर सिर्फ इतना

कहते हैं और प्रचार करते हैं कि हरियाणा प्रदेश में शराबबंदी लागू न हो लेकिन यहां सदन में बैठकर मेरे विपक्ष के भाई यह कहते हैं कि वे शराबबंदी लागू करने में सरकार का पूरा सहयोग देंगे। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं अपने सम्मानित सदस्यों से गुजारिश करूंगा कि अगर आप शराबबंदी के लिए सरकार का पूरा सहयोग देंगे तो यह बुराई हरियाणा प्रदेश से जड़ से खत्म हो जाएगी। हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी जिन्होंने सरकार बनने से पहले जनता से यह वायदा किया था कि जिस दिन से हरियाणा विकास पार्टी की सरकार बन जाएगी उसी दिन से हरियाणा में शराबबंदी लागू कर देंगे और हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने हरियाणा प्रदेश में शराबबंदी लागू कर दी। आज हरियाणा प्रदेश में लगभग शराब बंद है। जो थोड़ी बहुत शराब बिकती है वह वे लोग बेचते हैं जो शराबबंदी के लिए सरकार को अपना सहयोग नहीं देना चाहते और वे लोग विपक्ष की पार्टियों के हैं। अब मैं एक बात बिजली के बारे में कहना चाहूंगा। हमारे बिजली बोर्ड ने 10 या 15 साल से बिजली की प्रोडक्शन के लिए कोई नया यूनिट नहीं लगाया। बिजली की कंजम्पशन दिन प्रति दिन बढ़ती जा रही है। अगर हमारी सरकार हरियाणा की जनता के लिए बिजली में सुधार लाने के लिए कोई कदम उठाती है तो उसमें विपक्ष को अपना सहयोग देना चाहिए। जहां तक लोगों को 24 घंटे बिजली देने की बात है उसके बारे में सरकार को कुछ सोचने का मौका मिलना चाहिए। हरियाणा प्रदेश के लोगों को 24 घंटे बिजली देने के लिए अगर बिजली बोर्ड का निजिकरण किया जाता है तो वह हरियाणा के लोगों के हित के लिए होगा। किसानों को जो सबसिडी दी जाती है उसमें कोई कटौती नहीं होगी और उनको उसी भाव में बिजली मिलेगी। बिजली की सप्लाई अच्छी करने के लिए सरकार कोई कदम उठाती है तो मेरे विपक्ष के भाई उसमें अपना सहयोग दें। इसके साथ साथ मैं यह बात कहना चाहता हूँ कि किसानों को उसी रेट पर बिजली मिलेगी जिस रेट पर आज मिल रही है। (विघ्न) स्पीकर साहब, यदि कांग्रेस के समय में कोई बिजली का नया प्लांट लगा हो तो ये बता दें। कोई नया यूनिट लगा हो तो ये बता दें। जो बिजली आज हरियाणा को मिल रही है यह बंसी लाल जी की ही देन है। गांवों में जो बिजली पहुंची है या सड़कों का जाल बिछा है यह चौधरी बंसी लाल जी की ही देन है। आप लोगों ने ही 10 मिनट पहले यह बात मानी थी। आज विपक्ष को अच्छी तरह से पता है कि यदि हविपा और बी०जे०पी० की यह सरकार 5 साल टिकी रही तो फिर इनकी कोई जात नहीं पूछेगा। इनका काम तो किसी न किसी रूप में खलल डालने का है। मेरा इनसे इतना ही कहना है कि ये सरकार के काम या नीतियों के बारे में दुष्प्रचार न करें। सरकार को ठीक तरीके से काम करने दें ताकि हरियाणा के लोगों का भला हो सके। ये हरियाणा के हितों की बात करते हैं बल्कि ये तो हित की बजाये नाश करने की बात कर रहे हैं। तो स्पीकर साहब, अंत में मैं राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण यहां पर पढ़ा है, मैं उस का समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हूँ और आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री सूरजमल (राई) : अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, आपने मुझे बोलने का समय दिया। मैं जो भी बात कहूंगा वह ठीक कहूंगा। यहां पर कहा गया कि भ्रष्टाचार नहीं है। मैं कहता हूँ कि भ्रष्टाचार में कोई फर्क नहीं आ रहा बल्कि पहले की ही तरह मौजूद है। जो लोग शराब बंदी की बात कर रहे हैं कि शराब बंदी हो चुकी है उनको मैं यह कहना चाहूंगा कि शराब बंदी नहीं हुई बल्कि पहले से भी अधिक मिल रही है। यहां पर एक साथी ने कहा कि हमने एम०एल०एज० को कहा था कि शराब की तस्करी करने वालों को पकड़वाओ। मैं उस साथी को बताना चाहता हूँ कि प्रिविसीज कमेटी में मैंने डी०सी० को और एस०पी० को कहा है लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती बल्कि शराब की तस्करी करने वालों से महीना लिया जाता है। मैं किसी पर छींटाकशी की बात नहीं करता। लेकिन इतना जरूर कहता हूँ कि शराब पहले से अधिक मिल रही है।

[श्री सूरजमल]

अध्यक्ष महोदय, अब मैं बिजली की बाबत कुछ कहना चाहूंगा। आज हरियाणा में बिजली की शार्टेज है, मैं इस बात को समझता हूं और मानता हूं। मैं सरकार के ध्यान में लाना चाहूंगा कि आजकल बच्चों के पेपर चल रहे हैं। शाम को खाने के वक्त और बच्चों की पढ़ाई के समय बिजली चली जाती है। इसी प्रकार से सुबह चार बजे जब लोगों ने अपने घास-फूस का काम करना होता है और बच्चों ने अपनी पढ़ाई करनी होती है तो बिजली चली जाती है। जिस वक्त घरों में बिजली की ज्यादा जरूरत होती 13.00 बजे है उसी वक्त बिजली क्यों चली जाती है। बिजली पूरी नहीं आती तो कोई बात नहीं लेकिन मेरा कहना यह है कि सुबह और शाम जब काम का वक्त होता है उस वक्त तो बिजली जरूर मिलनी चाहिए चाहे वह कुछ ज्यादा देर न भी मिले तो कोई बात नहीं है, लेकिन बिजली कम से कम खाने के टाईम पर तो मिलनी चाहिए। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर दिलाना चाहूंगा और यह कहना चाहूंगा कि सरकार इस बात की तरफ ध्यान दे कि इस मामले में इस वक्त जो कुछ हो रहा है वह ठीक नहीं हो रहा है। स्पीकर सर, इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूँ तथा आपने मुझे बोलने के लिए जो समय दिया है उसके लिए आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन है और मैं जानना चाहूंगा कि क्या हाउस को आप कुछ समय के लिए एडजर्न करेंगे या डेढ़ बजे के बाद कंटीन्यू करेंगे (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, अगर लंच ब्रेक होगा तो, अगर आपकी इजाजत हो तो मैं लंच ब्रेक के बाद बोलना चाहता हूँ।

श्री अध्यक्ष : डेढ़ बजे से दो बजे तक ब्रेक रहेगा। अभी एक बजा है इसलिए अगर आप चाहें तो डेढ़ बजे तक अपनी बात कह सकते हैं। (विघ्न)

श्री धर्मबीर गाबा : अध्यक्ष महोदय, अगर चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी लंच के बाद बोलना चाहते हैं तो मुझे कृपया इजाजत दें ताकि मैं बोल सकूं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : गाबा साहब, आप अभी बैठें। अगर चौधरी बीरेन्द्र सिंह अभी बोलना नहीं चाहते हैं तो सतविन्द्र सिंह जी बोलें। (विघ्न)

श्री धर्मबीर गाबा : स्पीकर साहब, यहां पर इतने सीनियर मैम्बर्ज बैठे हुए हैं आपने उनको तो बोलने का मौका दे दिया है लेकिन आप मुझे बोलने का मौका नहीं दे रहे हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : गाबा साहब, आपको बोलने का टाईम दिया जाएगा। अभी मैंने सतविन्द्र सिंह जी को बोलने के लिए कह दिया है, इसलिए आप अभी बैठें।

श्री धर्मबीर गाबा : अध्यक्ष महोदय, आप द्वारा बार-बार यह बात कही जाती है कि आपकी पार्टी को टाईम दे दिया है बहन करतार देवी जी बोल चुकी हैं और दूसरे साथी भी बोल चुके हैं। लेकिन मुझे बोलने का मौका नहीं मिला है जब कि सूची में मेरा नम्बर दूसरा था। मेरी पार्टी के छः लोग बोल चुके हैं लेकिन मुझे बोलने का समय नहीं मिला है। मैं इसका कारण जानना चाहता हूँ। मेरी पार्टी के जो मैम्बर्ज बोले हैं उन्होंने अपनी-अपनी बात कही है। मैं अपने हल्के की बात रखना चाहता हूँ क्या दूसरे मैम्बर्ज मेरे हल्के की बात को रखेंगे ? मैं अपने लोगों का प्रतिनिधित्व करता हूँ और उनकी बात कहना चाहता हूँ। कृपया मुझे आप बताएं कि मुझे इग्नोर क्यों किया जा रहा है ? (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : गाबा साहब, मैंने आपको पहले भी कहा है कि आपको बोलने का मौका दिया जाएगा लेकिन आप अभी अपनी सीट पर बैठें और श्री सतविन्द्र सिंह को बोलने दें।

श्री धर्मवीर गाबा : स्पीकर साहब, आपकी बात मानते हुए मैं अपनी सीट पर बैठता हूँ परन्तु मेरी अर्ज है कि आप मुझे इग्नोर न करें।

श्री सतविन्द्र सिंह राणा (राजौन्द) : अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। मैं महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा 5 मार्च को यहां सदन में जो अभिभाषण दिया गया था उस पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ। अध्यक्ष महोदय, शराब बन्दी की चर्चा काफी हुई है। इसी प्रकार से लॉ एण्ड आर्डर की बात पर भी मैं कुछ कहना चाहूंगा। लॉ एण्ड आर्डर की हालत यहां पर किस प्रकार की है यह यहां पर बार-बार बात उठी है। इस प्रदेश में जब यह सरकार आई तो हमें यह उम्मीद थी कि चौधरी बंसी लाल जी के राज में लॉ एण्ड आर्डर पर काफी अंकुश लगेगा मगर हुआ क्या, 10-15 दिन तक अफसरों में अफरा-तफरी रही मगर उसके बाद फिर वही तरीके शुरू हो गए जो कि पहले हुआ करते थे। आम पब्लिक यह महसूस करती है कि कहीं पर भी दफ्तरों में या कचहरियों में अथवा थाने आदि में लेने-देने के बगैर बात नहीं बनती है। अध्यक्ष महोदय, आज सरकार कहती है कि शराब बन्दी 85 प्रतिशत लागू हो गई है। इस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि शराब का एक माफिया बन गया है। जो यह नहीं चाहते, लेकिन ये चोर बने कैसे। आज जो सबसे बड़ी बात है वह बेरोज़गारी है। मेरे हल्के में एक बढ़ाना गांव है। जिसमें कुछ दिन पहले कुछ लड़के चोरी के मामले में पकड़े गये। वे बच्चे 13, 14 और 15 साल की उमर के हैं वे कैसे चोर बने। यह जो शराब बंदी हुई इसकी वजह से वे शराब बेचते थे और उसमें उनको काफी पैसा मिलता था उस पैसे को लेकर वे गलियों में घुमा करते थे। रात को वे घुमते हुए दुकानों के ताले तोड़ते और चोरी कर लेते। यह जो शराब बन्दी की बात कही जा रही है मैं इसको बिलकुल भी नहीं मानता। अध्यक्ष महोदय, पहले शराब भट्ठियों में बनती थी और आज शराब कुकरों में बनती है और बहुत जल्दी बनती है। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं यह फैक्टस बता रहा हूँ और बिल्कुल सही बात बता रहा हूँ।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, मेरे सम्माननीय साथी शराब के बारे में विशेष रूप से कह रहे हैं कि शराब कूकरों में बनती है। इनके जो पार्टी के नेता हैं उनकी हरियाणा में शराब की फैक्टरियां थी और वे शराब बनाकर बेचते थे क्या यह उनका नया तरीका तो नहीं है ?

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में बताना चाहता हूँ। सरकार का जो प्रोग्राम था वह अभी आया नहीं है कि 80 प्रतिशत ईंधन बचाओ। अगर सभी परिवारों को कूकर दे दिए जाएं तो 80 प्रतिशत ईंधन बच सकता है।

श्री सतविन्द्र सिंह राणा : अध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि पहले फैक्टरियों में शराब बनती थी और अब शराब बन्दी के बाद शराब कूकरों में बनने लग गई है। जिन लोगों को पता है कि थोड़े टाईम में पैसा बन सकता है तो वे यह काम करते हैं। यह मेरे रोकने से और आप के रोकने से कुछ नहीं हो सकता है जब तक आप नई पीढ़ी को रोजगार की सुविधा नहीं देंगे। जब तक यह सुविधा नहीं दी जाएगी तब तक चोरी छिपे शराब को बनाना जारी रहेगा।

इसी तरह से सड़कों की डिवैल्पमैंट की बात है। मेरे हल्के में कहीं पर भी एक ऐसी सड़क नहीं है जहां पर रिपेयर ठीक से हुई हो। कैथल से असंध तक आधा किलोमीटर सड़क का टुकड़ा है जिस पर आम आदमी गुजर नहीं सकता है। राजौंद का पैड़ी का एरिया है, वहां पर मण्डी नहीं है और पैड़ी वहां पर नहीं खरीदी जाती है। वहां पर किसानों को पैडी बेचने के लिए 30 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। मुख्य मंत्री जी लोगों के अन्दर भावना थी कि आप हरियाणा के नुमायदें हैं लोगों के दुख को तुरन्त

[श्री सतविन्द्र सिंह राणा]

समझेंगे। जिस भावना से उन्होंने आपको मुख्य मंत्री बनाया था उनकी जो उम्मीदें हैं और वे जो आपसे चाहते हैं आप उसको पूरा करेंगे। अध्यक्ष महोदय, पिछले 40 सालों में मार्किटिंग बोर्ड का एक नया पैसा भी नहीं लगा है। मैं यह बात मुख्य मंत्री जी को कहना चाहूंगा कि मेरे हल्के में इस बात का ध्यान रखा जाए। जय हिन्द।

श्री कृष्ण लाल : स्पीकर सर, आपने न तो मुझे किसी सप्लीमैंट्री पर बोलने के लिए समय दिया और न अब आप मुझे बोलने के लिए समय दे रहे हैं। जो लिस्ट हमारे प्रधान जी ने दी है उसमें मेरा नाम भी है।

श्री अध्यक्ष : ऐसा है कि आपके नेता जी ने मुझे यह कहा था कि हमारे नये मैम्बरों को भी बोलने के लिए टाईम दें। इसलिए ही हमने श्री रामफल जी को टाईम दिया है।

श्री रामफल कुंडू (सफीदों) : अध्यक्ष महोदय, आपका मुझे बोलने के लिए समय देने के लिए धन्यवाद। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष वालों पर यहां पर यह आरोप लगाया जाता रहा है कि वे शराबबंदी के मामले में हमारे साथ सहयोग नहीं कर रहे हैं। लेकिन अध्यक्ष महोदय, मैं आपको इस बारे में बताना चाहूंगा कि मैंने खुद एस०पी० से इस बारे में दो तीन बार शिकायत की थी कि रोड़ गांव वालों ने कुछ लोगों को इस मामले में पकड़वाया था लेकिन पुलिस ने उल्टे जगतार-सरपंच पर ही धारा 307 का मुकद्दमा बना दिया। जब हमने डी०एस०पी० से बात की और इससे पहले कि वे कुछ कर पाते उनका सफीदों से जींद तबादला कर दिया। इसके बाद हमने सी०आई०डी० के डी०आई०जी० वगैरह से इस बारे में रिक्वैस्ट की तब कहीं जाकर उन लोगों का पीछा छूटा। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से जींद में दारू का एक पूरा ट्रक 31 जनवरी को पकड़ा गया था। अध्यक्ष महोदय, हर दूसरे दिन चण्डीगढ़ से दारू की गाड़ी जाती है जिसके आगे-आगे मारूति चलती है और बीच में दारू का कैंटर चलता है तथा उसके पीछे अम्बैसडर गाड़ी चलती है। पीछे एक बार ऐसा हुआ है कि जिस दिन यह कैंटर जींद पहुंचता है उसी दिन सिंगला साहब भी वहां स्वागत के लिए जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको सच बताऊंगा। अगर मैं झूठ बोलूं तो मैं इस्तीफा दे दूंगा। मैं गाड़ी का नम्बर भी आपको बता सकता हूँ। सारी चीजें इस बारे में मैं आपको बता सकता हूँ। (विघ्न)

श्रम मंत्री (श्री बृजमोहन सिंगला) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा आदरणीय सदस्य से पूछना चाहूंगा कि क्या ये मेरे ऊपर इल्जाम लगा रहे हैं ?

श्री रामफल कुंडू : मैं आपके ऊपर इल्जाम नहीं लगा रहा हूँ बल्कि मैं तो सच बात बता रहा हूँ कि उस दिन आप भी वहां जींद गये थे। जब भी शराब पकड़वायी जाती है तो पुलिस उल्टे पकड़वाने वालों को ही परेशान करती है। पुलिस ने वेद प्रकाश पुत्र प्रभु तथा उसके लड़कों को पिंडू पिढारा में जाकर पकड़ लिया जबकि असली दोषी दूसरे आदमी हैं। यह पुलिस भी जानती है। जिस दिन वे आदमी जेल में अंदर थे उस दिन वह गाड़ी सफीदों में दारू बेच रही थी और अगले दिन भी सुबह उस मारूति गाड़ी ने हाऊसिंग बोर्ड कालोनी जींद में दारू बेची। लेकिन जब मैंने पुलिस को इस बारे में टेलीफोन किया और उनसे कहा कि आप तो कह रहे हैं कि वे लोग अंदर हैं लेकिन वह गाड़ी अब भी शराब बेच रही है तो स्पीकर सर, जैसा चौधरी सूरजमल जी ने भी बताया और मैं भी बता रहा हूँ कि हम तो हर रोज इस बारे में बताते हैं लेकिन कोई सुनवाई ही नहीं होती तो फिर हम कैसे मदद करें। स्पीकर सर, इसी तरह से एक धर्मवीर नाम का लड़का था और एक लड़का बरसाना गांव का था जिसका नाम मुझे याद नहीं है

वह एल०आई०सी० में काम करता है और जींद में रहता है उसके ऊपर भी पुलिस ने धारा 120 बी का मुकदमा बना दिया। हमारे बार-बार कहने के बाद एक लड़का तो छोड़ दिया है लेकिन दूसरे का कुछ फाल्ट था इसलिए वह अभी जेल में ही है। इसकी गाड़ी थी और उसने लालच में आकर उसका कुछ किराया ले लिया था पांच या सात हजार रुपये और वह पांच दिन पहले ही लगा था। वह गाड़ी जींद से धागा लेकर पानीपत के धागा मिल तक जाती थी और वहां से दारू उतारकर फिर सीधे चण्डीगढ़ आकर दारू का कैंटर भरकर ले जाते थे। लेकिन एक बार उनको यहां पर बैरियर पर अम्बेसडर कार सहित पकड़ लिया। उसका नम्बर पुलिस के पास भी है। (विघ्न) अगर पुलिस इस बारे में असमर्थ है तो मैं उन दोनों गाड़ियों के नम्बर भी बता दूंगा लेकिन यह तो पुलिस की ड्यूटी है। (विघ्न) सर, इनके नम्बर एच०आर० - 313330 और एच०आर० - 262650 हैं। ये उनको रोककर दिखा दें। ये क्या बात करते हैं (विघ्न) जब पुलिस को मालूम है तो मुझसे क्यों पूछते हैं। वे क्यों फंसाये गये थे? क्या उनसे पैसे ले लिए गये थे? उन पर झूठा मुकदमा दर्ज किया गया। सर, जब हमारे बार-बार रिक्वैस्ट करने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं होती तो फिर हमने कहना छोड़ दिया और हम घर बैठ गये।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से 14 तारीख को जींद में राजकुमार नामक व्यक्ति सफीदों से अपनी गवाही देकर ठीक आठ बजे अपने घर लौटकर जा रहा था और बुलेट मोटर साईकिल से तीन जवान आए और उसकी सर पर छड़ मारकर उसकी अटैची खींच कर ले गये। इसी प्रकार विशाल शर्मा किसान 8 तारीख को अपने भाई को छोड़कर आ रहा था वह स्टेट बैंक ऑफ पटियाला के पास पहुंचा था कि इतने में एस०पी० की गाड़ी आ गई और एस०पी० ने उससे पूछा कि आप कौन हो। उसने कहा कि मैं मिलिट्री में किसान हूँ। उसने थोड़ी शराब पी रखी थी जो कि उनको अपने कोटे से मिलती है। एस०पी० ने उसको खेंच कर थप्पड़ मारा और अपने साथ चौकी में ले गए और रात भर उसको चौकी में रखा व उसके साथ भद्दा सलूक किया गया। (घण्टी) इसी तरह कुंजपुरा में खेड़ा खेड़ी गांव का रहने वाला एक युवक था उसका नाम मुझे अभी याद नहीं आ रहा है वह कुंजपुरा में पढ़ता था वहां उसके कुछ साथियों ने उसको फांसी पर लटका दिया आज तक भी उस के केस की कोई इंक्वायरी नहीं हुई। सिर्फ एक ए०एस०आई० को इंक्वायरी दे रखी है उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

इसके अलावा मेरे हल्के में लिंक ड्रेन है आज तक उसकी खुदाई नहीं होती जब हम पूछने जाते हैं तो जवाब देते हैं कि उसका यहां से लेवल नहीं मिलता है। लेवल मिले या नहीं किसान की जमीन का पानी निकलना चाहिए। किसान को तो इस बात से मतलब है। दूसरे जो सफीदों में सफीदों ड्रेन है, डिच ड्रेन है उस पर आज तक खुदाई नहीं हुई है। उनको यह भी पता नहीं है कि यह इरीगेशन के अंडर है या पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट के अण्डर है। कागजों पर खुदाई दिखा दी है। इसी तरह से भम्पेवा ड्रेन की भी यही हालत है।

श्री अध्यक्ष : आप बैठ जाइए।

श्री रामफल कुण्डु : अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री कैलाश चन्द्र शर्मा (नारनौल) : अध्यक्ष महोदय, 5 मार्च को विधान सभा में राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण दिया मैं उसका समर्थन करता हूँ और उसमें जो बिजली के सुधारीकरण का जिक्र है उसके बारे में बताना चाहता हूँ। माननीय अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के अंदर 4 करोड़ यूनिट बिजली की खपत रोजाना है और बिजली का उत्पादन 97-98 लाख यूनिट है। इस प्रकार लगभग 3 करोड़ यूनिट बिजली हमें बाहर से लेनी पड़ती है और इसकी लागत लगभग दो रुपये यूनिट है और 31 परसैंट इसमें

[श्री कैलाश चन्द्र शर्मा]

चोरी है यानी एक करोड़ 25 लाख यूनिट बिजली की चोरी रोजाना होती है। एक करोड़ 25 लाख यूनिट बिजली की चोरी यदि रोक दी जाए तो 75 पैसे अर्थात 1/3 भाग पर यूनिट डाउन हो जाएगा। इस बिजली की चोरी को रोकने के लिए इसका सुधारीकरण किया जाना बहुत ही जरूरी है। आप देखेंगे कि हम गांवों में कई बार बिजली के सैन्टर पर कंपलेन्ट लेकर जाते हैं और वहां तीन कर्मचारी एक बिजली के तार को जोड़ने के लिए जाते हैं और शाम तक एक ही काम करके वापस आ जाते हैं। अगर प्राइवेट व्यक्ति से उस कार्य को करवाएं तो वह 50 रुपये में और केवल दो घंटे में हो सकता है जबकि तीन कर्मचारियों की तनख्वाह तीन सौ रुपये बनती है और वह प्राइवेट व्यक्ति केवल 50 रुपये ही लेता है। इस तरह 250 रुपये का लौस और साथ में छः घण्टे का लौस होता है जिसके कारण लाईन लौस बढ़ रहा है। कुछ भ्रष्ट कर्मचारियों की वजह से, जोकि काम करना नहीं चाहते, यह बिजली की चोरी हो रही है। उन्हीं के कारण यह लाईन लौसिज बढ़ते जा रहे हैं। इनको दूर करने के लिए जो निजीकरण किया जा रहा है वह बहुत ही उपयुक्त है। क्योंकि अगर कोई व्यक्ति कोई बिजनैस करता है और उसमें रोजाना घाटा बढ़ता जा रहा है तो उस घाटे को दूर करने के लिए कोई न कोई उपाय तो किया जाना जरूरी है। क्योंकि पिछली सरकार ने बिजली की व्यवस्था के लिए जो कार्य किये हैं, जितने प्रयत्न किये हैं उनसे ज्यादा से ज्यादा नुकसान ही होता गया कोई फायदा नहीं हुआ। इसलिए निजीकरण करना बहुत ही जरूरी है। दूसरी बात मैं शराब के बारे में कहना चाहता हूँ। क्योंकि जब से यह संसार बना है और कानून व्यवस्था लागू हुई है उस समय से ही हमारे पुराने वेदों में, धार्मिक ग्रन्थों में हर जगह शराब की बुराई की है। शराब एक बहुत ही बुरी चीज है जिसको पीकर मनुष्य की वास्तविक शक्ति और सोचने की शक्ति नष्ट हो जाती है और मनुष्य के अन्दर एक जानवर जाग उठता है। इसके लिए अपोजीशन पार्टियों ने हमारा समर्थन किया है यह एक अच्छी बात है। लेकिन इसके साथ ही साथ शराब को रोकने के लिए जो हमने इस पर पाबंदी लगाई है उसके लिए हम कोई उपाय नहीं कर रहे हैं। इसको रोकने के लिए हमारी सरकार ने जो उपाय किया है उसमें हमारे अपोजीशन के साथियों ने मिलकर हमारे साथ चलना चाहिए और ज्यादा से ज्यादा इस चीज का प्रचार करना चाहिए चाहे वह पब्लिक जलसों के माध्यम से हो, चाहे धार्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से, चाहे स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के माध्यम से, किसी भी प्रकार से ज्यादा से ज्यादा प्रचार करके इस बुराई को दूर करने में सरकार की सहायता करें क्योंकि इसके लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है। जो विपक्ष के साथी इसके लिए हमें सहायता कर रहे हैं उसके लिए धन्यवाद। एक साथी कह रहे थे कि उन्हें गाड़ी का नम्बर याद है। हमारे मुख्य मंत्री जी ने कह रखा है कि चाहे किसी भी पार्टी का आदमी हो, चाहे कोई विधायक हो या कोई विधायक का रिश्तेदार हो इस तरह की शिकायत आपने किसी एस०पी० से की है और उस एस०पी० ने आपकी बात को नहीं माना है तो उस एस०पी० के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जायेगी। आप ऐसे एस०पी० का नाम बताएं सरकार जरूर कार्यवाही करेगी। (विघ्न)

श्री रामफल कुण्डु : लिखकर भेजा हुआ है उसका जवाब दें।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : मेरा प्वायंट आफ आर्डर है, सर।

श्री अध्यक्ष : प्लीज बैठिये नो प्वायंट आफ आर्डर। कैलाश चन्द्र जी आप बोलिए।

श्री कैलाश चन्द्र शर्मा : जब आपका पत्र प्राप्त होगा तो उस पर कार्यवाही जरूर की जायेगी। (विघ्न) रास्ते में कहीं अड़चन आई तो भी देखा जाएगा। (विघ्न)

श्री रामफल कुण्डु : मैंने पत्र बाई हैंड दिया है। उस पर कार्यवाही करवाईये।

श्री कैलाश चन्द्र शर्मा : जो शराब बन्दी हो रही है वह अच्छी बात है। इस बारे अभिभाषण में जो जिक्र किया है उसका मैं समर्थन करता हूँ और माननीय मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि इसमें जो कुछ कमी रह गई है जो ये भाई बता रहे हैं उसको दूर करने के लिए ज्यादा से ज्यादा सख्त कदम उठायें। जिस भी वाहन में शराब आती-जाती है उसको जब्त कर लिया जाये और जो कर्मचारी और अधिकारी इसमें शामिल हैं उनके खिलाफ कार्यवाही करने के लिए जल्द ही इंतजाम किया जा रहा है जिससे जो चोरी करते या करवाते हैं उनके ऊपर पाबंदी लगाई जा सके और यह जो 32 प्रतिशत या 21 प्रतिशत स्टेट के रवैन्यू का लौस हो रहा है वह पूरा हो सके। जिससे बिजली के एक तिहाई हिस्से की कीमत कम हो जाए क्योंकि 30 प्रतिशत तो लाईन लौसिज ही हैं और इसका भार भी सरकार के ऊपर पड़ता है। इसलिए वह एक तिहाई कीमत भी अपने आप ही कम हो जाएगी।

श्रीमती कस्तार देवी : स्पीकर सर, मेरा प्वांयट ऑफ आर्डर है। चौ० भजन लाल जी ने यह गांवों की लिस्ट दी है जिसको मैं पढ़कर सुना देती हूँ। (विघ्न) मैं आपके चैंबर में भी गई थी लेकिन आपने कहा था कि हाऊस में सुना देना। बसौला गांव है, कैरी है जिसमें शराब तस्करी के विवाद में एक एक आदमी मरा है।

श्री अध्यक्ष : कल चौ० भजन लाल जी यहीं होंगे, वे ही यह लिस्ट दे देंगे (शोर) मेरी चौ० भजन लाल जी से बात हो गई थी। आज वे छुट्टी पर हैं। मैंने उनसे कहा था कल दे दो नहीं तो परसों दे देना। You need not tell. Take your seat.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे एक अर्ज करना चाहता हूँ कि जो नाम आपने मांगे हैं, ये उन्हीं की लिस्ट ही तो है जो वह आपको पढ़कर सुनाना चाहती हैं। कल को भजन लाल जी आ जाएंगे लेकिन हो सकता है कल हम में से कोई न हो तो वह तो नहीं सुन पाएगा। (शोर)

श्री सतपाल सांगवान : यह बसौला गांव मेरी कंस्टीच्यूएंसी में पड़ता है। ये गल्त कह रही हैं। वहां पर एक चूहिया भी नहीं मरी है। इनको पता तो कुछ है नहीं। (शोर)

श्री कैलाश चन्द्र शर्मा : इसके साथ ही अभी थोड़ी देर पहले मेरे सम्मानीय साथी श्री खुर्शीद अहमद जी ने कहा था कि सारी जनता में यह विश्वास था कि चौ० बंसी लाल जी जिस समय शुरू में सत्ता में आए थे, उस समय उन्होंने ही सड़कों का निर्माण करवाया था और बिजली भी प्रदेश में वही लाए थे। मैं विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि आने वाले 2-4 महीने में परिणाम सामने आ जाएंगे। पिछले 20-25 सालों से जो घाटे की अर्थव्यवस्था बिगड़ी पड़ी है, तथा जिसमें 3 हजार करोड़ रु० बिजली का घाटा पड़ा है, उसको सुधारना है। पीछे जितनी भी संस्थाओं से, भारत सरकार से हमने जो भी पैसा कर्ज के रूप में लिया है, आज तक एक पैसा भी नहीं लौटाया गया है। इसलिए वह पैसा भी लौटाना है तथा आगे की अर्थव्यवस्था भी चालू रखेंगे। इसके लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है और ज्यादा से ज्यादा प्रयत्न कर रही है। इसीलिए निजीकरण को मजबूरी में लागू करना पड़ा।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, कल मुख्य मंत्री महोदय, कह रहे थे कि बिजली का निजीकरण नहीं कर रहे हैं और ये माननीय साथी कह रहे हैं कि निजीकरण करने जा रहे हैं। (विघ्न) आखिर हमें यह बात तो स्पष्ट रूप से बताई जाए कि वास्तव में क्या करने जा रहे हैं।

श्री बंसी लाल : अच्छी तरह से ठोककर बता देंगे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आपके पास बताने को कुछ नहीं है।

श्री अध्यक्ष : आप सभी भोजन के लिए आमंत्रित हैं। Now, the House is adjourned for half an hour i.e. upto 2.00 p.m. today

*13.30 hrs. (The Sabha then *adjourned till 2.00 p.m.)

Vidhan Sabha Secretariat * Haryana * Chandigarh LIBRARY

28804-H.V.S., H.G.P., Chd.